राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
एक्शन इंडिया
वर्ष: 12 अंक: 74 पृष्ठ: 12
RNI : HPHIN/2012/48072
actionindiauna@gmail.com
हिमाचल संस्करण
दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड
RKB GROUP
Rakesh Bhardwaj Group

दुष्यंत चौटाला की शादी समारोह में शामिल हुए हरियाणा के सीएम मनोहर लाल खट्टर। डिप्टी सीएम दुष्यंत ने किया स्वागत।

अडाणी मुद्दे पर डरे हैं पीएम: राहुल गांधी

वे मुझे पार्लियामेंट में नहीं बोलने देंगे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बताएं अडाणी से उनका क्या रिश्ता: कांग्रेस नेता राहुल गांधी

पीएम निशाने पर...

= प्रधानमंत्री मोदी अडाणी के मुद्दे से डरे हुए हैं। वे बताएं कि अडाणी से उनका क्या रिश्ता है : कांग्रेस नेता राहुल गांधी

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली
लंदन में दिए गए भाषण को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सफाई दी है। उन्होंने गुरुवार को कहा कि मेरे भाषण में ऐसी कोई चीज नहीं थी जो मैंने पब्लिक रिकॉर्ड से नहीं निकाली। सब कुछ यहां-वहां से जुटाया था। यह पूरा मामला डिस्ट्रैक्ट करने का है। दरअसल, प्रधानमंत्री अडाणी के मुद्दे से डरे हुए हैं। वे बताएं कि अडाणी से उनका क्या रिश्ता है। राहुल गांधी ने यह सारी बातें प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहीं। साथ ही कहा कि लंदन में दिए गए भाषण के मुद्दे पर संसद में विस्तार से जवाब दूंगा। मैं सांसद हूं और संसद मेरा मंच है। राहुल ने कहा कि अडाणी को श्रीलंका, बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया में ठेके मिल रहे हैं। प्रधानमंत्री और ऑस्ट्रेलिया के पीएम के बीच क्या बात हुई पीएम उसके जवाब नहीं दे पाए। मैं लोकसभा का सदस्य हूं। मेरी जिम्मेदारी अपनी बात संसद में रखने की है। मुझे संसद में अगर बोलने का मौका मिलता है तो वहां मैं डिटेल में इस विषय पर अपनी बात रखूंगा। हालांकि लगता है कि वे मुझे पार्लियामेंट हाउस में बोलने नहीं देंगे।

मेरा बोलना भाजपा को पसंद नहीं: इससे पहले संसद के बाहर राहुल ने कहा था- मैंने लंदन में भारत के खिलाफ कुछ नहीं कहा था। अगर संसद में मुझे बोलने का मौका मिलेगा, तो मैं अपनी बात रखूंगा। उन्होंने आगे कहा कि मेरा बोलना भाजपा को पसंद नहीं आता है। इससे पहले, गुरुवार सुबह 11 बजे संसद की कार्यवाही शुरू होते ही दोनों सदनों को 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। दोपहर बाद कार्यवाही शुरू होने पर एक बार फिर हंगामा होने पर दोनों ही सदन दिनभर के लिए स्थगित कर दिए गए।

राहुल ने स्पीकर से मिलकर वक्त मांगा: कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से गुरुवार को मुलाकात की। उन्होंने लंदन के बयान पर अपना पक्ष संसद में रखने के लिए वक्त मांगा।

देश के खिलाफ बयान स्वीकार नहीं: रिजिजू

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली
केंद्रीय कानून मंत्री एवं भाजपा नेता किरण रिजिजू ने गुरुवार को राहुल गांधी के लंदन में दिए गए बयान के संदर्भ में कहा कि संसद नहीं चलने से देश में चिंता का माहौल है। भाजपा का इस पर स्पष्ट मानना है कि देश के खिलाफ बयान स्वीकार नहीं किया जा सकता। भाजपा नेता ने आज पत्रकारों से बातचीत में राहुल गांधी के लंदन में दिए बयानों को लेकर उनकी आलोचना की। उन्होंने कहा कि देशवासी भले ही उन्हें गंभीरता से ना लें लेकिन विदेश के लोग उनसे अपरिचित हैं और उन्हें लग सकता है कि राहुल गांधी जो कह रहे हैं वह सही है। कांग्रेस पार्टी को देशवासियों ने सबसे ज्यादा शासन का अवसर प्रदान किया है।

'मेरा पीएम कैंडिडेट होना चर्चा का विषय नहीं'

राहुल से जब यह पूछा गया कि वे अगले पीएम उम्मीदवार होंगे, इस पर उन्होंने कहा कि मेरा पीएम कैंडिडेट होना चर्चा का विषय नहीं है। विपक्ष का सेंट्रल आइडिया भाजपा और संघ को हराना है।

मैं मोदी की शैली से सहमत नहीं: ये आइडिया कि एक आदमी सभी समस्याओं को हल करता है, सतही है। लोगों से बात करने से समस्याएं हल हो जाती हैं। इसके लिए हितधारकों और सरकार के बीच बातचीत जरूरी है। मैं ऊपर से नीचे तक एक व्यक्ति वाली नरेंद्र मोदी-शैली से सहमत नहीं हूं जो चीजों को ठीक करने के लिए जादू की छड़ी लेकर इधर-उधर भागता है। राहुल ने कहा कि अमेरिका सहित दुनिया के लोकतांत्रिक देश यह नोटिस करने में विफल रहे कि भारत का लोकतंत्र खतरे में है।

'सेक्सिस्ट भाषा, भद्दे चुटकुलों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस जरूरी'

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली
सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने महिलाओं के लिए गलत व्यवहार, सेक्सिस्ट भाषा और भद्दे चुटकुलों के लिए जीरो टॉलरेंस सुनिश्चित करने की बात कही है। जस्टिस चंद्रचूड़ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सुप्रीम कोर्ट की जेंडर सेंसिटाइजेशन और इंटरनल कम्पलेंट कमेटी के एक इवेंट में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने कोर्ट की भाषा, दलीलों और फैसलों में महिलाओं के लिए इस्तेमाल किए गए अनुचित शब्दों की शब्दावली जारी करने की घोषणा की।

सीजेआई बोले- ये एक मिशन था, जो पूरा होने वाला है: सीजेआई ने कहा कि यह डिक्शनरी एक मिशन था जिसे उन्होंने कुछ साल पहले शुरू किया था।

हेलीकॉप्टर का मलबा मिला, दोनों पायलटों ने गंवाई जान

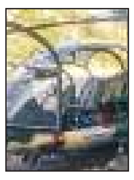

नई दिल्ली: अरुणाचल प्रदेश के पश्चिमी खमेंग जिले में गुरुवार को सुबह दुर्घटनाग्रस्त हुए चीता हेलीकॉप्टर का मलबा वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास मिल गया है। मंडला पहाड़ी इलाके के पास दुर्घटनाग्रस्त हुए हेलीकॉप्टर के दोनों पायलटों ने इस हादसे में अपनी जान गंवाई है। सर्च ऑपरेशन के दौरान चीन बॉर्डर के पास मलबा के साथ पायलटों के शव भी मिल गए हैं। गुवाहाटी के रक्षा प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने बताया कि आज सुबह करीब 09:15 बजे अरुणाचल प्रदेश के बोमडिला के पास ऑपरेशनल उड़ान भरने वाले आर्मी एविएशन के चीता हेलीकॉप्टर का एटीसी से संपर्क टूट गया। इसके बाद बोमडिला के पश्चिम में मंडला के पास हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना मिली।

रूसी एयरस्पेस से दूर रहे अमेरिका: रूस

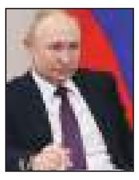

टीम एक्शन इंडिया/वाशिंगटन
रूसी जेट विमानों के काला सागर में अमेरिकी ड्रोन को गिराए जाने के बाद दोनों देशों के बीच तल्खी और बढ़ गई है। रूस ने अमेरिका को उसके हवाई क्षेत्र से दूर रहने की चेतावनी दी है। दोनों महाशक्तियों के बीच रूस-युक्रेन युद्ध के बाद पहला सीधा टकराव है। वाशिंगटन और मॉस्को दोनों इस घटना के लिए एक-दूसरे पर दोषारोपण कर रहे हैं। जहां ड्रोन गिराया गया है, अमेरिका उसे अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्र बता रहा है, जबकि रूस दावा कर रहा है कि उसने यह क्षेत्र यूक्रेन से जीता है। रूस यह भी कह रहा है कि इस अमेरिकी ड्रोन की मौजूदगी इस बात का सुबूत है कि अमेरिका यूक्रेन युद्ध में सीधे दखल दे रहा है। बताया जा रहा है कि रूस समुद्र से ड्रोन का मलबे को हासिल करने की कोशिश करेगा।

ईडी ने कविता को फिर भेजा समन, 20 को पूछताछ के लिए बुलाया

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली
प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली आबकारी नीति घोटाला मामले में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की एमएलसी के. कविता को नया समन जारी किया है। ईडी ने उन्हें पूछताछ के लिए 20 मार्च को दिल्ली स्थित दफ्तर में उपस्थित होने के लिए कहा है। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी के. कविता को ईडी ने फिर समन भेजा है। जांच एजेंसी ने उन्हें 20 मार्च को उपस्थित होने के लिए कहा है। के. कविता को ईडी के समक्ष आज पूर्वाह्न 11 बजे पेश होना था, लेकिन उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष अपनी लंबित याचिका का हवाला देते अपने एक प्रतिनिधि के जरिए जांच एजेंसी के दफ्तर दस्तावेज भिजवाया था।

बाल विवाह पर कार्रवाई सांप्रदायिक नहीं: सरमा

दो टूक

= लोग अपराधियों के लिए रो रहे हैं, लेकिन पीड़ित परिवार के उन बच्चियों के लिए नहीं जो 11 साल की उम्र में गर्भवती हो जाती हैं

टीम एक्शन इंडिया/गुवाहटी
असम में बाल विवाह के खिलाफ राज्य सरकार सख्त ऐक्शन ले रही है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि बाल विवाह पर किसी तरह की सांप्रदायिक कार्रवाई नहीं की जा रही है। मुख्यमंत्री विधानसभा के बजट सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान सदन को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा- कुछ लोग अपराधियों के लिए रो रहे हैं, लेकिन पीड़ित परिवार के उन बच्चियों के लिए नहीं जो 11 साल की उम्र में गर्भवती हो जाती हैं।

सरमा बोले- या तो मुझे हटा दें, या बाल विवाह रोकें: असम सीएम ने कहा कि राज्य में बाल विवाह स्वीकार्य नहीं हैं। मैंने असम में देखा है कि कुछ विधायक आरोपियों के पक्ष में बात कर रहे हैं। सरमा ने यहां तक कह दिया- आपके पास दो विकल्प है, या तो मुझे यहां से हटा दो या बाल विवाह बंद करो, तीसरा कोई विकल्प नहीं है।

चुनाव आयोग से मिला जम्मू-कश्मीर के नेताओं का प्रतिनिधिमंडल

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली
नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी और कांग्रेस के नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को दिल्ली में चुनाव आयोग से मुलाकात की और जम्मू-कश्मीर में चुनाव कराए जाने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारूख अब्दुल्ला ने किया। मुलाकात के बाद डॉ. अब्दुल्ला ने कहा कि हम सभी पार्टियों की एक ही मांग है कि राज्य में चुनाव कराए जाएं। इससे वहां लोकतांत्रिक प्रक्रिया शुरू होगी और लोगों को राहत मिलेगी। आयोग से हमने कहा कि केन्द्र सरकार बार-बार राज्य में हालात सामान्य होने की बात कर रही है। अगर राज्य में हालात सामान्य हैं तो जल्द से जल्द चुनाव होना चाहिए। उन्होंने बताया कि चुनाव आयोग ने उन्हें आश्वासन दिया है कि वह इस

विषय पर विचार कर रहे हैं। इस दौरान डॉ. अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिए जाने का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक राज्य को केन्द्रशासित प्रदेश बना दिया गया। निर्वाचन सदन जाने से पूर्व, प्रतिनिधिमंडल में शामिल नेताओं से राज्य के 13 दलों के नेताओं ने मुलाकात की। डॉ. अब्दुल्ला ने कहा कि राज्य के 13 दलों के नेताओं ने जम्मू कश्मीर के विषय पर आज बैठक की और इस बात पर सहमति जताई कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा लौटाया जाना चाहिए। इस मुद्दे पर सभी ने मिलकर काम करने का फैसला किया है। बैठक में शामिल एनसीपी नेता शरद पवार ने कहा कि हम जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा लौटाए जाने पर सहमत हैं।

चुनाव की मांग

= प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारूख अब्दुल्ला ने किया

देश के मेडिकल कॉलेजों में पीजी सीटें 110 प्रतिशत बढ़ीं: डॉ. मनसुख

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली
केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने गुरुवार को कहा कि देश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या में 71 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की सीटें 97 प्रतिशत और पीजी की सीटें 110 प्रतिशत बढ़ी हैं। केंद्रीय मंत्री मांडविया ने ट्वीट कर कहा कि दौर बदला है और देश भी बदला है। साल 2014 में जहां एमबीबीएस की सीटें 51,348 हुआ करती थी, वह साल 2023 में बढ़कर 1,01,043 सीटें हो गई हैं।

70000 करोड़ रुपये के हथियार खरीदने के प्रस्तावों को मंजूरी

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली
रक्षा मंत्रालय ने भारतीय रक्षा बलों के लिए विभिन्न हथियार प्रणालियों की खरीद के लिए 70,000 करोड़ रुपये से अधिक के प्रस्तावों को मंजूरी दी है। रक्षा अधिकारियों ने इसके बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद की बैठक में यह फैसला लिया गया। रक्षा अधिकारियों के मुताबिक, इन प्रस्तावों में भारतीय नौसेना के लिए 60 मेड इन इंडिया यूटिलिटी हेलीकॉप्टर मरीन और ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, भारतीय सेना के लिए 307 हॉवित्जर,

भारतीय तटरक्षक बल के लिए 9 ध्रुव हेलिकॉप्टर खरीदने के प्रस्तावों की मंजूरी शामिल है। इतना ही नहीं, इन प्रस्तावों में भारतीय नौसेना के लिए एचएएल द्वारा निर्मित 60 यूएच समुद्री हेलिकॉप्टर खरीदने के लिए 32,000 करोड़ रुपये का मेगा ऑर्डर भी शामिल है।

व्यवधान 2022-23 के समर्थन मूल्य घोषित करने में देश के किसानों से घोर विश्वासघात किया है: सुरजेवाला

संसद में हंगामा: लोकसभा-राज्यसभा की कार्यवाही ठप

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली
संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही में चल रहा व्यवधान गुरुवार को भी जारी रहा जिसके चलते लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही पहले दोपहर 2 बजे और बाद में दिनभर तक के लिये स्थगित कर दी गई। लोकसभा में अध्यक्ष ओम बिरला ने सभी पक्षों को बैठकर विचार कर हाउस में आर्डर लाने का अनुरोध किया। उन्होंने विपक्ष के नेताओं से कहा कि उन्हें बात रखने का अवसर दिया जाएगा। अध्यक्ष ने कहा कि सदन की मर्यादा बनाए रखना सबकी जिम्मेदारी है। ऐसे में प्रश्नकाल और बजट पर चर्चा होने देनी चाहिए। कुछ ऐसे ही हालात राज्यसभा में भी रहे

जहां सदन की कार्यवाही शुरू होने के कुछ समय बाद हंगामे की वजह से दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। इस दौरान सभापति जगदीप धनखड़ ने प्रदर्शन कर रहे सांसदों को चेतावनी दी कि वे उनका नाम लेंगे। बाद में दोपहर 2 बजे कार्यवाही शुरू होने पर उपसभापति हरिवंश की ओर से सदस्यों से सदन को चलने देने का आग्रह दोहराया गया। हंगामा न रुकते देख कार्यवाही को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि बजट सत्र के दूसरे भाग के चौथे दिन भी पक्ष विपक्ष के गतिरोध के चलते संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही बाधित रही है। सत्ता पक्ष जहां राहुल गांधी के लंदन में दिए गए बयानों पर उनसे माफी की मांग कर रहा है, तो दूसरी ओर विपक्ष अडानी मामले की जांच संयुक्त संसदीय समिति से कराने की मांग पर अड़ा है।

गतिरोध

= बजट सत्र के दूसरे भाग के चौथे दिन भी पक्ष विपक्ष के गतिरोध के चलते संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही बाधित रही

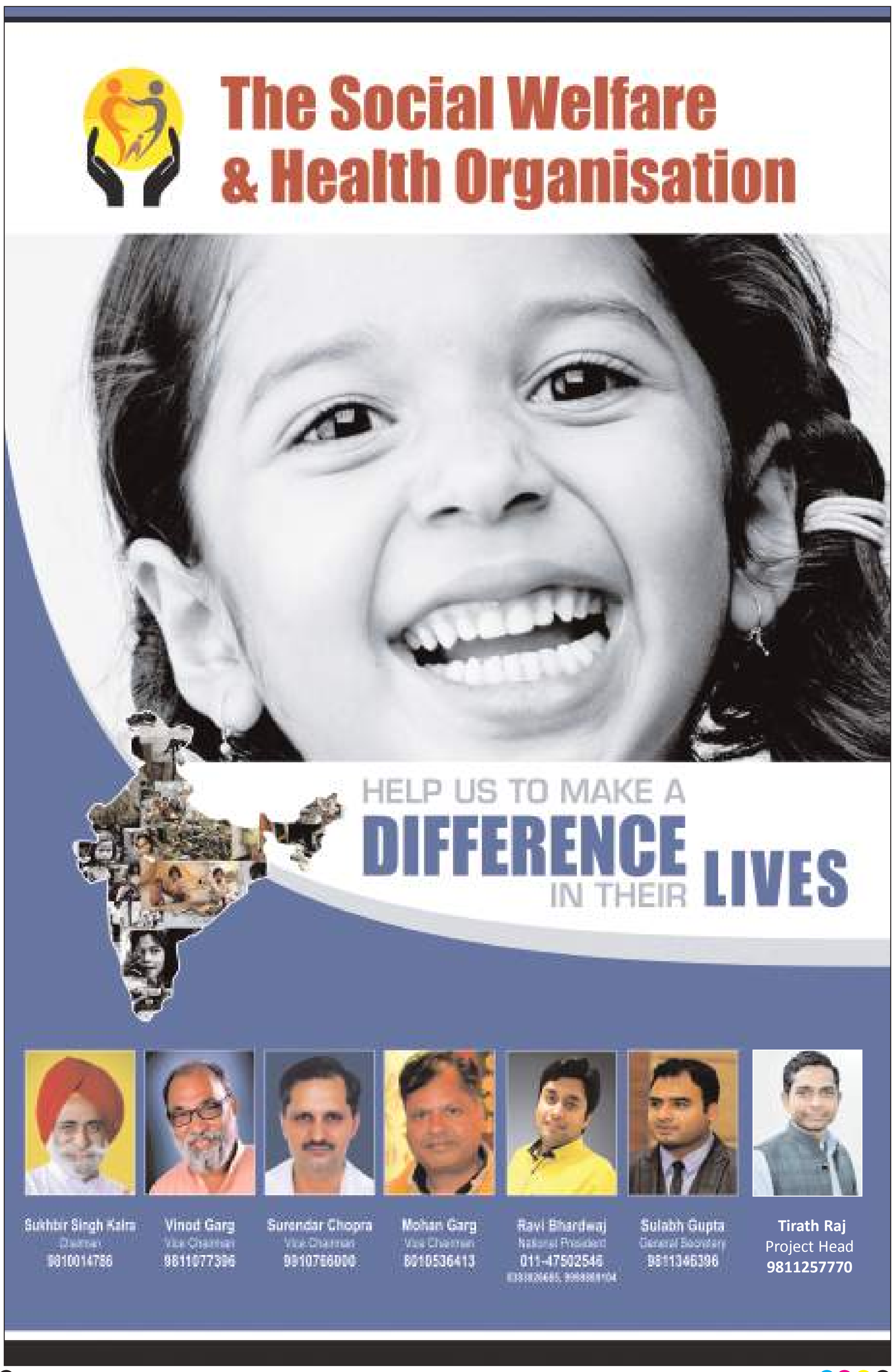

सर्दियों में नहीं होगी बिजली की किल्लत

हिमाचल में अक्तूबर तक होगा 200 मेगावाट सोलर पावर का उत्पादन :सीएम सुक्खू

टीम एक्शन इंडिया/शिमला/चमन शर्मा

हिमाचल प्रदेश में इस वर्ष अक्तूबर तक 200 मेगावाट सोलर बिजली का उत्पादन आरम्भ हो जाएगा। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आज प्रदेश विधानसभा में ये ऐलान किया। इस बिजली के उत्पादन से फिर र हिमाचल को सर्दियों के मौसम में दूसरे राज्यों पर निर्भर नहीं होना पड़ेगा। क्योंकि सर्दियों के दिनों में प्रदेश को दूसरे राज्यों से बिजली की खरीद करनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि 9 महीने के रिकॉर्ड समय में 200 मेगावाट सोलर पावर का उत्पादन किया जाएगा जो इससे पहले कभी नहीं हुआ है। हिमाचल प्रदेश जलविद्युत उत्पादन पर जल

उपकर विधेयक, 2023 की चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि सरकार को संसाधन जुटाने की जरूरत है जिसके लिए कडे कदम उठाए जा रहे हैं। इससे परेशानी तो होगी। मगर आने वाला समय बेहतरीन जरूर हो जाएगा। उन्होंने कहा कि अभी सर्दियों में अक्तूबर से मार्च महीने तक प्रदेश को 7 रुपए प्रति यूनिट तक बिजली की खरीद करनी पड़ती है। अपनी सोलर पावर होगी तो यह जरूरत नहीं पड़ेगीए क्योंकि हाइड्रो पावर का उत्पादन उस समय में कम हो जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के हित में जो भी हो सकेगा वह किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मंत्री रात को भी काम करते हैं जो आगे भी करेंगे क्योंकि राज्य का हित देखना है। उन्होंने कहा कि वाटर सेस को लाने में सरकार की कोई राजनीतिक मंशा नहीं है। उन्होंने कहा कि हिमाचल में पावर पॉलिसी में भी बदलाव किया जाएगा। इसे लेकर अधिकारी काम कर रहे हैं और दूसरे राज्यों के मुकाबले एक बेहतरीन पॉलिसी यहां पर दी जाएगी जिससे पावर सेक्टर में भी निवेश बढ़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार वाटर सेस के लिए अध्यादेश लाई और ये इसलिए जरूरी था, क्योंकि सालों से हम अपने अधिकार से वंचित थे। पानी पर सेस लगाना राज्य का अधिकार है और पानी हिमाचल का बहता सोना है। उन्होंने कहा कि शांता कुमार ने वाटर सेस को लेकर सराहना की है। उनका कहना था कि 172 बिजली परियोजनाओं को आयोग में पंजीकरण करवाना होगा। हिमाचल के लोगों को कोई दिक्कत न होए इसे ध्यान में रखा जाएगा और हिमाचली उत्पादकों को राहत प्रदान की जाएगी। सीएम ने सिंचाई के लिए दूसरे राज्यों द्वारा उपयोग में लाए जा रहे पानी पर सेस कैसे लगेए इस सुझाव को बेहतरीन बताया और कहा कि सरकार इस दिशा में ध्यान देगी।

जिला सिरमौर के नाहन में जल्द बनाया जाए राष्ट्रीय स्तरीय स्विमिंग पूल

8 साधना बर्मन की अगुवाई में उपायुक्त जिला सिरमौर राम कुमार गौतम को ज्ञापन सौंपा गया

टीम एक्शन इंडिया/नाहन/एसपी जैरथ

स्विमिंग एसोसिएशन ऑफ जिला सिरमौर के जिला अध्यक्ष साधना बर्मन की अगुवाई में उपायुक्त जिला सिरमौर राम कुमार गौतम को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में मांग की गई कि स्विमिंग एसोसिएशन ऑफ जिला सिरमौर आपसे सादर निवेदन करती है कि जिला सिरमौर के नाहन फाउंड्री या पक्का तालाब में राष्ट्रीय स्तर का स्विमिंग पुल का निर्माण किया जाए। ताकि जिला सिरमौर के बच्चों को राज्य स्तरीय एवं राष्ट्रीय

स्तरीय चैंपियनशिप में भाग लेने का मौका मिल सके। जिला सिरमौर के बच्चे एवं खिलाड़ी वाटर स्पोर्ट्स से हमेशा अछूते रहते हैं। स्विमिंग पूल होने से जिला सिरमौर के बच्चों एवं युवाओं को स्विमिंग गेम में प्रतिभा निखारने का मौका मिलेगा। इस मौके पर उपायुक्त रामकुमार गौतम ने स्विमिंग एसोसिएशन ऑफ जिला सिरमौर के पदाधिकारियों को आश्वासन दिया कि जल्द से जल्द जिला सिरमौर के नाहन में स्विमिंग पूल का निर्माण करवाया जाएगा। इस मौके पर स्विमिंग एसोसिएशन ऑफ जिला सिरमौर के पदाधिकारीगण एवं हिमाचल प्रदेश स्विमिंग एसोसिएशन के राज्य महासचिव इशान अख्तर विशेष रूप से मौजूद रहे।

शिलाई के सतौन में भाजपा ने कांग्रेस के खिलाफ की नारेबाजी

टीम एक्शन इंडिया/नाहन/एसपी जैरथ

शिलाई विधानसभा क्षेत्र के सतौन में आज बीजेपी ने सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आक्रोश रैली निकाली। इस मौके पर प्रदेश की कांग्रेस सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। रैली सतौन बाजार में निकाली गई। इसमें पूर्व विधायक शिलाई बलदेव तोमर और मंडल से आए भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस मौके पर पूर्व विधायक बलदेव तोमर ने कहा कि प्रदेश की सरकार ने सत्ता में आते ही 600 से अधिक संस्थान बंद कर दिए।

रिकॉर्ड समय में तैयार चौली पुल का मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण

8 इस 190 फुट लंबे नए पुल को लगभग 2.50 करोड़ रुपये की लागत से मात्र डेढ़ माह में निर्मित किया गया है

टीम एक्शन इंडिया/चंबा/हामिद

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बुधवार को शिमला से वर्चुअल माध्यम से चंबा जिला के भरमौर विधानसभा क्षेत्र की खड़ामुख-होली सडक पर चौली में नवनिर्मित बैली पुल का शुभारंभ किया। इसी वर्ष तीन फ रवरी को यहां पुल ढह गया था और इस 190 फु ट लंबे नए पुल को लगभग 2.50 करोड़ रुपये की लागत से मात्र डेढ़ माह में निर्मित किया गया है। इससे 10 ग्राम

पंचायतों के लगभग 15 हजार लोगों को लाभ पहुंचेगा। मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग को इस पुल को रिकॉर्ड समयावधि में पूर्ण करने के लिए बधाई देते हुए कहा कि लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने इसमें विशेष रुचि दिखाते हुए पुल निर्माण को समयबद्ध पूरा करने में अपना बहुमूल्य सहयोग दिया। राज्य में बेहतर सडक अधोसंरचना पर बल देते हुए ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि वर्तमान सरकार लोगों को सडक संपर्क की सर्वोत्तम सुविधा प्रदान करने के लिए दृढ़ संकल्प है ताकि उन्हें अपनी दैनिक गतिविधियों में किसी भी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े।

उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुविधा के दृष्टिगत लोक निर्माण विभाग को सडकों के रखरखाव और विस्तारीकरण के कार्य को प्राथमिकता प्रदान करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने लगभग 10 हजार करोड़ रुपये की शिमला से मटौर और लगभग 12 हजार करोड़ रुपये की पठानकोट से मंडी फोरलेन परियोजना पर सैद्धांतिक तौर पर सहमति जताई है। इससे सुविधाजनक यात्रा के साथ ही लोगों के समय की भी बचत होगी। इस अवसर पर, लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह, मुख्य संसदीय सचिव राम कुमार चौधरी एवं संजय अवस्थी, विधायकगण मुख्यमंत्री के साथ शिमला में उपस्थित रहे जबकि पूर्व मंत्री ठाकुर सिंह भरमौरी एवं उपायुक्त डीसी राणा, चंबा से इस कार्यक्रम से वर्चुअल माध्यम से जुड़े।

संक्षिप्त खबरें

आईआरएडी एप से चिह्नित होंगे सडक दुर्घटना के डेंजर जोन, दुर्घटनाओं में आएगी कमी

टीम एक्शन इंडिया/किन्नौर/अनिल

केंद्रीय सडक परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने एनआइसी के साथ मिलकर एकीकृत सडक दुर्घटना डेटाबेस आइआरएडी तैयार करने के लिए एप विकसित किया है जिसमें सडक दुर्घटना से मृत व घायल होने वालों की सूचना अपडेट होगी। इस एप में दर्ज डेटाबेस का अध्ययन आईआईटी मद्रास के विशेषज्ञ करेंगे। इसका उद्देश्य सडक दुर्घटना के डेंजर जोन को चिह्नित कर घायल लोगों को गोल्डन आवर में जरूरी चिकित्सा सुविधा मुहैया करवाकर मृत्यु दर के साथ-साथ सडक दुर्घटनाओं में कमी लाना है। जिला सूचना विज्ञान अधिकारी बलवान नेगी ने बताया कि इस एप के इस्तेमाल लिए एनआइसी के रोल आउट मैनेजर अश्वनी नेगी ने पुलिस, स्वास्थ्य, हाईवे और परिवहन विभाग के लगभग 160 कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया है। अभी तक इस एप में पुलिस विभाग द्वारा 17 दुर्घटना अंकित की गई हैं। उन्होंने बताया कि इस एप्लीकेशन के जरिए पुलिस सडक दुर्घटनाओं को मौके पर दर्ज कर रही है तथा परिवहन विभाग गाडि?ों का मोटर व्हीकल इंस्पेक्शन कर रहा है। इसी प्रकार हाईवे डिपार्टमेंट दुर्घटना स्थल की रोड डिटेल अपडेट करेगा तथा स्वास्थ्य विभाग सडक हादसे के घायलों की सूचना अपडेट करेगा।

एचडीएफसी बैंक-फ्लिपकार्ट होलसेल ने उद्योग का पहला को ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड लॉन्च किया

टीम एक्शन इंडिया/शिमला: भारत के सबसे बड़े प्राईवेट बैंक एचडीएफसी बैंक और विशाल ऑफलाईन एवं ऑनलाईन पहुँच के साथ ऑम्नीचैनल बी2बी प्लेटफॉर्म तथा भारत में विकसित फ्लिपकार्ट समूह ने आज उद्योग का प्रथम को.ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड लॉन्च किया है। यह क्रेडिट कार्ड केवल फ्लिपकार्ट होलसेल सदस्यों के लिए है ।यह क्रेडिट कार्ड डाईनर्स क्लब इंटरनेशनल नेटवर्क पर चलेगा जो डिस्कवर ग्लोबल नेटवर्क का हिस्सा है ।इसका उपयोग विश्व में 200 से ज्यादा देशों में किया जा सकता है जहाँ डाईनर्स क्लब कार्ड स्वीकार किए जाते हैं। एचडएफसी बैंक में कंट्री हेड पेमेंट्स एंड कंज्यूमर फाईनेंस टेक्नॉलॉजी एंड डिजिटल बैंकिंग पराग राव ने कहा एसएमई भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं ।देश में अग्रणी कार्ड जारीकर्ता के रूप में हमारा प्रयास है कि हम इस महत्वपूर्ण वर्ग को कस्टमाईज्ड समाधान प्रदान करें ।फ्लिपकार्ट होलसेल के साथ इस साझेदारी द्वारा हमें उम्मीद है कि हम और ज्यादा किराना स्टोर्स एवं छोटे व्यापारियों को सहयोग दे सकेंगे ताकि उन्हें अपने विनिमयों को ऑप्टिमाईज करने अपने ऑपरेशंस को स्ट्रीमलाईन करने और एक फायदेमंद अनुभव प्रदान करने में मदद मिले ।उन्होंने कहा हमें फ्लिपकार्ट होलसेल के साथ साझेदारी करने की खुशी है और हमें विश्वास है कि यह नया कार्ड रिटेलर्स के लिए बहुत फायदेमंद होगा। इस गठबंधन के अंतर्गत फ्लिपकार्ट होलसेल के रजिस्टर्ड सदस्यों को फ्लिपकार्ट होलसेल ऑनलाईन खर्चों पर उद्योग का प्रथम ऑफर यानि 5 प्रतिशत का कैशबैक मिलेगा। दूसरे फायदों में 1500 रु.मूल्य का एक्टिवेशन कैशबैक,जीरो ज्वाईनिंग शुल्क तथा यूटिलिटी बिल्स एवं अन्य खर्चों पर अतिरिक्त कैशबैक शामिल है। को.ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड के लॉन्च से भारत में छोटे व्यापारियों को क्रेडिट की उपलब्धता बढ़ेगी और डिजिटल भुगतान को स्वीकार करने में तेजी आएगी तथा उन्हें कई अन्य फायदे भी मिलेंगे। यह क्रेडिट कार्ड केवल फ्लिपकार्ट होलसेल सदस्यों के लिए लॉन्च किया गया है। किराना सदस्यों को फ्लिपकार्ट होलसेल ऑनलाईन खर्चों पर उद्योग में सर्वाधिक 5 प्रतिशत कैशबैक मिलेगा। फ्लिपकार्ट होलसेल सदस्य स्टोर में आकर या बेस्ट प्राईज फ्लिपकार्ट होलसेल ऐप पर आवेदन कर सकते हैं।

रिटायरमेंट के बाद लोग जीवन के प्रति ज्यादा आशावादी रवैया अपनाते हैं: आईसीआईसीआई

धर्मशाला: अपने जीवन के सबसे महत्वपूर्ण मील के पत्थरों में से एक रिटायरमेंट के प्रति भारतीयों का वर्तमान रवैया है बदल रहा है और उनके लिए अब रिटायरमेंट एक विराम है एक पड़ाव नहीं यह खुलासा रिटायरमेंट योजना के प्रति लोगों के दृष्टिकोण को समझने के लिए आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के एक अध्ययन में हुआ जिसका शीर्षक था क्या भारत रिटायरमेंट के लिए तैयार है,65.4 लाख रुपये का कॉर्पस अब रिटायरमेंट के लिए आदर्श माना जाता है कुल आय का 11प्रतिशत रिटायरमेंट से जुड़ी बचत के लिए बांटा किया जाता है जो व्यक्ति रिटायरमेंट के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं वे 40 वर्ष के होने से पहले ही निवेश करना शुरू कर देते हैं 65प्रतिशत जवाब देने वालों ने अभी तक वार्षिकी योजनाओं में निवेश नहीं किया है जबकि वे ऐसा करने का इरादा रखते हैं लगभग 66प्रतिशत जवाब देने वाले मुद्रास्फीति और गंभीर बीमारी के बारे में चिंतित हैं जो उनकी रिटायरमेंट सेविंग और उनकी जीवन शैली को प्रभावित कर रहे हैं।

41 से घटाकर 34 करने के साथ-साथ पुराने डेलिमिटेशन को अपनाना अवैध, असंवैधानिक है: जैन

टीम एक्शन इंडिया/शिमला/चमन शर्मा

विद्वान वरिष्ठ अधिवक्ता सत्य पाल जैन ने हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय में दरख्वास्त डालने के बाद कहा कि शिमला नगर निगम में वार्डों की संख्या 41 से घटाकर 34 करना हिमाचल प्रदेश नगर निगम अधिनियम 1994 के प्रावधानों का उल्लंघन है और साथ ही हिमाचल प्रदेश नगर निगम चुनाव नियम, 2012 का उल्लंघन। सतपाल जैन ने अपनी अर्जी में कोर्ट को बताया कि जब वार्डों को 34 से बढ़ाकर 41 करने की पूरी कवायद कानून को मद्देनजर रखते हुए और सभी नियमों की पालना करते हुए की थी, तो हिमाचल सरकार द्वारा वार्डों को 41 से घटाकर 34 करने के लिए अधिनियम में संशोधन करने का कोई औचित्य नहीं था। उन्होंने कहा कि अन्यथा वार्डों की संख्या 41 से घटाकर 34 करने के बाद भी डेलिमिटेशन के नियमों के अनुसार 34 वार्डों के डेलिमिटेशन की प्रक्रिया फिर से करने की क्या आवश्यकता थी। इसलिए, वार्डों को 41 से घटाकर 34 करने के साथ-साथ पुराने डेलिमिटेशन को अपनाना दोनों अवैध, असंवैधानिक है और रद्द किए जाने योग्य हैं। उन्होंने आग्रह किया कि उत्तरदाताओं को हिमाचल प्रदेश नगर निगम अधिनियम और नियमों के प्रावधानों के अनुसार नए सिरे से डेलिमिटेशन प्रक्रिया को पूरा करने के लिए निर्देशित किया जाए। लंबी सुनवाई के बादए अदालत ने राज्य के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश राज्य चुनाव आयोग को भी नोटिस जारी किया और दोनों प्रतिवादियों को मामला दायर करने का निर्देश दिया। उच्च न्यायालय ने आगे की दलीलों के लिए मामले को 28-3-2023 के लिए फिक्स किया है। इस अवसर पर अधिवक्ता वीर बहादुर वर्मा, अंकित धीमान, अनु वर्मा और मुकुल शर्मा उनके साथ रहे। पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने सत्यपाल जैन का शिमला आम पर स्वागत एवं अभिनंदन किया।

आधार में ऑनलाइन अपडेशन के लिए नहीं लगेगा शुल्क : उपायुक्त

टीम एक्शन इंडिया/चंबा/हामिद

आधार कार्ड में पहचान के प्रमाण और पते के प्रमाण के ऑनलाइन अपडेशन के लिए 14 जून तक जिला वासियों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। उपायुक्त डीसी राणा ने बताया कि जिन लोगों ने पिछले 8-10 वर्षों में अपना आधार अपडेट नहीं किया है, उन्हें अपनी पहचान का प्रमाण और पते के प्रमाण के दस्तावेज अपलोड करने होंगे। आधार सेवा केंद्र पर 50 रुपये देकर इस सेवा का लाभ उठाया जा सकता है। हालांकि, निवासियों के लिए काफी राहत की बात यह है कि यूआईडीएआई ने 3 महीने की सीमित अवधि के लिए ऑनलाइन आधार दस्तावेज अपडेट सेवा के लिए शुल्क माफ कर दिया है।

नेशनल हाईवे 707 पर बच्ची को टक्कर मार कर अज्ञात वाहन चालक हुआ फरार

टीम एक्शन इंडिया/नाहन/एसपी जैरथ

पाँवटा साहिब.सतोंन नेशनल हाइवे 707 सडक मार्ग पर एक अज्ञात वाहन चालक ने सडक पर चल रही छोटी बच्ची को जोरदार टक्कर मार कर मौके से फरार हो गया।

जानकारी देते हुए डीएसपी ने बताया की घायल बच्ची की पहचान अन्नया पुत्री दिवेश कुमार निवासी गोंदपुर के रूप में हुई है। पुलिस को दी शिकायत में दिवेश कुमार पुत्र किशन पाल निवासी गोंदपुर डाकघर निहालगढ़ तहसील पांवटा साहिब ने बताया कि वह अपनी बेटी अनन्या के साथ काम के सिलसिले में कहीं

जा रहा था।

जब वह गोंदपुर पहुंचा और बेटी के साथ सडक क्रॉस कर रहा थाए तो अचानक उसी समय एक कार राजबन की तरफ से तेज गति व लापरवाही से आई और इसकी बेटी को टक्कर मार दी। इतना ही नही टक्कर मारने के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। मामले की पुष्टि करते हुए डीएसपी रमाकांत ठाकुर ने बताया कि मामले की तफ्तीश करते हुए अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय दण्ड संहिता की धारा 279, 337 तथा मोटर वाहिकल एक्ट की धारा 187 के तहत पुलिस थाना पांवटा साहिब में मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

सोलन-मीनस रोड़ को एनएच घोषित किया जाए: डॉ. तंवर

टीम एक्शन इंडिया/नाहन/एसपी जैरथ

सोलन-राजगढ़-मीनस रोड़ को राष्ट्रीय उच्च मार्ग घोषित करने के लिए बीते 9 मार्च को मीनस से आरंभ हुई सात दिवसीय पद यात्रा बुधवार को राजगढ़ के सनौरा में पूर्ण हुई।

राजगढ़ पहूंचने किसान सभा के पदाधिकारियों द्वारा शहर में एक रैली निकाली गई तथा देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एसडीएम राजगढ़ के माध्यम से इस बारे ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें सोलन-मीनस रोड़ को नेशनल हाई वे घोषित करने की मांग की गई। इस पद यात्रा का आयोजन हिमाचल प्रदेश किसान सभा तथा जिला सिरमौर किसान सभा के संयुक्त तत्वाधान में किया गया।

हिमाचल प्रदेश किसान सभा के राज्याध्यक्ष डॉ. कुलदीप तंवर ने बताया कि सोलन-मीनस रोड़ वर्ष 1962 में हिमाचल निमार्ता डॉ. वाईएस परमार के गतिशील नेतृत्व में निर्मित किया गया था। उस दौरान मशीनरी इत्यादि का बहुत अभाव होता था। इसके बावजूद भी इस 140 किलोमीटर रोड़ को सोलन से मीनस तक तैयार किया गया था। डॉ. तंवर ने बताया कि यह खेद का विषय है कि इस रोड़ का दर्जा राज्य उच्च मार्ग के घटाकर एमडीआर अर्थात मेजर डिस्ट्रिक रोड़ किया गया है।

हमे इंटरनेशनल ड्यूटी डे मनाना चाहिए: सांसद अविनाश राय खन्ना

टीम एक्शन इंडिया/शिमला/चमन शर्मा

भाजपा प्रभारी एवं सांसद अविनाश राय खन्ना ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के लॉ डिपार्टमेंट में एक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में भाग लिया। प्रोफेसर संजय संधू ने बताया कि उनकी पुस्तक समाज चिंतन को इस कॉलेज के सिलेबस का भाग बनाया गया है जिसके लिए प्रदेश प्रभारी अविनाश राय खन्ना ने सभी का धन्यवाद भी किया। इस अवसर पर अपनी पुस्तक समाज चिंतन के बारे में उन्होंने विधि विभाग के विद्यार्थियों के साथ संवाद भी किया। खन्ना ने कहा कि बच्चे

जिस प्रकार से और लगन से पढ़ाई कर रहे हैं वह अद्भुत है, यही बच्चे बड़े होकर देश का भविष्य बनाएंगे। आज लॉ की पढ़ाई बहुत महत्वपूर्ण है और समाज में लॉ का योगदान बहुत बड़ा है। हमें संविधान में अपनी ड्यूटीज के बारे में विस्तृत रूप से पढ?ा चाहिए और मैं चाहता हूं कि हम सब इंटरनेशनल ड्यूटी डे भी मनाए हमेशा हम समाज में अपने हितों यानी राइट्स की बात करते हैं पर कभी ड्यूटी के बारे में बात नहीं करते। अगर हम अपनी ड्यूटीज के बारे में अध्ययन कर ले तो हमें अपने समाज की सेवा करने के बारे में और ज्यादा शक्ति प्राप्त होगी।उन्होंने कहा कि आईपीसी बहुत सोच समझ कर बनाया गया था और जब से भारत देश बना है तब से इसमें केवल 2 अमेंडमेंट की गई है, इसी प्रकार एविडेंस एक्ट की स्थापना से अब तक केवल एक ही अमेंडमेंट की गई है जो की धारा 119 है। मेरा मानना यह है कि हमें लॉ के बारे में अध्ययन करना चाहिए और प्रैक्टिस करते समय जो भी चीज हमारे समक्ष आती है उसके बारे में हमें सरकार को अवगत करवाना चाहिए। सीआरपीसी सेक्शन 80 के बारे में चर्चा की और उन्होंने बताया कि सरकारी अफसरों को इस सेक्शन के अंतर्गत पूछे गए सवालों का जवाब देना चाहिए, जिससे कोर्ट का समय भी बचेगा और कोर्ट में चले मामलों का निपटारा जल्द होगा। हमें कोर्ट का समय बिल्कुल भी व्यर्थ नहीं करना चाहिए ऐसी प्रतिज्ञा हमें लेकर कार्य करना है। हमारे देश को काफ ी न्यायिक सुधार की आवश्यकता है पर उसके लिए हमें लगातार अपने सुझाव सरकार को भेजते रहना चाहिए जब हम लॉ की प्रैक्टिस करते हैं तो उसको एथिक्स के साथ करना चाहिए।

टेनिसी विलियम्स के लिखे नाटक 'द ग्लास इमेंजरी' का खूबसूरत मंचन

टीम एक्शन इंडिया/कुल्लू/ श्याम कुल्वी

अटल सदन कुल्लू में भाशा एवं संस्कृति विभाग हिमाचल प्रदेष द्वारा आयोजित किए जा रहे राज्य स्तरीय नाट्योत्सव के तीसरे दिन संकल्प रंगमण्डल शिमला के कलाकारों ने युवा निर्देशक नरेश कुमार मिन्चा के निर्देशन में टेनिसी विलियम्स के लिखे नाटक द ग्लास इमेजरी का खूबसूरत मंचन किया। यह नाटक उत्तम, जोकि इसमें कथाकार है और इस नाटक का किरदार भी है। वह एक महत्वकांक्षी कवि है, जो अपनी मां राधिका देवी और बहन कीर्ति के साथ हिल स्टेशन में रहता है एक जूते की दुकान में एक सेल्समैन की नौकरी कर रहा है जो कि उसे कभी नहीं करनी थी। लेकिन मजबूरी है कि नौकरी करनी पड़ रही है। उसका बाप उन्हें छोड़ कर चला गया है। मां राधिका अपनी बेटी कीर्ति की शादी को लेकर चिन्तित है उसकी शादी नहीं हुई है। मां बेटे से कहती है कि अपने किसी अच्छे से दोस्त को अपने घर लाए ताकि वह अपनी बेटी की शादी उससे करवा सके। नाटक में वर्तमान समय की वास्तविकता को उजागर किया गया है। जिसमें इन्सान कामयाब न हो पाने की ज्दोजेहद में लोगों की जिंदगियां बसर हो जाती हैं। वे अपनी काल्पनिक दुनिया बना लेते हैं और उस दुनिया मे अपने तरीके से रहना चाहते हैं। कभी उनके सपने टूट जाये तो पीड़ा से भर जाते हैं। आदमी एक अन्धी दौड़ मे भाग रहा है, बिना किसी हमदर्दी और अपनेपन के। नाटक के अन्त में सचिन एक उम्मीद बन कर आता है जो वही सचिन है जिससे कीर्ति कॉलेज के दिनों मे प्यार करती थी। लेकिन उसका भी जब पता चलता है कि दो महीन बाद उसकी शादी होने वाली है तो कीर्ति और उसकी मां के सपने शीशे की तरह टूट जाते हैं।

संस्थान बंद करने का मामला: विपक्ष का लगातार दूसरे दिन हंगामा, वाकऑउट

टीम एक्शन इंडिया/शिमला/चमन शर्मा

हिमाचल प्रदेश की सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार द्वारा संस्थानों को बंद करने के मामले पर वीरवार को विधानसभा में लगातार दूसरे दिन हंगामा हुआ और विपक्ष ने सदन से वाकआउट किया। सदन की कार्यवाही आरंभ होते ही पूरा विपक्ष अपनी सीटों पर खड़ा हो गया और नारेबाजी शुरू कर दी। सदन में इस दौरान काफी देर तक हंगामे की स्थिति बनी रही और विपक्ष के नारेबाजी प्रतिउत्तर में सत्ता पक्ष के सदस्यों ने भी कुछ देर के लिए नारे लगाए। इस दौरान विपक्षी सदस्य हाथों में चेन, ताले और पोस्टर भी लिए हुए थे। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने सदन में व्यवस्था बहाल करने का प्रयास किया और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर को अपना पक्ष रखने की इजाजत दी, जिसके बाद सदन में कुछ समय के लिए स्थिति सामान्य हो गई। हालांकि नेता प्रतिपक्ष द्वारा अपना पक्ष रखने के बाद सदन में फिर से हंगामे की स्थिति पैदा हो गई और थोड़ी देर नारेबाजी करने के बाद पूरा विपक्ष इस मुद्दे पर वाकआउट कर सदन से बाहर चला गया। इस बीच, नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि सरकार संस्थान बंद करने के मुद्दे पर बातों को हलके में ले रही है। उन्होंने कहा कि यह सामान्य स्थिति नहीं है। जिस तरह से पूरे प्रदेश में सैकड़ों की संख्या में संस्थान बिना सोचे समझे बंद कर दिए गए, उससे प्रदेश में हाहाकार मचा हुआ है। उन्होंने यहां तक कहा कि सरकार ने यह फैसला लेते हुए न तो किसी प्रक्रिया का पालन किया और न ही दिमाग का इस्तेमाल किया। जयराम ठाकुर ने कहा कि विपक्ष ने इस मुद्दे पर जब थोड़ा सा प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री से मिलने का प्रयास किया तो सत्ता पक्ष के कुछ विधायकों ने रास्ता रोककर कथित तौर गुंडागर्दी का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की गुंडागर्दी को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्षों से विपक्ष अपने-अपने तरीके से अपना पक्ष रखता आ रहा हैए लेकिन कभी आज जैसी स्थिति पैदा नहीं हुई। उन्होंने कहा कि यदि विपक्ष ने अपने विधायकों को नहीं रोका होता तो सदन में स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण हो सकती थी। उन्होंने कहा कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के विरोध में विपक्ष सदन से वाकआउट कर रहा है। इसके बाद पूरा विपक्ष वाकआउट कर सदन से बाहर चला गया।

बजट सत्र के तीसरे दिन की कार्यवाही का संचालन करते विधान सभा के अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया।

विपक्ष बौखलाहट में : हर्षवर्धन

संसदीय कार्य मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने विपक्ष की दलीलों को तथ्यों के परे बताया और कहा कि वह बौखलाहट में है। उन्होंने विपक्ष पर सरकार को डिक्टेट करने का आरोप लगाया और कहा कि सरकार इनके वोट से नहीं बनी हैए बल्कि जनता ने कांग्रेस को सत्ता में लाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष सुर्खियों में बने रहने के लिए इस तरह के ड्रामे रच रहा है। उन्होंने सरकार की ओर से विपक्ष के व्यवहार और वाकआउट को लेकर निंदा प्रस्ताव भी पेश किया और कहा कि विपक्ष का व्यवहार अति निंदनीय है। हर्षवर्धन चौहान ने यह भी कहा कि सरकार,विपक्ष के नारों और धमकियों से डरने वाली नहीं है और न ही सरकार विपक्ष के हिसाब से जवाब देगी। स्वास्थ्य मंत्री धनीराम शांडिल ने भी विपक्ष के वाकआउट की निंदा की और कहा कि विपक्ष को संयम रखना चाहिए। बागवानी मंत्री जगत सिंह नेगी ने भी निंदा प्रस्ताव का समर्थन किया और कहा कि जयराम ठाकुर जब मुख्यमंत्री थे तो लोकतंत्र की हत्या हुई। उन्होंने यह भी कहा कि जयराम ठाकुर पांच सालों तक जमीन पर नहीं उतरे और उन्हें हेलीकॉप्टर वाले मुख्यमंत्री के रूप में जाना जाता है। ऐसे में उनके मुंह से लोकतंत्र की बात अच्छी नहीं लगती। विधायक संजय रतन ने कहा कि विपक्ष का आचरण मात्र विरोध करने का है। उन्होंने विपक्ष के सदस्यों द्वारा ताले और चेन लेकर सदन में आने को लेकर सुरक्षा में चूक बताया और पूछा कि क्या इन्हें गेट पर किसी ने रोका नहीं।

मान लें जयराम ठाकुर, बदल गई है सरकार : अग्निहोत्री

उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि जयराम ठाकुर की हालत उलटा चोर कोतवाल को डांटे वाली हो गई है। उन्होंने कहा कि जयराम ठाकुर अपनी सरकार बचाना चाहते थे और इसके लिए उन्होंने दिन रात एक कर संस्थान खोलेए ताकि फि र से मुख्यमंत्री बन सके। इसके लिए उन्होंने किसी भी कायदे कानून की परवाह नहीं की। उन्होंने कहा कि प्रदेश के आय के संसाधनों से खिलवाड़ करने के लिए जयराम ठाकुर को सदन में आकर प्रदेशवासियों से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जयराम ठाकुर को अब यह मान लेना चाहिए कि अब सरकार बदल चुकी है। उन्होंने कहा कि सरकार अपने विवेकए सोच और संसाधनों से काम करेगीए न कि विपक्ष की नसीहत से। उन्होंने कहा कि जयराम ठाकुर ने जल शक्ति विभाग में चार साल में 58 कार्यालय खोलेए जबकि अंतिम एक साल में 42 कार्यालय खोले। उन्होंने निंदा प्रस्ताव का समर्थन करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय के बाहर विपक्ष नौटंकी करने आया था। उन्होंने विपक्ष को धीरे चलने की सलाह दी और कहा कि पांच साल कटे नहीं कटेंगे।

जयराम ठाकुर ने झूठ बोला : सीएम सुक्खू

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर पर झूठ बोलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वह बजट सत्र के बाद सभी विधानसभा क्षेत्रों में जाएंगे और देखेंगे कि कहां पर संस्थान खोलने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार में बिना पदों को भरे कोई भी संस्थान नहीं खोला जाएगा और यही व्यवस्था परिवर्तन है। सुक्खू ने यह भी कहा कि वह राज्य के पैसे को लूटने के लिए सत्ता में नहीं आए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं को मैरिट और योग्यता के आधार पर रोजगार मिलेगा।

हिमाचल विधानसभा में वाटर सेस बिल पास

172 पन बिजली परियोजनाओं और भविष्य में परियोजनाओं पर लगेगा वाटर सेस

टीम एक्शन इंडिया/शिमला/चमन शर्मा

शिमलाए 16 मार्च। हिमाचल प्रदेश में बिजली परियोजनाओं पर वाटर सेस लागू करने के लिए कानून बन गया है। विधानसभा में वीरवार को वाटर सेस कानून को संशोधनों के साथ मंजूरी दे दी गई। प्रदेश में वर्तमान 172 बिजली परियोजनाओं के साथ भविष्य में लगने वाले प्रोजेक्टों पर इसे लागू किया जाएगा। विधानसभा में उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री की तरफ से पेश किए गए विधेयक पर विपक्षी दल भाजपा के विधायक रणधीर शर्मा ने दो संशोधन दिए थे। उनके संशोधनों को मानकर सरकार ने विधेयक में इन्हें शामिल करने की मंजूरी दी है। संशोधन के अनुसार वाटर सेस लागू करने के लिए प्रदेश में बनने वाले आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति का दायरा बढ़ाया जाएगा। अध्यक्ष पद के लिए सचिव रैंक के अधिकारी के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों इंजीनियरिंग, वित्त, कानून एवं सांख्यिकी के अलावा मैनेजमेंट से जुड़े विशेषज्ञों की तैनाती की जा सकेगी। इनके पास कम से कम 15 साल का अनुभव होगा और किसी अन्य लाभ के पद पर नहीं होंगे। इसी तरह से सदस्यों की नियुक्ति भी अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञों के माध्यम से की जाएगी। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के हस्तक्षेप के बाद उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने विधेयक को संशोधनों के साथ पारित करने के लिए रखा जिसे मंजूरी दे दी गई। इससे पहले

8 उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री की तरफ से पेश विधेयक पर विधायक रणधीर शर्मा ने दो संशोधन दिए थे

विधेयक पर चर्चा हुई जिस पर उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि इस कानून का असर प्रदेश की जनता पर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि आज सरकार को कठिन वित्तीय परिस्थितियों से बाहर निकलने के लिए संसाधन जुटाने की जरूरत है और इसलिए विपक्ष को भी इसमें सहयोग देना चाहिए नाकि पूंजीपतियों की वकालत करनी चाहिए। उनका कहना था कि जल विद्युत परियोजनाओं पर वाटर सेस लगाकर राज्य को 4 हजार करोड़ रुपए की आय होगी। सरकार दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ इस विधेयक को लाई है जिसके लिए उन्होंने राज्यपाल का भी आभार जताया। उन्होंने कहा कि सरकार जनता के प्रति जवाबदेह है और जो कर रहे हैं सोच समझ कर हो रहा हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले में कंपनियों के साथ बातचीत की जाएगी और पांच मेगावाट से नीचे के हिमाचली उत्पादकों को इसमें राहत भी दी जाएगी। वाटर सेस को लेकर सदन में चर्चा भी की गई। विधायक रणधीर शर्मा ने कहा कि वह पूंजीपतियों का संरक्षण नहीं कर रहे हैं और चाहते हैं कि हिमाचल के लिए आय के साधन बढ़ें। परंतु इस विधेयक में कई कमियां हैं जिन्हें दूर किया जाना चाहिए। उन्होंने पूछा कि जब विधानसभा सत्र शुरू होना ही था तो क्यों रातों रात सरकार को अध्यादेश लाना पडा। यह साफ नहीं है कि पुराने बिजली उत्पादकों से भी यह सेस लिया जाएगा या फिर भविष्य की कंपनियों से ही लिया जाएगा। उनका कहना था कि परियोजना उत्पादकों से सरकार रॉयल्टी भी लेती है और अफ्रंट प्रीमियम भी लिया जाता है, यदि इस पर सेस लगाएंगे तो जनता पर अप्रत्यक्ष रूप से इसका बोझ पड़ सकता है। इसमें कानूनी अड़चनें आ सकती हैं। साथ ही 5 मेगावाट के प्रोजेक्ट हिमाचलियों के हैंए जिन पर भी यह बोझ होगा। उनका कहना था कि सरकार को हर मामले को राजनीति से नहीं जोड ?ा चाहिए। कांग्रेस के विधायक राजेश धर्माणी ने सरकार को सुझाव दिया कि सिंचाई के लिए जो पानी दूसरे राज्य इस्तेमाल कर रहे हैं क्या उनसे इस तरह का सेस लिया जा सकता हैए सरकार को इस पर भी विचार करना चाहिए। उन्होंने श्री रेणुका जी प्रोजेक्ट का भी उदाहरण दिया।विधायक जनक राज ने वाटर सेस में जिला व स्थानीय पंचायत की हिस्सेदारी की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि जलए जंगल व जमीन पर जनजातीय क्षेत्र के लोगों का पहला अधिकार होता है और वहां पैसा कानून चलता है। जीत राम कटवाल ने भी हिमाचली लोगों के हितों को सर्वोपरि रखने की बात कही वहीं त्रिलोक जमवाल ने कहा कि इस बिल से किसी ना किसी रूप में आम जनता पर बोझ पड़ेगा।

जखपीर मंदिर भंडारे में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने किया प्रसाद ग्रहण

टीम एक्शन इंडिया/ऊना/राजन पुरी

विधानसभा क्षेत्र कुटलैहड़ के तहत जखपीर मंदिर डीहर में हर साल की भांति इस वर्ष भी भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। आयोजक सोमनाथ शर्मा ने बताया कि सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबाजी के दरबार में पहुंचकर माथा टेका व पूजा अर्चना की। शर्मा ने बताया कि इस तरह के भंडारे से लोगों में भक्ति भाव तथा आस्था बनी रहती है और लोग भगवान के भंडारे में सम्मलित होकर प्रसाद ग्रहण करते हैं । इस अवसर पर प्रदीप शर्मा, अनिल कुमार, साहिल कुमार, सतीश कुमार, जगत कुमार, विजय रागी, रिंकू शर्मा ,तारा सिंह ने बढ़-चढ़कर भंडारे में सहयोग किया।

वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का किया गया आयोजन

टीम एक्शन इंडिया/बिलासपुर/कश्मीर ठाकुर

राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर में 16 मार्च, 2023 को वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में बम्बर ठाकुर एक्स एमएलए एवं जनरल सेक्रेटरी हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने शिरकत की। कार्यक्रम का आयोजन सुबह 10:30 बजे महाविद्यालय परिसर में ही किया गया । ज्ञात हो कि हर साल पुरस्कार वितरण समारोह में शैक्षणिक व अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त किए विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाता है।

प्राचार्य प्रोफेसर नीना वासुदेवा ने मुख्य अतिथि को शॉल, पारंपरिक टोपी व स्मृति चिन्ह दे कर सम्मानित किया। संगीत विभाग के छात्र व छात्राओं ने वंदे मातरम गीत से कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद मां सरस्वती की पूजा वंदना से कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत हुई। इसके बाद महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर नीना वासुदेवा ने महाविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार को बधाई दी और कहा कि इस महाविद्यालय में आकर मुझे बहुत खुशी का अनुभव होता है उन्होंने छात्रों को कहा कि छात्रों को गुरुजनों की डांट का बुरा नहीं मानना चाहिए और अपना रास्ता खुद बनाना आना चाहिए। उन्होंने कहा कि शुरू मे रास्ते कठिन लगते हैं लेकिन समय के साथ हमे सफलता जरूर मिलती है। उन्होंने कहा कि हमारे युवाओं को नशे से दूर रहने की आवश्यकता है और सभी छात्र संगठनों को हमारे छात्र छात्राओं को नशे से बचाने के लिए एक साथ आगे आना चाहिए क्योंकि हमारे विद्यालय केवल विद्यालय ही नहीं बल्कि शिक्षा का मंदिर है और हम इस मंदिर को दूषित नहीं होने देंगे।

इस अवसर पर अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमो का भी आयोजन भी महाविद्यालय के छात्र व छात्राओं द्वारा किया गया। इस अवसर पर समस्त महाविद्यालय परिवार मौजूद रहा।

नगर परिषद मनाली के कर्मचारी पर दायर मुकदमा बेबुनियाद : चमन कपूर

टीम एक्शन इंडिया/मनाली/राज अग्रवाल

नगर परिषद मनाली के अध्यक्ष चमन कपूर ने मनाली में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि मनाली में किसी व्यक्ति द्वारा नगर परिषद के एक सफ ाई कर्मचारी पर एफ आईआर करवाई गई है कि उसने, उस व्यक्ति के पालतू कुत्ते को जहर खिला कर मार दिया है। नगर परिषद अध्यक्ष का कहना है कि नगर परिषद के सफाई कर्मचारी शहर में गंदगी उठाने का काम करने के साथ-साथ शहर में लावारिस मृत पड़े पशुओं को उठाने का काम करते हैं न कि उन्हें मारने का। उन्होंने कहा कि जिस भी व्यक्ति का पालतू कुत्ता मृत पाया गया था उसे चाहिए था की वो बताए कि उसका कुत्ता नगर परिषद के किस वार्ड में पंजीकृत था और कहां पर मृत पाया गया। उन्होंने कहा कि ये किसी साजिश के तहत किया गया है। इस नाम के किसी भी व्यक्ति ने नगर परिषद मनाली में अपने पालतू कुत्ते का पंजीकरण नहीं करवाया है। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारी पर दायर एफ आईआर झूठी है और पुलिस प्रशासन को इसकी गहनता से छानबीन करनी चाहिए। उन्होंने नगर परिषद मनाली के बाशिंदों से अनुरोध किया है कि जो भी व्यक्ति कोई पालतू जानवर जैसे कुत्ता इत्यादि रखता है उसका पंजीकरण नगर परिषद में अवश्य करवाएं और उसको सही तरीके से रखें ताकि लोगों को भी आवारा कुत्तों से निजात मिल सके।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला देवधार में 6 माह से अध्यापकों का टोटा

टीम एक्शन इंडिया/गोहर/सुभाग सचदेवा

जिस स्कूल में अध्यापक नहीं होंगी उस स्कूल के विद्यार्थियों का भविष्य कैसा होगा इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला देवधार में 126 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं और आजकल परीक्षाएं चल रही हैं। बड़े खेद की बात है राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला देवधार में पढ़ाने वाले अध्यापक ही नहीं हैं। ऐसे में कल्पना करें बच्चों की शिक्षा की गुणवत्ता में कितना सुधार हुआ होगा बच्चों का भविष्य क्या होगा। बच्चों की शिक्षा को लेकर सरकार कितनी गंभीरता से कार्य कर रही है इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है ।सराज विधानसभा क्षेत्र के पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के गृह क्षेत्र में सीनियर सेकेंडरी स्कूल देवधार में 6 माह के लंबे समय से अध्यापकों की कमी चल रही है और स्कूल में 126 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं और उन बच्चों का भविष्य अधर में है। स्कूल में रिक्त चल रहे अध्यापकों के पदों की सूची इस प्रकार है राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला देवधार में पीजीटी इतिहास, पीजीटी राजनीतिक शास्त्र, हिंदी, कंप्यूटर साइंस, पीईटीए डीपी आदि महत्वपूर्ण पद स्कूल में खाली चले हुए हैं।जिसमें स्कूल में सिर्फ एक पद पीजीटी इंग्लिश के अध्यापक ही अपनी सेवाएं दे रहे हैं। स्कूल में अध्यापकों की कमी के कारण बच्चों की पढ़ाई पूर्ण प्रभावित हुई है वार्षिक परीक्षा बच्चों के सिर पर है और बच्चों का भविष्य भगवान भरोसे है । स्कूल की एसएमसी कमेटी और एसएमसी अध्यक्ष ओम राज और बच्चों के अभिभावकों ने सरकार से गुहार लगाई है कि राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला देवधार में अध्यापकों के रिक्त पदों को शीघ्र अति शीघ्र भरने के आदेश शिक्षा विभाग को दिया जाए जिससे आगले सेशन में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित ना हो सके। बच्चों के भविष्य की चिंता को लेकर स्कूल प्रबंधन समिति ने चेतावनी दी है कि अगर जल्दी ही स्कूल में रिक्त चल रहे अध्यापकों के पदों को नहीं भरा गया तो वह शिक्षा विभाग के प्रति सड़कों पर आंदोलन करेंगे। स्कूल में लंबे समय से अध्यापकों के रिक्त चल रहे पदों के बारे में जब प्रधानाचार्य देवधार कुबेर दत से बात की गई तो उन्होंने बताया कि मुझे भी यहां कुछ ही महीना ज्वाइन किए हुआ है परंतु स्कूल में अध्यापकों के रिक्त चल रहे पदों को भरने की मांग को लेकर उच्च शिक्षा अधिकारी को मांग पत्र प्रेषित कर दिया गया है और विधायक को भी अवगत करा दिया गया है।

अज्ञात चोरों ने पशुशाला से उड़ाई इलेक्ट्रिक मोटर

टीम एक्शन इंडिया/ऊना/राजन पुरी

थाना हरोली के तहत ललड़ी में अज्ञात चोरों ने पशुशाला से इलेक्ट्रिक मोटर पर हाथ साफ कर दिए। अज्ञात चोरों ने पशुशाला मलिक की गैर मौजूदगी में चोरी की घटना को अंजाम दिया। वहीं पुलिस ने पशुशाला मलिक की शिकायत पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में बहादुर सिंह निवासी ललड़ी ने बताया कि बुधवार शाम को अपनी पशुशाला में गया था तो पाया कि अज्ञात व्यक्ति उसकी पशुशाला में पशुओं का चारा कुतरने वाली मशीन की इलेक्ट्रिक मोटर चुरा कर ले गया है।

मंडी में पुलिस की रेड, चिट्टे सहित महिला समेत 5 गिरफ्तार

टीम एक्शन इंडिया/मंडी/खेमचंद शास्त्री

मंडी पुलिस ने नशे के सौदागरों के खिलाफ अपनी मुहीम तेज कर दी है। इसी के चलते मंडी पुलिस थाना सदर ने चिट्टे की मात्रा के साथ एक महिला और 4 युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सभी को हिरासत में लेकर मामला दर्ज करके छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस थाना सदर की टीम द्वारा पड्डल गुरुद्वारा मोहल्ला मंडी में मंगलवार एक किराए के मकान में रेड करके 5 व्यक्तियों में एक महिला भी शामिल थी को 13.77 ग्राम हेरोइन व सिरिंज सहित रंगे हाथों पकड़ा। पुलिस थाना सदर के प्रभारी शकीनी ने बताया कि आरोपियों को गिरफ्तार करके मामला दर्ज

करके जांच शुरू कर दी है। एसपी शालिनी अग्निहोत्री ने बताया कि पड्डल गुरुद्वारा मोहल्ला में सदर पुलिस थाना की टीम ने छापेमारी की है और किराए के एक मकान में महिला सहित 4 व्यक्तियों को रंगे हाथों पकड़ा गया है। एसपी शालिनी अग्निहोत्री ने बताया कि 13.77 ग्राम चिट्टे के साथ पकड़े गए आरोपियों में अरविंद पुत्र भगत राम निवासी दियाड़ी डाकघर टिल्ली तहसील सदर, पुनीत कुमार राणा पुत्र रोशन लाल डाकघर गाड़ागुसैणी तहसील बंजार जिला कुल्लू, ललित कुमार पुत्र नरपत राम गांव त्रयासल, डाकघर बलोह, तहसील सदर, जिला मंडी, संदीप कुमार पुत्र निधी चंद, गांव जजरौत डाकघर बाल्ट, तहसील बल्ह, मंडी तथा युवती जिसकी निवासी लागधार तहसील कोटली जिला के रूप में पहचान हुई है। पुलिस ने इन आरोपियों को कोर्ट में पेश किया और कोर्ट ने आरोपियों को तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है।

घालूवाल में स्थापित होगा सेना के शौर्य और पराक्रम का प्रतीक टैंक

उप मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिला प्रशासन ने शुरू की कदमताल

टीम एक्शन इंडिया/ऊना/राजन पुरी

ऊना जिला मुख्यालय के साथ-साथ नेशनल हाइवे से सटे विभिन्न कस्बों और मुख्य चौराहों के सौंदर्यीकरण को लेकर जिला प्रशासन ने कवायद तेज कर दी है। जिसके तहत नेशनल हाईवे अथॉरिटी के साथ-साथ लोक निर्माण विभाग को भी व्यापक दिशानिर्देश के तहत काम के आदेश जारी किए गए हैं।

उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री की अध्यक्षता में पिछले माह विभिन्न विभागों की हुई बैठक के दौरान इसे

पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर लिया गया है। इसी कड़ी में जिला मुख्यालय से कुछ ही दूरी पर ऊना होशियारपुर नेशनल हाईवे स्थित घालूवाल चौक पर सेना के शौर्य और पराक्रम के प्रतीक टैंक को स्थापित किया जा रहा है। जिलाधीश ऊना राघव शर्मा ने बताया कि उप मुख्यमंत्री के साथ फरवरी माह में विभिन्न विभागों की एक अहम बैठक का आयोजन किया गया था। इसके तहत जिला के विभिन्न कस्बों और मुख्य चौराहों को संवारने के निर्देश जारी किए गए थे। इनमें नेशनल हाईवे से छोटे कस्बों के चौराहे प्रमुख तौर पर सौंदर्यकरण की दृष्टि से उभारे जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम का प्रतीक टैंक स्थापित करने के पीछे एक तरफ जहां युवाओं को भारतीय सेना में सेवाएं देने के लिए प्रेरित करना का उद्देश्य है। वहीं दूसरी तरफ इस धरोहर को पर्यटन की दृष्टि से भी जिला के विकास के लिए स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त लोक निर्माण विभाग को भी यह निर्देश दिए गए हैं कि जिला भर में स्थापित की गई वर्षा शालिकाओं का जीर्णोद्धार करते हुए सजाया और संवारा जाए, जबकि इसके अतिरिक्त इन वर्षा शालिकाओं में लगाई गई विभिन्न प्रकार की प्रचार सामग्री को पूरी तरह से हटा दिया जाए।

शोभित आईटीआई में मनाया किशोर स्वास्थ्य दिवस

टीम एक्शन इंडिया/ऊना/राजन पुरी

शोभित आईटीआई चलोला में राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत किशोर स्वास्थ्य दिवस मनाया गया।

जिसके अंर्तगत किशोरों को नशा न करने बारे जानकारी प्रदान की गई और न्यूट्रिशियन व सही खान पान से संबंधित जानकारी व अच्छी जीवन शैली के अपनाने बारे जानकारी प्रदान की गई। शिविर के दौरान किशोरों के ब्लड टेस्ट भी किए गए और वैक्सीन भी दी गई। इस अवसर पर किशोर स्वास्थ्य

परामर्श रूचि शर्मा, समुदायक स्वास्थ्य अधिकारी ज्योति, मेल हैल्थ वर्कर, गुरदेव व परविंद्र प्रवीण, आईटीआई डायरेक्टर देशराज गौतम, अनिल गौतम, दीपक बलवाल, आरती चौधरी, सर्वजीत संधू, पंकज शर्मा, मोहित शर्मा, पंकज सूद, आईटीआई प्राचार्य सुखदेव सिंह सैणी समेत अन्य उपस्थित रहे।

चिंतपूर्णी में चैत्र नवरात्र मेला 22 से 30 मार्च तक

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 24 घंटे खुला रहेगा मंदिर: राघव

टीम एक्शन इंडिया/ऊना/राजन पुरी

माता श्री चिंतपूर्णी मंदिर में चैत्र नवरात्र मेला इस वर्ष 22 से 30 मार्च तक आयोजित होगा। यह जानकारी चिंतपूर्णी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष व उपायुक्त ऊना राघव शर्मा ने मेला आयोजन से संबंधित तैयारियों की समीक्षा के लिए बाबा श्री माईदास सदन के सभागार में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए दी। डीसी ने बताया कि एसडीएम अंब मेला अधिकारी होंगे, जबकि डीएसपी अंब को पुलिस मेला अधिकारी नियुक्त किया गया है। मेले के दौरान कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए मेला क्षेत्र को चार सैक्टर में बांटा जाएगा तथा लगभग 400 पुलिस व होमगार्ड जवान तैनात किए जाएंगे। मेले के दौरान मंदिर व मेला परिसर में सीसीटीवी कैमरों का समुचित उपयोग किया जाएगा, ताकि असामाजिक तत्वों के जरिए होने वाली अप्रिय घटनाओं को रोका जा सके। उपायुक्त ऊना ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा के दृष्टिगत मेला अवधि के दौरान मंदिर में नारियल ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। नारियल मंदिर के मुख्य गेट से पहले डीएफएमडी के स्थान पर लाईन में ही यात्रियों से जमा कर लिए जाएंगे। इसके अलावा श्रद्धालुओं के लिए दर्शन पर्ची अनिवार्य होगी तथा यह पर्ची बाबा श्री माईदास सदन, नया बस अड्डा तथा शंभू बैरियर से प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने बताया कि मेले के दौरान श्रद्धालुओं को आपातकालीन चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित करने को चिंतपूर्णी अस्पताल में 24 घंटे सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इस अवसर पर मंदिर अधिकारी बलवंत पटियाल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ मंजु बहल, जिला खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति नियंत्रक राजीव शर्मा, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग नितिन चौधरी, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ राजीव गर्ग, पुलिस उपनिरीक्षक रमेश चंद, प्रधान ग्राम पंचायत छपरोह शशी कालिया, प्रधान ग्राम पंचायत नारी अल्का संधु सहित कई अन्य विभागों के अधिकारी व कर्मचारी भी उपस्थित रहे। उपायुक्त ऊना ने बताया कि मेले के दौरान लंगर लगाने के लिए लंगर कमेटी से अनुमति लेना अनिवार्य है इसके लिए दस हजार रुपये फीस निर्धारित की गई है। इसके अलावा लंगर आयोजकों को लंगर कमेटी द्वारा स्वच्छता व सडक सुरक्षा सहित सभी निर्धारित नियमों का पालन करना होगा अन्यथा उन्हें लंगर के लिए जारी किए गए परमिट रद्द किए जा सकते हैं।

बहड़ाला में बाईक सवार से 7.39 ग्राम चिट्टा बरामद, मामला दर्ज

8 एएसपी ऊना प्रवीन धीमान ने बताया कि पुलिस द्वारा चिट्टे के साथ पकड़े गए आरोपी से पूछताछ की जाएगी

टीम एक्शन इंडिया/ऊना/राजन पुरी

थाना ऊना के तहत बहड़ाला में पुलिस ने एक बाईक चालक से 7.39 ग्राम चिट्टा बरामद किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान प्रवीण कुमार निवासी बिलासपुर के रूप में हुई है। जिसके खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार बुधवार देर शाम को ऊना पुलिस की टीम बहड़ाला क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इस दौरान पुलिस ने गुप्त सूचना मिलने पर सडक पर जा रहे बाईक सवार प्रवीण कुमार को तलाशी लेने के लिए रोका, पुलिस टीम को देख कर बाईक सवार भागने की कोशिश करने लगा। जिसे पुलिस ने कुछ ही दूरी पर काबू कर लिया। पुलिस ने प्रवीण कुमार के पास से 7.39 ग्राम चिट्टा बरामद किया। एएसपी ऊना प्रवीन धीमान ने बताया कि पुलिस द्वारा चिट्टे के साथ पकड़े गए आरोपी से पूछताछ की जाएगी और यह जानने का प्रयास किया जाएगा कि वो चिट्टा कहाँ से लाया था और इसे आगे किसे सप्लाई किया जाना था।

भाजपा विधायकों का हिमाचल विधानसभा में प्रदर्शन, कांग्रेस लाई निंदा प्रस्ताव

8 जयराम ठाकुर ने कहा कि पहले कोई प्रक्रिया नहीं अपनाई गई। सरकार ने बिना सोचे-समझे संस्थानों पर तालाबंदी की

शिमला,

हिमाचल विधानसभा के बजट सत्र के तीसरे दिन गुरुवार को भी विपक्षी दल भाजपा के कडे तेवर देखने को मिले। भाजपा शासन में खुले सैंकड़ों संस्थानों व दफ्तरों को बंद करने के मुद्दे पर विपक्ष ने सदन के अंदर और बाहर जमकर हंगामा किया। विपक्ष के विधायकों ने विरोध का अनोखा रास्ता निकाला। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर की अगुवाई में भाजपा विधायकों ने गले में लोहे की चेन और ताले डालकर मुख्यमंत्री के चैंबर के बाहर हल्ला बोला। भाजपा विधायकों के इस विरोध प्रदर्शन से सत्तापक्ष उखड़ गया और विपक्षी विधायकों के खिलाफ सदन में निंदा प्रस्ताव लाया गया।

दरअसल बुधवार को बजट सत्र की तीसरी बैठक चल रही है। विपक्षी विधायक लोहे की चेन व ताले गले में डालकर विधानसभा परिसर में दाखिल हुए। विपक्ष के विधायक सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले मुख्यमंत्री के चैंबर के बाहर धरने पर बैठे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। इस दौरान सत्तापक्ष के भी कुछ विधायकों ने पलटवार करते हुए विपक्षी विधायकों के खिलाफ नारे लगाए। जिससे सीएम चैंबर के बाहर माहौल तनावपूर्ण हो गया।

पूर्वान्ह 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी विधायकों ने संस्थान बंद करने के मुद्दे पर हंगामा शुरू कर दिया। विपक्ष के हंगामे के बीच विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने प्रश्नकाल शुरू करने की घोषणा कर दी। 10 मिनट तक सतापक्ष के सदस्यों ने अपने-अपने सवाल पूछे, जबकि विपक्षी सदस्य सदन में नारे लगाते रहे। विधानसभा अध्यक्ष से अपनी बात रखने का मौका मिलने पर नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा है कि संस्थानों पर तालाबंदी का प्रदेश सरकार का निर्णय सही नहीं है। इस कदम से पूरे प्रदेश में हाहाकार मची है और जनता में भारी आक्रोश है। विपक्ष का दायित्व बनता है कि वो जनहित के मुद्दों को हम बेहतर ढ़ग से रखें। जयराम ठाकुर ने कहा कि इन संस्थानों को बंद करने से पहले कोई प्रक्रिया नहीं अपनाई गई। सरकार ने बिना सोचे-समझे संस्थानों पर तालाबंदी की।

जयराम ठाकुर ने कहा कि इस मुद्दे पर विपक्ष आज मुख्यमंत्री से मिलने उनके चैंबर में गया, लेकिन सतापक्ष के विधायकों द्वारा उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया। भाजपा विधायकों का व्यवहार गुंडागर्दी वाला रहा।

हादसे में घायल महिला की उपचार के दौरान मौत

टीम एक्शन इंडिया/ऊना/राजन पुरी

थाना ऊना के तहत जलग्रां टब्बा में मोटरसाईकल की चपेट में आने से घायल महिला की क्षेत्रीय अस्पताल ऊना में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतका की पहचान अंकिता देवी निवासी उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। वहीं मृतका के पति की शिकायत पर पुलिस ने मोटरसाईकल चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बता दें कि करीब एक सप्ताह पहले अंकिता देवी अपने दो बच्चों के साथ जलग्रां टब्बा में पैदल जा रही थी। इस दौरान अंकिता देवी ऊना की तरफ से आ रहे एक मोटरसाईकल ने टक्कर मार दी। हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे उपचार के लिए क्षेत्रीय अस्पताल ऊना ले जाया गया। जहां पर उपचार के दौरान बुधवार देर शाम महिला की मौत हो गई। मामले की पुष्टि करते हुए एसपी ठाकुर ने बताया कि पुलिस ने मृतका के पति अमित कुमार की शिकायत पर मोटरसाईकल चालक तरूणदीप निवासी फिरोजपुर पंजाब के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आईटीआई नैहरियां के छात्र उद्योग प्रशिक्षण के लिए रवाना

टीम एक्शन इंडिया/ऊना/राजन पुरी

नैहरीयां स्थित गवर्नमेंट आईटीआई के फिटर ट्रेड के 20 स्टूडेंट्स को विभिन्न उद्योगों में ऑन जॉब ट्रेनिंग पर भेजा गया है। जानकारी देते हुए आईटीआई ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर सुनील दत्त ने बताया कि फिटर ट्रेड के 20 स्टूडेंट्स को धीमान ऑटो कंपोनेंट्स अंब, एम्को इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड मुबारिकपुर और तिग्नाक्षा मटैलक प्राइवेट लिमिटेड गगरेट में भेजा गया है और स्टूडेंट्स यहां पर सामग्री निर्माण की बारीकियों, व्यवहारिक तौर पर काम करना, सामग्री निर्माण करना और इससे संबधित अन्य जरूरी स्किल्स को सीख रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में भारत की परमाणु नीति पर चर्चा

टीम एक्शन इंडिया/ऊना/राजन पुरी

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा राजकीय महाविद्यालय बंगाणा में वीरवार को सेमीनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सिकंदर नेगी ने की। सेमीनार में अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भारत की परमाणु नीति, लोक कल्याणकारी राज्य और सीबीआई के कार्य एवं शक्तियों की चर्चा की गई। सेकेंड ईयर की छात्रा मंजू ने भारत की परमाणु अपने विचार रखे। द्वितीय वर्ष की छात्रा प्रियंका मनकोटिया ने अंतरराष्ट्रीय कल्याणकारी राज्य पर अपने विचार प्रकट किए। वहीं प्रथम वर्ष की छात्रा तानिका ने सीबीआई पर अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि सीबीआई भारत सरकार की प्रमुख जांच एजेंसी है। इस अवसर पर राजनीति विज्ञान सोसायटी के कोषाध्यक्ष पलक, विशाल सोनी, सबिता, इंदु बाला और गौरव मौजूद रहे।

मलाहत में चोरों ने ग्रिल काट कर घर से उड़ाए सोने के गहने

टीम एक्शन इंडिया/ऊना/राजन पुरी

थाना ऊना के तहत मलाहत में अज्ञात चोरों ने एक घर से सोने के गहने व नकदी पर हाथ साफ किए हैं। शातिरों ने जिस समय वारदात को अंजाम दिया, उस समय घर के सदस्य रात को सोए हुए थे। घर मालिक ने चोरी को लेकर पुलिस थाना ऊना में शिकायत दर्ज करवाई है। वहीं शिकायत मिलने पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में अवतार सिंह निवासी मलाहत ने बताया कि बुधवार देर रात को अपने परिवार के साथ सो रहा था। तभी बहु-बेटे के कमरे से शोर की आवाजें आ रही थी। जबकि वह दोनों घर पर मौजूद नहीं थे। अवतार सिंह ने उठकर देखा, तो पाया कि कमरे का ताला टूटा हुआ था और कमरे की खिडकी ग्रिल व जाली कटी हुई थी और कमरे का सारा सामान बिखरा पड़ा हुआ था। अलमारी का दरवाजा व लॉकर खुला हुआ था। जांच करने पर पता चला कि अलमारी में रखी सोने के गहने व नकदी गायब थे। उन्होंने बताया कि चोरी के वारदात में अज्ञात चोरों ने घर से कितनी नकदी व गहने चुराए, इसके बारे में अभी कुछ भी बता पाना संभव नहीं है। मामले की पुष्टि करते हुए एसपी अर्जित सेन ठाकुर ने बताया कि पुलिस ने

इंडस बाथू के छात्रों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

टीम एक्शन इंडिया/ऊना/राजन पुरी

इंडस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी बाथू प्रबंधन विभाग के छात्रों ने वीरवार को जालंधर में शैक्षणिक भ्रमण किया। जहां पर छात्रों ने नकोदर डेरा मुराद शाह और देवी तालाब मंदिर का भ्रमण किया। इस दौरान छात्रों ने धार्मिक स्थानों के प्रबंधन से मुलाकात करते हुए उनके इतिहास बारे जानकारी प्राप्त की और ऐतिहासिक ज्ञान हासिल किया। इस दौरान उप कुलपति डॉ. संजय कुमार बहल और रजिस्ट्रार प्रो. डॉ. पलविंदर कुमार ने छात्रों को सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थानों का पता लगाने और वहां जाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यालय ग्राम पंचायत शरन विकास खंड सराज तहसील थुनाग जिला मंडी (हि.प्र.)

प्रधान
उप-प्रधान
श्री [illegible] मोबाइल नंबर 8880403324 ---- श्री [illegible] मोबाइल नंबर 82199-63560

निविदा आमंत्रण सूचना

[illegible]

क्रम संख्या	सामग्री का विवरण	मात्रा जिसमें मूल्य अंकित हो
1	[illegible]	[illegible]
2	[illegible]	[illegible]
3	[illegible] 20mm [illegible]	[illegible]
4	[illegible] 40mm [illegible]	[illegible]
5	[illegible] 20mm [illegible]	[illegible]
6	[illegible] 40mm [illegible]	[illegible]
7	[illegible]	[illegible]
8	[illegible] (Cut Stone)	[illegible]
9	ईंट [illegible] A-B-C [illegible]	[illegible]
10	JCB मशीन (Cutting and Dressing)	[illegible]
11	[illegible]	[illegible]
12	Inter Lock Paver Tiles (40mm, 50mm, 60mm, 80mm ISI Mark) Double Layer	[illegible]
13	[illegible]	[illegible]
14	[illegible]	[illegible]
15	[illegible]	[illegible]
16	[illegible]	[illegible]
17	[illegible]	[illegible]
18	[illegible]	[illegible]
19	[illegible]	[illegible]
20	[illegible]	[illegible]
21	[illegible]	[illegible]
22	[illegible]	[illegible]
23	[illegible]	प्रति Sq फुट
24	PVC [illegible]	प्रति Sq फुट
25	[illegible] Etc	प्रति Sq फुट
26	[illegible]	[illegible]
27	[illegible]	[illegible]

नियम व शर्तें:

[illegible]

कार्यालय ग्राम पंचायत शरन (थाचवाड़ा)

कार्यालय ग्राम पंचायत शरन विकास खंड गोहर तहसील थुनाग जिला मंडी (हि.प्र.)

निविदा आमंत्रण सूचना

[illegible]

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना सं-एन.आई.टी.-02-गति शक्ति-अम्बाला-2022-23 दिनांक 15.03.2023

मुख्य परियोजना प्रबंधक/गति शक्ति/उ.रे./अम्बाला के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-टेंडरिंग द्वारा इच्छुक ठेकेदारों से निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं जो कार्य के सामने दी गई तिथि समय 15.00 बजे तक खुली रहेंगी तथा इसके बाद खोली जाएगी।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित राशि	अग्रिम राशि	कार्य समाप्ति समय	निविदा खुलने की तिथि
1.	खानआलमपुरा में पिट लेथ मशीन और प्रेस मशीन शेड तक मौसमी सड़क का प्रोविजन और आर. ओ. एच डिपो में सिक लाइन की लम्बाई बढ़ाकर वैगन मेंटनेंस इन्फ्रास्ट्रक्चर में सुधार कार्य और 3 फेज लोको तथा ट्रेनिंग सुविधाओं की मुरम्मत हेतु शेड के साथ गढ्ढों की लम्बाई बढ़ाने, कस्सारी पानी की टेस्टिंग का क्रिएशन/मोडिफिकेशन, बोरिंग, गार्डनिंग तथा ड्रेनेज कार्य।	5,98,27,463/-	4,49,100/-	09 महीने	10.04.2023
2.	चंडीगढ़ व भटिंडा में 200 के. एल. डी. के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एस.टी.पी.) का प्रोविजन।	4,71,94,723/-	3,86,000/-	09 महीने	10.04.2023

नोट: 1. इच्छुक ठेकेदार को ई-निविदा में भागीदारी हेतु (क्लास-III) डिजिटल सर्टिफिकेट द्वारा लॉगऑन करना होगा। 2. अग्रिम राशि ऑनलाइन पेमेंट नेट बैंकिंग/पेमेंट गेटवे के द्वारा ही स्वीकार्य होंगे। 3. इच्छुक ठेकेदार को शर्तों के अनुसार योग्यता डॉक्यूमेंट, PAN/TIN/GST इत्यादि की स्कैनिंग कॉपी ही IREPS वेबसाइट में अपलोड करनी होगी। 4. विस्तृत जानकारी हेतु रेलवे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर लॉग ऑन करें।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 809/23

HIMACHAL PRADESH HEALTH & FAMILY WELFARE DEPARTMENT
O/o MEDICAL SUPERINTENDENT N.S.C.B. ZONAL HOSPITAL MANDI DISTT MANDI HP

e-mail: [illegible]
Telephone No. 01905-222933 Fax 01905-222939

No. HFW-MS/MND/Tender/2023- Dated: 15/03/2023

SHORT TERM NOTICE INVITING TENDER

Sealed Tenders are hereby invited for the procurement of computer & Printer accessories as and when required basis for the use of ZH, Mandi for the period of one year from interested and manufacturer or their authorized distributors/dealers/ which must reach in the office of undersigned on or before 29/03/2023, 04:00 PM complete in all respect. Tender received late or incomplete will not be accepted. The Tenders will be opened on 31/03/2023 at 11:30 am in the office chamber of undersigned, in the presence of tenderers or their representatives who may wish to remain present on the day. In case the opening day is declared as holiday, tenders shall be opened on the next working day as per the above mentioned time schedule. Interested parties/firms can obtain detailed tender document from the office of undersigned on any working day on the cash payment of Rs.500/-.
Tenders are to be submitted in Two Bids system i.e. Technical Bid & Financial Bid.

Medical Superintendent,
ZH, Mandi (H.P.) 175001

Endst: As Above Dated:
Copy to:
1. The Director, Department of Information & Public Relation, Govt. of Himachal Pradesh with the request to publish the notice in any two leading Hindi Newspapers of HP and one English newspaper.
2. The Director of Health Services Himachal Pradesh Shimla-9 for information please.
3. Notice Board, CMO, Mandi.
4. Notice Board, Zonal Hospital, Mandi.

RO No. 6463/2022-2023

Medical Superintendent,
ZH, Mandi (H.P.) 175001

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान/CENTRAL RESEARCH INSTITUTE,
डाकघर कसौली जिला सोलन(हि.प्र.) 173204 /P.O.-Kasauli, Distt. Solan, (H.P) 173204
Contact detail: Tel. No. (01792)273189 & 273105 Website: www.crikasauli.nic.in
E-mail: director-crik-hp@gov.in
संख्या No: 1-12/2022-Admn. दिनांक Dated the 02-03-2023

संक्षिप्त सूचना

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कसौली में उप-सहायक निदेशक (जैव रसायन) (गैर-चिकित्सा) सामान्य केन्द्रीय सिविल सेवा, वर्ग "क" राजपत्रित (गैर-अनुसचिवीय) वेतनमान लेवल-10 (रू.56100-177500) वेतन बैंड-3 (रू.15600-39100 + ग्रेड वेतन रू.5400/-) पूर्व संशोधित के एक पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। इस पद को केन्द्र सरकार या राज्य सरकार या केन्द्र शासित प्रदेश प्रशासन या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों या विश्वविद्यालयों या मान्यता प्राप्त अनुसंधान संस्थानों या अर्ध सरकारी या स्वायत्त निकायों या वैधानिक संगठनों के अधिकारियों में से प्रतिनियुक्ति (अल्पकालिक अनुबंध सहित) द्वारा भरा जाना है।

विस्तृत विज्ञापन और आवेदन के प्रपत्र के लिए इच्छुक उम्मीदवार संस्थान की वेबसाइट www.crikasauli.nic.in पर देख सकते हैं। वेबसाइट के न चलने पर इच्छुक उम्मीदवार विस्तृत विज्ञापन और आवेदन के प्रपत्र की मांग इस संस्थान की ईमेल पर भेजकर भी कर सकते हैं। इस संस्थान की ईमेल का पता- criadmnkasauli@gmail.com है।

रोजगार समाचार में इस सूचना के प्रकाशन के 60 दिनों के भीतर उचित माध्यम से विधिवत भरे हुए आवेदन अधोहस्ताक्षरी के पास पहुँच जाने चाहिए।

CBC/17132/12/0012/2223

(डा.)(श्रीमती)डिम्पल कसाना)
निदेशक

कार्यालय ग्राम पंचायत सेरी
विकास खंड गोहर जिला मंडी हि.प्र. 175029

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत सेरी के लिए वर्ष 2023-24 के लिए विकास कार्यों हेतु निर्माण सामग्री के लिए निविदाएं आमंत्रित की जाती है। अत: निविदा कर्त्ताओं से निवेदन है कि अपनी निविदाएं बंद लिफाफे के किसी भी कार्य दिवस पर डाक द्वारा या सिधे कार्यालय में 25/03/2023 तक जमा करवा दे। निविदाएं 27/03/2023 को खोली जाएगी। नियम एवं शर्तें लागू।

निवेदक
प्रधान/सचिव
ग्राम पंचायत सेरी
विकास खंड गोहर
जिला मंडी हि.प्र.

न्यूज़ फ्लैश

इतिहास की सबसे निर्मम हत्याओं से जुड़ी थ्योरी और सच का पता लगाइए

नई दिल्ली। हिस्ट्री टीवी 18 पर शनिवार, 18 मार्च 2023 को रात 9 बजे एक नए इन्वेस्टिगेटिव स्पेशल हिस्ट्रीज ग्रेटेस्ट मिस्ट्रीज : जैक द रिपर का प्रीमियर हो रहा है। एकेडमी अवॉर्ड नॉमिनी और एमी अवॉर्ड विजेता लॉरेंस फिशबर्न द्वारा होस्ट किया गया यह स्पेशल एपिसोड 19वीं सदी के विक्टोरियन इंग्लैंड में कई महिलाओं की चौंकाने वाली हत्याओं पर केंद्रित है जो आज भी हमें हैरान और चकित कर देती हैं। घंटे भर का यह विशेष कार्यक्रम जैक द रिपर के नाम से मशहूर कुख्यात सीरियल किलर को पकड़ने की कोशिशों पर आधारित है और साथ ही यह महिलाओं की हत्याओं के पीछे जो व्यक्ति था उसकी पहचान का खुलासा करने का भी प्रयास करता है। पिक्चर इटवैल - लंदन के ईस्ट एंड में भीड़भाड़ वाला इलाका जहाँ भारी संख्या में गरीब और सेक्स वर्कर रहते हैं। इस शो का पहला एपिसोड हमें सबसे पहले केस तक ले जाता है जहाँ सुबह-सुबह एक क्षत-विक्षत शव मिलता है जिसे देखकर ही पता चल जाता है कि किसी की निर्मम हत्या की गई है। कुछ ही हफ़्तों के अंदर चार अन्य महिलाओं की भी लगभग इसी तरह से मौत हो जाती है। एक्सपर्ट्स इन अलग-अलग घटनाओं में पीड़ितों के गले पर धारदार हथियार से हमलों से लेकर, पेट, कमर और जननांगों पर घावों के साथ-साथ आंतरिक अंगों और चेहरे की दशा देखकर इन अलग-अलग केस को जोड़कर देखने की कोशिश करते हैं।

कार्यक्रम में ऐसे इतिहासकारों, लेखकों और जासूसों से बातचीत की गई है जो इन हत्याओं की छानबीन करके रहस्यमयी केस के अलग-अलग पहलू पर नजर डालते हैं और उपलब्ध सबूतों और अलग-अलग थ्योरी को समझकर हत्यारे और उसके मोटिव से पर्दा हटाने का प्रयास करते हैं। ऐसी विभिन्न सबूतों में से एक था प्रसिद्ध "डियर बॉस" लेटर, जिसके चलते इस हत्यारे की एक सार्वजनिक छवि का निर्माण हुआ और लोग हत्यारे को वासना से लिप्त एक भ्रष्ट व्यक्ति के रूप में देखने लगे जो निर्मम हत्या करने के बाद अंग काटने में भी संकोच नहीं करता था। इसी के चलते ह्वाइटचैपल हत्याओं को जैक द रिपर के पीड़ितों के रूप में जाना जाने लगा। भय और चिंता के माहौल में इन हत्याओं ने बड़ी तेजी से सुर्खियां बटोरीं और सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों की एक तस्वीर भी पेश की! साथ ही ईस्ट एंड में बदतर होती जा रही परिस्थितियों के समाधान की ओर ध्यान आकर्षित किया गया।

बायजूस और स्माइल फाउंडेशन ने साझेदारी की

नई दिल्ली। सुविधा से वंचित बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और पढ़ाई के समान अवसरों की मदद से शिक्षित करने एवं उन्हें सशक्त बनाने के उद्देश्य के साथ, बायजूस की सामाजिक प्रभाव वाली पहल एजुकेशन फॉर ऑल ने भारतीय विकास संस्थान स्माइल फाउंडेशन के साथ साझेदारी की है। इस भागीदारी की संकल्पना अनेक शहरों में लागू की जाने वाली पहल के तौर पर की गई है जिसका लक्ष्य शहरी और दूरदराज के इलाकों में रहने वाले सुविधा से वंचित स्टूडेंट्स को 25,000 से अधिक लाइसेंस वितरित करना है। वर्तमान में यह कार्यक्रम दिल्ली एनसीआर, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, कर्नाटक जैसी अन्य जगहों में फैला हुआ है और इस साझेदारी का उद्देश्य सरकारी स्कूलों और कम लागत वाले निजी स्कूलों में पढ़ रहे 6-18 आयु वर्ग के स्टूडेंट्स को विश्व स्तरीय डिजिटल शिक्षा कार्यक्रमों तक पहुँच उपलब्ध कराना और उन्हें सशक्त बनाना है। इस साझेदारी के अंतर्गत बायजूस द्वारा स्टूडेंट्स को उच्च गुणवत्ता वाला, टेक्नोलॉजी पावर्ड शिक्षण कार्यक्रम पेश किए जाएंगे और इसके लिए उन्हें मुफ्त स्ट्रीमिंग लाइसेंस और एंड्रॉइड बॉक्सेस से सुसज्जित स्मार्ट क्लासरूम्स उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे स्टूडेंट्स को विशेष रूप से तैयार की गई सामग्री तक पहुँच प्राप्त करना और एक इंटरेक्टिव शिक्षा अनुभव पाना संभव हो सकेगा और इस तरह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और डिजिटल पहुँच के बीच की कमी को पूरा किया जा सकेगा।

जोनल नेटबॉल टूर्नामेंट में ऑर्किड्स द इंटरनेशनल स्कूल, दिल्ली के छात्र चमके

नई दिल्ली। ऑर्किड्स द इंटरनेशनल स्कूल, द्वारका -19, दिल्ली के छात्रों ने हाल ही में दिल्ली शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित अंडर -14 बॉयज जोनल नेटबॉल टूर्नामेंट में पहला स्थान हासिल किया। टूर्नामेंट में अंडर-19 लड़कों ने दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि अंडर-17 लड़कियों ने तीसरा पुरस्कार हासिल किया। क्वालिफाइंग राउंड के बाद सेमीफाइनल और फाइनल राउंड हुए, जिसमें देश भर के स्कूलों से कड़ी प्रतिस्पर्धा देखी गई। टूर्नामेंट में 27 से अधिक जोन ने भाग लिया। ऑर्किड्स द इंटरनेशनल स्कूल की प्रिंसिपल रचना जुनेजा ने कहा, हमें अपने छात्रों पर बहुत गर्व है। छात्रों ने अनुशासन की एक प्रशंसनीय भावना का प्रदर्शन किया और स्कूल का नाम रोशन किया है। इस टूर्नामेंट के शाम का समापन छात्रों के चेहरों पर गर्व और उपलब्धि के भाव के साथ हुआ क्योंकि वे अपने साथ अपनी ट्राफियां और पदक लिए हुए थे।" ऑर्किड्स द इंटरनेशनल स्कूल में नेटबॉल कोच श्री अनिल खत्री ने कहा, "मुझे अपने सभी छात्रों पर बहुत गर्व है। उन्होंने हर दिन कड़ा अभ्यास किया और मुझे ख़ुशी है कि वे विजयी भी हुए। मैं उन्हें भविष्य में शुभकामनाएं देता हूं, और मुझे यकीन है कि उन्होंने न केवल ऑर्किड्स बल्कि स्कूलों के छात्रों को खेल खेलने और सीखने के लिए प्रेरित किया है। हम और अधिक टूर्नामेंटों की प्रतीक्षा कर रहे हैं जो मेरे छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करेंगे।

जिले की राजनीति में आयाराम-गयाराम का खेल शुरू

पूर्व विधायक चौधरी मूलाराम परिवार ने जननायक जनता पार्टी को कहा अलविदा, थामा कांग्रेस का दामन

एक्शन इंडिया/संजय शर्मा
नारनौल

चुनावी बिगुल अभी बजा भी नहीं कि जिला महेन्द्रगढ़ की राजनीति में दल बदलने का क्रम शुरू हो गया है। जेजेपी में इसकी शुरुआत हो चुकी है, हालांकि कुछ ही दिनों पहले बीजेपी से अलविदा होकर पूर्व विधायक राधेश्याम शर्मा ने कांग्रेस का दामन थामा था , लेकिन बीती सांय घटे घटनाक्रम ने जननायक जनता पार्टी को गहरा आघात पहुंचाया है। पार्टी छोड़ने वालों में पूर्व विधायक चौधरी मूलाराम , उनकी पत्नी मंजु चौधरी और उनके पुत्र जेजेपी के जिला युवा प्रधान अभय सिंह शामिल रहे। बताते कि अतीत में गुर्जर बाहुल्य क्षेत्र के अलावा इस परिवार का अन्य हलकों में भी प्रभाव माना जाता रहा है। इस परिवार से एक बार मंजु चौधरी ओर एक बार खुद मूलाराम इंडियन नेशनल लोकदल और जेजेपी के सिंबल पर हल्का नांगल चौधरी से चुनावी रण में आने के बाद भी हार का सामना करने पर विवश हुऐ थे , लेकिन इस परिवार ने जन संपर्क कायम रखते हुए अपने राजनैतिक वजूद को जिंदा रखने के प्रयास जारी रखे । नतीजन यह संभावना जताई जा रही थी कि आगामी विधानसभा चुनाव में इस परिवार का कोई सदस्य एक बार फिर नांगल चौधरी विधानसभा के लिए जोर आजमाइश कर सकता है । वहीं राजनैतिक गलियारों में चर्चा थी कि यह परिवार दल बदलने हुए, कांग्रेस का भी दामन थाम सकता है ओर हुआ भी वही बीती सांय परिवार के सदस्यों ने पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भुपेंद्रसिंह हुड्डा के दिल्ली स्थित आवास पर उनसे तथा सांसद दीपेंद्र हुड्डा से मुलाकात करते हुए कांग्रेस पार्टी का दामन थाम लिया । कहने को तो जननायक जनता पार्टी के अधिकांश कार्यकर्ता यही बात दोहरा रहे हैं कि कोई फर्क नहीं पड़ेगा , लेकिन जमीनी हकीकत से रूबरू होने पर एक बात जरूर सामने आई है कि बेशक जननायक जनता पार्टी को मूलाराम परिवार के पार्टी छोड़ने से कोई फर्क पड़ता नजर नहीं आ रहा , लेकिन एक बात तय है कि पार्टी ने नांगल चौधरी विधानसभा क्षेत्र से अपने जनाधार को अवश्य खोया है । अब पेंच कांग्रेस में भी फसता नजर आ रहा है , चूंकि हालिया दौर में जो आया राम गया राम का खेल शुरू हुआ , इसके पीछे सिर्फ नांगल चौधरी विधानसभा क्षेत्र की टिकट हासिल करना ही नजर आ रहा है । एक तरफ पूर्व विधायक राधेश्याम शर्मा हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम के जरिए विधानसभा क्षेत्र में जनसंपर्क शुरू कर चुके, वहीं अब उनके प्रतिद्वंद्वी के रूप में मूलाराम परिवार भी मैदान में आने का मन बना चुका है । अब कांग्रेस नांगल चौधरी विधानसभा क्षेत्र से किस चेहरे पर दांव आजमाते हुए जीत दर्ज करने की कोशिश करेगी , यह भविष्य के गर्भ में है, लेकिन इतना निश्चित है कि इस दल बदलने के खेल में यदि कोई टिकट हासिल करने की दौड़ में पिछड़ा तो वही पार्टी के लिए सिरदर्द बन सकता है ।

फोर्टिफाइड चावल के जरिये करेंगे एनीमिया की चुनौती का सामना

अभियान चला कर फोर्टिफाइड चावल को लेकर बनी भ्रांतियों को किया जाएगा दूर

टीम एक्शन इंडिया/मथुरा

फोर्टिफाइड चावल में गुण हजार हैं, लेकिन उतनी ही उसे लेकर जनमानस में भ्रांतियां भी हैं। इन भ्रांतियों को दूर करने के लिए समग्र अभियान चलाया जाएगा। जिलाधिकारी पुलकित खरे ने कलेक्ट्रेट सभागार में सेव फूड शेयर फूड एवं विभिन्न खाद्य पदार्थों में फोर्टिफिकेशन हेतु जनपद स्तर पर खाद्य कारोबारियों के साथ समीक्षा एवं सुझावों का आदान प्रदान किया गया। । भारत में आयोडीन युक्त नमक जो कि एक प्रकार का फोर्टिफाइड भोजन भी है, के सेवन से आयोडीन की कमी से होने वाले विकारों और गोइटर जैसी बीमारियों के प्रसार में कमी आई है। थोड़े समय में एनीमिया की समस्या को हल करने के लिए चावल का फोर्टिफिकेशन भी एक व्यवहार्य निवारक है। आयरन, फोलिक एसिड और विटामिन बी 12 जैसे सूक्ष्म पोषक तत्वों को जोड़ने की एक प्रक्रिया चावल फोर्टिफिकेशन, एनीमिया की चुनौती को दूर करने के लिए एक प्रभावी निवारक और लागत प्रभावी पूरक रणनीति है। जिन्होंने एनीमिया को दूर करने के लिए एक प्रभावी हस्तक्षेप के रूप में फोर्टिफाइड चावल की प्रभावकारिता को साबित किया है। फोर्टिफिकेशन भोजन में आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्वों यानी विटामिन और खनिज (ट्रेस तत्वों सहित) की मात्रा बढ़ाने की प्रक्रिया है, ताकि इसकी पोषण गुणवत्ता में सुधार हो सके और स्वास्थ्य के लिए न्यूनतम जोखिम के साथ सार्वजनिक स्वास्थ्य लाभ प्रदान किया जा सके। खाद्य फोर्टिफिकेशन को शीर्ष तीन प्राथमिकताओं में से एक माना जाता है। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन विजय शंकर दुबे, सहायक आयुक्त खाद्य डॉ. गौरी शंकर, वरिष्ठ लिपिक सत्यप्रकाश सारस्वत, खाद्य कारोबार मुकेश वार्ष्णेय, मुकेश कुमार, विनीत रमन, रूप किशोर, शंकर सहित विभिन्न व्यापारिगण उपस्थित रहे।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली में होगा शामिलः फोर्टिफाइड चावल के सेवन के लाभों के बारे में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम बनाने के लिए, जिला प्रशासन प्रयासरत है। फोर्टिफाइड चावल के बारे में मिथकों और भ्रांतियों के बारे में जागरूक करें।

जलभराव से परेशान लोगों ने घेरा नगर पालिका कार्यालय

टीम एक्शन इंडिया/मथुरा। शहर के कमला नगर इलाके की जल निकासी न होने से हालात नारकीय बने तो लोगों ने पालिका का घेराव कर समाधान की मांग कर डाली। जनता का आक्रोश देख पालिका अधिकारी भी पुलिस प्रशासन और बुलडोजर के साथ मौके पर पहुंचे और नाले पर बने अवरोधों को दूर कर गंदे पानी की निकासी सुनिश्चित की। साथ ही पक्के अतिक्रमणों को हटाकर नाले निर्माण का आश्वासन दिया है। हाईवे किनारे बसी कमलानगर कालोनी में पिछले काफी दिनों से नालियों के गंदा पानी रास्तों में खड़ा था। जिससे आम जनजीवन प्रभावित हो रहा था। पालिका से शिकायत की तो नाले को अवरूद्ध पाया। जिसके बाद पालिका कर्मियों ने पल्ला झाड़ लिया। गुरुवार को मामले को लेकर कालोनीवासियों में समस्या से आक्रोश फैल गया। तमाम लोग एकत्रित होकर पालिका पहुंचे और अधिकारियों का घेराव कर नारेबाजी करते हुए समस्या के तत्काल समाधान की मांग उठाई। कार्यकारी अधिशासी अधिकारी योगेंद्र शर्मा ने लोगों को समझा बुझाकर शांत कराया और तत्काल भारी मात्रा में पुलिस फोर्स एवं पालिका की टीम को लेकर मौके पर पहुंच गए।

थाना के पास हुई चोरी की वारदात , बशीरपुर गांव में एक दुकान को बनाया निशाना

सीसीटीवी में कैद हुआ चोर, नारनौल में भी हुई थी दो जगह चोरी की घटना

टीम एक्शन इंडिया/नारनौल

जिले में चोरों का आतंक दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है । आए दिन कहीं ना कहीं चोरी द्वारा वारदात की जाती है। अचरज की बात तो यह है निजामपुर कस्बे में पुलिस थाने से महज 200 मीटर दूर एक दुकान में बीती रात चोरी हो गई। इसी रात गांव बसीरपुर में भी एक दुकान को चोरों ने निशाना बनाया। चोरी की वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई। एक दिन पूर्व नारनौल के मोहल्ला मिश्रवाड़ा में भी चोरों ने दो दुकानों को अपना निशाना बनाया था। निजामपुर कस्बा और गांव बशीरपुर में अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर दो जगह से हजारों रुपए की नकदी चुरा ली। कस्बा निजामपुर में चोरों ने रेलवे स्टेशन के पास एचडीएफसी बैंक के सामने एक दुकान को अपना निशाना बनाया जो कि थाने से मात्र 200 मीटर की दूरी पर है । जहां पर अज्ञात चोरों ने दुकान का ताला तोड़कर गल्ले में रखे करीब 23 सौ रुपए चुरा लिए। पीड़ित दुकानदार गांव पवेरा निवासी रामनिवास ने पुलिस में दी शिकायत में बताया है कि उसने रेलवे स्टेशन के पास किराना ठंडा पेय की दुकान की हुई है। रात्रि में दुकान बंद करके अपने घर पर गया था। सुबह आकर देखा तो उसकी दुकान का ताला टूटा हुआ मिला। जब उसने सामान चेक किया तो गले में रखे करीब 2300 रुपए गायब मिले। वहीं दूसरी ओर गांव बशीरपुर में भी अज्ञात चोरों ने रणधीर नामक व्यक्ति की दुकान का ताला तोड़कर उसके यहां से भी रुपए चुरा लिए। दोनों शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

किसानों ने निर्माण कार्य रुकवाया, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

ज्ञापन के जरिये समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की

टीम एक्शन इंडिया/मथुरा

गांव सकीतरा एवं हरीपुरा गोवर्धन परिक्रमा मार्ग के किनारे से लगा हुआ है। यहां सर्विस एवं लिंक रोड बनाने का काम चल रहा है। इससे श्रद्धालुओं का आवागमन सुलभ होगा। यहां निमार्णधीन सर्विस रोड पर निर्माण कार्य के लिये सम्बंधित कार्यदायी संस्था के लोग मशीनरी के साथ पहुंचे तो दर्जनों किसानों ने विरोध जाहिर करते हुए काम रुकवा दिया। काम रुकवाने के बाद मौके पर मौजूद कार्यदायी संस्था पीडब्ल्यूडी के कर्मचारी को लिखित शिकायत देकर संबंधित अधिकारी तक पहुंचाने को कहा। उसके बाद सभी किसान तहसील कार्यालय पहुंचे और गोवर्धन एसडीएम से मिलकर समस्या से एक बार फिर अवगत कराते हुए ज्ञापन सौंपा। इससे पहले गोवर्धन पर्वतराज स्थित छोटी परिक्रमा मार्ग किनारे निमार्णाधीन सर्विस रोड निर्माण कार्य को नाराज किसानों ने अपना विरोध प्रकट कर कार्य को रोक दिया। उसके बाद सभी पीड़ित किसान गोवर्धन तहसील एसडीएम कार्यालय पर पहुंचे जहां गोवर्धन एसडीएम कमलेश गोयल से मिलकर ज्ञापन सौंपा। पीड़ित किसानों ने ज्ञापन के जरिये कब्जा परिवर्तन मेड़बंदी व पैमाइश की समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की।

निगम बिजली की पूर्ण आपूर्ति करें : विधायक

विधायक ने बिजली दफ्तर पहुंचकर किया निरीक्षण व बिजली आपूर्ति को दुरुस्त करने के दिए निर्देश

टीम एक्शन इंडिया/ सोनीपत

विधायक सुरेंद्र पंवार ने कहा कि भीषण गर्मी से पहले ही यूएचबीवीएन निगम अधिकारी बिजली की पूर्ण आपूर्ति को सुनिश्चित करें। भीषण गर्मी शुरू होते ही बिजली की डिमांड भी बढ़ जाती है, लेकिन विभाग बिजली की आपूर्ति पूरी नहीं कर पाता। इसकी वजह से आमजन को काफी परेशानी झेलनी पड़ती है, यहां तक की पशुओं के लिए भी पेयजल संकट गहरा जाता है। इसलिए बिजली निगम का प्रत्येक अधिकारी अपने क्षेत्र में बिजली की सप्लाई या अन्य कोई समस्या है तो उसे समय से पहले दूर कर लें। विधायक सुरेंद्र पंवार बृहस्पतिवार को ओल्ड डीसी रोड स्थित बिजली निगम कार्यालय में निरीक्षण करने पहुंचे थे, इस दौरान उन्होंने एसई बिजली निगम को सोनीपत शहर में बिजली की पूर्ण आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विधायक सुरेंद्र पंवार को एस.ई बिजली निगम सोनीपत ने बताया कि गर्मी के मौसम को देखते हुए 6 नए फीडर शुरू किए गए है, जिससे लाइन पार की कई कालोनियों के साथ-साथ शहर की अन्य कालोनियों में बगैर किसी व्यावधान के बिजली आपूर्ति करने में सहायता मिलेगा। इसके साथ ही 53 नए ट्रांसफार्मर एड किए जा चुके है। शहर में उन स्थानों को चिन्हित किया जा रहा है, जहां पर तार कमजोर हो चुके है, इन्हें भी जल्द बदला जाएगा।

दिशा-निर्देश

= शहर में उन स्थानों को चिन्हित किया जा रहा है, जहां पर तार कमजोर हो चुके है, इन्हें भी जल्द बदला जाएगा

मथुरा में दो युवतियों के फंदे पर लटके मिले शव

टीम एक्शन इंडिया/मथुरा

नौहझील और सुरीर क्षेत्र में दो युवतियों के शव फांसी के फंदे पर लटके मिले हैं। दोनों युवतियों के परिजन दूसरे प्रदेश से यहां ईंट भट्ठों पर मजदूरी करने आए थे। घटनाओं में पुलिस प्रथम दृष्टया प्रेम प्रसंग और आत्महत्या की बात कह रही है, जबकि परिजन हत्या का आरोप लगा रहे हैं। नौहझील थाने में तैनात इंस्पेक्टर धर्मेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही असलियत का पता चल सकेगा। अभी तहरीर नहीं मिली है, तहरीर मिलने पर उचित कार्रवाई की जायेगी। हफ्तेभर पहले लड़की से छेड़खानी का मामला प्रकाश में आया था। हर बिंदु से मामले की जांच की जा रही है। तहरीर मिलने पर उचित कार्रवाई की जायेगी। लड़की हाथ पर कुछ लिखकर गई है उसके आधार पर भी जांच की जा रही है।

सुरक्षा जवान, सुरक्षा सुपरवाइजर भर्ती का आयोजन

टीम एक्शन इंडिया/मथुरा।

उपायुक्त उद्योग रमेन्द्र कुमार ने अवगत कराया है कि मथुरा के सभी ब्लॉक में 22 मार्च से 27 मार्च तक सैनिक सुरक्षा जवान और सैनिक सुरक्षा सुपरवाइजर व एसआईएस अधिकारी सेवा के लगाए जाएंगे। मथुरा जिले के समस्त ब्लॉक लेवल पर एसआईएस सिक्योरिटी इंडिया लिमिटेड नई दिल्ली के द्वारा सुरक्षा जवान व सुरक्षा सुपरवाइजर भर्ती का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए निजी क्षेत्र मे अपना भविष्य बनाने का सुनहरा अवसर है। भर्ती अधिकारी पी.एन मल्लिक व राकेश चौधरी ने देते हुए बताया है कि भर्ती के लिए सुरक्षा जवान की शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल व इंटरमीडिएट, लम्बाई 167.5 सेमी और सुरक्षा सुपरवाइजर की लम्बाई 170 सेमी व उम्र 21 से 37 वर्ष एवं वजन 56 से 90 किग्रा होना चाहिए। नौकरी के दौरान मिलने वाली सुविधाएं जैसे पीएफ, ईएसआई, ग्रेच्युटी, पेंशन, मेडिकल इंश्योरेंस, बोनस और 65 वर्ष तक स्थाई नौकरी मिलेगी। प्रशिक्षण के उपरांत लाल किला दिल्ली, एम्स हॉस्पिटल दिल्ली, आरएमएल हॉस्पिटल दिल्ली, सफदरजंग हॉस्पिटल दिल्ली, एलआईसी ऑफिस दिल्ली, कुतुब मीनार दिल्ली, मेरठ इंडस्ट्रीज एरिया, यमुना एक्सप्रेस आगरा टोल टैक्स, ताजमहल, लाल किला आगरा, फतेहपुर सीकरी दरगाह आगरा, धार्मिक स्थल, अस्पताल, बैंक, एयरपोर्ट, मेट्रो, होटल एवं निजी इंडस्ट्रीज में ड्यूटी दी जायेगी।

वृंदावन में भगवान रंगनाथ के विशाल रथ को खींचने उमड़ा सैलाब

टीम एक्शन इंडिया/मथुरा

वृंदावन के रंगनाथ मंदिर के ब्रह्मोत्सव में गुरुवार को भगवान गोदा रंगमन्नार ने दिव्य रथ पर विराजमान होकर भक्तों को दर्शन दिए। रथ को खींचकर श्रद्धालु धन्य हुए। इससे पूर्व सुबह को रंगनाथ मंदिर के पुरोहितों के निर्देशन में वैदिक रीति रिवाजों और विधान पूर्वक दिव्य रथ का छत्र कलश पूजन किया गया। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य भगवान गोदा रंगमन्नार को दिव्य रथ में विराजमान कराया गया। करीब 15 फीट चौड़ा, 20 फीट लंबे व 60 फीट ऊंचे रथ की छवि देखते ही बन रही थी। श्री रंगनाथ मंदिर दिव्य देश के ब्रह्मोत्सव में गुरुवार को ठाकुर गोदा रंगमन्नार भगवान चंदन निर्मित विशालकाय रथ पर विराजमान होकर भक्तों को धन्य करने निकले। वैदिक परंपरा अनुसार सुबह ब्रह्म मुहूर्त में ठाकुर रंगनाथ भगवान श्री देवी, भूदेवी के साथ निज गर्भगृह से पालकी में विराजमान होकर ज्योतिष गणना अनुसार मीन लग्न में दिव्याकर्षक रथ में विराजित हुए तो रंगनाथ भगवान के जयजयकार से संपूर्ण क्षेत्र गुंजायमान हो उठा। लगभग एक घंटे की पूजा प्रक्रिया के बाद जैसे ही सात कुपे का धमाका व काली के स्वर ने रथ के चलने का संकेत किया। भक्तों का उत्साह दोगुना हो गया। रंगनाथ भगवान के जयकारे लगाकर विशालकाय रथ को खींचने की होड़ सी लग गयी।

तस्करी हो रही दो लाख की शराब पकड़ी

मथुरा। थाना छाता पुलिस ने गैर प्रान्त से अवैध शराब की तस्करी करने वाले शराब तस्करों को 1110 टैट्रा पाउच (200 लीटर, कुल कीमत लगभग दो लाख रुपये) अवैध अंग्रेजी शराब राजस्थान मार्का के साथ गिरफ्तार किया है। बरामद शराब राजस्थान प्रदेश की है। शराब के परिवहन में प्रयुक्त बिना नम्बर की स्विफ्ट डिजायर कार को भी पुलिस ने कब्जे में लिया है। अकबरपुर पुल के पास चेकिंग में जुटी टीम को सूचना मिली कि बिना नंबर प्लेट की सफेद रंग की स्विफ्ट डिजायर कार से अवैध शराब भरकर कोसी छाता की तरफ से आ रही है। पुलिस चैकी केडी के पास दिल्ली मथुरा रोड एनएच 19 पर बैरियर लगाकर चैकिंग की गई।

विद्यालयों के गेट पर बिक रहे गुटखा तंबाकू का खरीददार कौन, जिम्मेदार मौन!

शासनादेश में 200 मीटर के दायरे में प्रतिबंधित हैं गुटखा तंबाकू की बिक्री

टीम एक्शन इंडिया/मथुरा

शिक्षण संस्थानों की लापरवाही से शासनादेश के विपरीत विद्यालयों के गेट पर गुटखा तंबाकू की दुकानें संचालित हो रही हैं। इससे छात्रा छात्राओं के जीवन पर दुष्प्रभाव पड़ रहा है। इस ओर शिक्षण संस्थाओं का कोई ध्यान नहीं है। उत्तर प्रदेश शिक्षा विभाग के शासनादेश में शिक्षण संस्थान, स्कूल, कॉलेज के 200 मीटर के दायरे में मादक पदार्थ शराब, भांग, गुटखा, तंबाकू की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया गया

था। गोवर्धन क्षेत्र में शिक्षण संस्थान संचालकों की लापरवाही से शिक्षण संस्थान के गेट पर गुटखा, तंबाकू की दुकानें संचालित हैं। गोवर्धन में सरकारी नॉरमिल स्कूल, दानघाटी मंदिर द्वारा संचालित इंटर कॉलेज, आदर्श कामिनी, राष्ट्रीय इंटर कॉलेज, मुरारी कुंज, जतीपुरा के श्रीजी बाबा इंटर कॉलेज, राधाकुंड में आदि गौड़ विद्यालय के नजदीक गुटखा, तंबाकू की दुकानों पर खुलेआम बिक्री हो रही है। गुटखा तंबाकू स्वास्थ्य के लिए, हानिकारक है। युवा पीढ़ी नशे की आदि होती जा रही है। इसका प्रमुख कारण जागरूकता का अभाव है। गोवर्धन के ज्यादातर विद्यालयों के गेट पर गुटखा तंबाकू की दुकानें चल रही हैं। कॉलेजों में कैंटीन पर गुटखा की बिक्री हो रही है।

पुलिस ने आरोपी जवान को कश्मीर से किया काबू

छेड़छाड़ के विरोध पर युवतियों को बाइक से गिराया था जिसमें एक की हो गई थी मौत

टीम एक्शन इंडिया/नारनौल

गांव गोपालवास निवासी महिला से छेड़छाड़ व धक्का मारने पर गिरी महिला के मौत के मामले में पुलिस ने आरोपी सीआरपीएफ जवान नवीन को मंगलवार शाम को जम्मू कश्मीर से गिरफ्तार किया है। आरोपी नवीन को मौके पर ले जाकर जहां यह घटना घटी हुई थी वहां पर शिनाख्त की गई। शिनाख्त करने बाद आरोपी को गुरुवार को उसे वारदात स्थल पर ले जाकर छानबीन की गई। वारदात में प्रयुक्त बाइक भी बरामद हो गई। उसे न्यायालय में पेश किया गया। जहां पर न्यायाधीश ने 14 दिन जेल भेज दिया। यहां बता दे कि बाइक सवार द्वारा युवतियों को लिफ्ट

देकर छेड़छाड़ करने का विरोध करने पर युवतियों को चलती बाइक से धक्का देने से गिरकर एक युवती की मौत हो गई जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल युवती की शिकायत पर सतनाली थाना पुलिस ने आरोपी युवक के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच आरंभ कर दी है। मृतका दादरी जिले के गांव गोपालवास की निवासी है तथा अपनी बहन के साथ सतनाली सामान लेने आ रही थी। हादसे में 28 वर्षीय मोनिका की मौत हो गई जबकि 26 वर्षीय ममता घायल हो गई। गांव गोपालवास निवासी युवती ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि रविवार को वह अपनी चचेरी बहन के साथ सतनाली आ रही थी। इसी दौरान गांव का ही नवीन वहां से गुजर रहा था। नवीन ने उनसे कहा कि वह सतनाली जा रहा है चलोगे क्या। इसके बाद वह दोनों बाइक पर सवार हो गई। सतनाली की ओर कुछ दूरी पर चलते ही नवीन उनके साथ छेड़छाड़ करने लगा तथा गलत भाषा का प्रयोग करने लगा। इसका विरोध करने पर सतनाली व गोपालवास के बीच में ही युवक ने उन्हें धक्का देकर गिरा दिया। इसके बाद मोनिका की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 26 वर्षीय ममता घायल हो गई थी। आरोपी सीआरपीएफ में तैनात है। वारदात के बाद वह जम्मू-कश्मीर फरार हो गया था। सतनाली थाना पुलिस वहां पहुंची और उसे गिरफ्तार कर महेंद्रगढ़ लौटी । उससे वारदात स्थल की पहचान कराई गई। वारदात में प्रयुक्त बाइक भी बरामद की गई। गुरुवार को पुलिस ने कोर्ट में पेश कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

संपादकीय

भारतीय सिनेमा और ऑस्कर सम्मान

गीत और संगीत मनुष्य मन को रसपूर्ण बनाते हैं। लेकिन दोनों में एक आधारभूत अंतर भी है। गीत का अर्थ होता है। अर्थ बुद्धि के माध्यम से मूल शब्दों के भाव को प्रकट करता है। गीत भी ध्वनि है। लेकिन उसका अर्थ बौद्धिक कार्यवाही से निकलता है। संगीत में ध्वनियों का प्रयोग होता है। प्राचीन भारतीय संगीत परंपरा में ध्वनि के अल्पतम अंश को भी सरस ढंग से प्रस्तुत किया जाता रहा है। षड्ज, ऋषभ, गांधार, मध्यम, पंचम, धैवत और निषाद शास्त्रीय संगीत के आधारभूत सुर हैं। संक्षेप में इन्हें सा, रे ग, म, प, ध और नि कहते हैं। शास्त्रीय संगीत परंपरा में राग हैं। प्रत्येक राग को सम्बंधित रागिनियाँ हैं। प्रत्येक राग में गाने का सुनिश्चित समय भी है। हिन्दू पूर्वजों ने नृत्य को भी शास्त्रीयता के अनुशासन में बाँधा है। नृत्य में गीत संगीत के साथ शरीर के भिन्न- भिन्न अंगों का भी प्रयोग होता है। जान पड़ता है कि नृत्य का विकास नाट्य कला के विकास के बाद का है। भरत मुनि ने नाट्यशास्त्र में बताया है कि, प्राचीन काल में नाटकों के मंचन के बाद नाट्य शिल्पी शिव के पास गए। उन्होंने नाटकों का विवरण सुनाया। शिव ने कहा कि, आप का काम अच्छा है लेकिन इसमें नृत्य नहीं है। शिव ने सुझाव दिया कि वे उनके नृत्य का सदुपयोग कर सकते हैं। भारतीय नृत्य परंपरा प्राचीन है। नृत्य कला में नर्तक अपने अंतर्जगत के भावों को देह पर प्रकट करता है। नृत्य के चरम पर नर्तक स्वयं नहीं बचता। वह नृत्य में खो जाता है। नर्तक नृत्य बन जाता है। भारतीय सिनेमा में नृत्य कला के उत्कृष्ट प्रयोग हुए हैं। आजा नच ले नाम से बनी फिल्म में माधुरी दीक्षित का नृत्य मोहक के साथ मादक भी है। ऐसे ही हाल ही में एसएस राजामौली की बहुभाषीय फिल्म आरआरआर के लोकप्रिय गाने नाटू नाटू की अंतरराष्ट्रीय चर्चा है। मूल तेलुगू में नाटू नाटू का वास्तविक अर्थ हिन्दी में नाचो-नाचो है। ऑस्कर फिल्मों के लिए दिया जाने वाला महत्वपूर्ण पुरस्कार है। यह 1929 में पहली बार दिया गया था। ऑस्कर में नामांकित होना और अवार्ड पाना आसान नहीं है। हमारे देश के प्रतिष्ठित फिल्मकार अपनी फिल्में ऑस्कर के लिए ले जाते रहे हैं। मदर इंडिया, लगान और सलाम बॉम्बे जैसी फिल्में ऑस्कर में नामांकित हुईं थीं। ऑस्कर के लिए पहले फिल्में नामांकित होती हैं। फिर फिल्म निमार्ता और टीम मिलकर चयन समिति के सदस्यों को अपनी फिल्में दिखाते हैं। राजामौली और उनके सहयोगियों ने इस काम को सफलतापूर्वक किया है। नाटू नाटू गीत संगीतकार एमएम किरवानी की आकर्षक धुन है। इसे ऑस्कर पुरस्कार मिलने से भारतवासी बहुत प्रसन्न हैं। जीवन में नाचने जैसे अवसर सबके सामने आते हैं। विवाह बारात में लोग बुजुर्गों को धक्का देकर नाचने के लिए प्रेरित करते हैं। बुजुर्ग संकोच करते हुए कभी-कभी प्रशिक्षित नर्तक की तरह भी नाचते हैं और कभी कभी सहज भाव से। इस फिल्म में आजादी की लड़ाई में संघर्षरत नायकों को जब नाचने की चुनौती मिलती है तो वे अपने नृत्य से सबको आनंदित करते हैं। इसी तरह भारतीय डॉक्युमेंट्री लघु फिल्म दि एलिफैंट व्हिस्पर्स को भी ऑस्कर मिला है। यह दक्षिण भारत के एक गाँव के दंपति और उनके गोद लिए हाथी के बच्चे पर बनी सुंदर और हृदयस्पर्शी लघु फिल्म है। दोनों को मिले पुरस्कार से समूचा भारत प्रसन्न है।

योगी सरकार का एक निर्णय और छद्म धर्मनिरपेक्ष बैचेन

मृत्युंजय दीक्षित

> "आज वही लोग रामायण पाठ और दुर्गा सप्तषती पाठ का विरोध कर रहे हैं प्रदेश सरकार प्रयागराज में माघ मेले का भव्य आयोजन भी कर चुकी है जिसकी प्रषंसा पूरे विष्व में हुई। अब माघ मेला के अवसर पर प्रयागराज में स्नानार्थियों को बेहतर सुविधाएं मिली व स्नान करने योग्य गंगा जल भी मिला। अब यह बात तो तय हो गई है कि आगामी आने वाले दिनों में प्रदेश सरकार हिंदू सनातन संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए ऐसे आयोजन करवाती रहेगी और कई और बढ़े व ऐतिहासिक कदम भी सरकार उठाती रहेगी। सेकुलर दल सरकार के इस कदम का उस समय विरोध कर रहे हैं जब बंगाल की ममता सरकार भी दुर्गा पंजा पंडाल को सरकारी सहायता उपलब्ध करा रही है और दिल्ली की अरविंद केजरीवाल की आप सरकार मस्जिद के इमामों को वेतन दे रही है"

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार के एक निर्णय से छद्म धर्मनिरपेक्ष दल बहुत बैचेन और व्यग्र हैं। चिंता में हैं कि अब उनकी तुष्टिकरण की राजनीति का क्या होगा ? प्रदेश की राजनीति में अभी तक कहा जाता रहा है कि दिवंगत सपा मुखिया मुलायम सिंह यादव चरखा दांव लगाया करते थे लेकिन इस बार असली चरखा दांव योगी आदित्यनाथ जी ने चल दिया है और मुस्लिम तुष्टिकरण तथा जातिवादी नेताओं को चित्त कर दिया है। जो लोग रामचरित मानस जैसे दिव्य व पवित्र ग्रंथ की कुछ चौपाईयों का गलत अर्थ निकालकर हिंदू समाज में जातिभेद व विवाद उत्पन्न कर अपनी राजनीतिक रोटियां सेकने का प्रयास कर रहे थे अब सकते में हैं। ये लोग यह सोच रहे थे कि प्रदेश में भगवा लहर को सनातन धर्म और सनातन संस्कृति के आस्था के केंद्र और धर्मग्रंथों का दुष्प्रचार करके और प्रदेश की सामाजिक समरसता का वातावरण दूषित करके रोका जा सकता है। प्रदेश सरकार ने आगामी 22 मार्च से 30 मार्च तक दुर्गा मंदिरों और शक्तिपीठों में दुर्गा सप्तशती के पाठ, देवी जागरण व गायन के कार्यक्रम कराने का आदेश तो जारी किया ही है साथ ही अष्टमी और श्रीरामनवमी के दिन अखंड रामायण का पाठ कराने का आदेश भी जारी किया है। नवरात्रि के पावन अवसर पर इन कार्यक्रमों में महिलाओं एवं बालिकाओं सहित जनसहभगिता को बढ़ाने पर बल दिया गया है। इन सभी कार्यक्रमों के अवसर पर मंदिर परिसरों में विकास कार्यों एवं बुनियादी सुविधाओं की होर्डिंग भी लगेंगी। इन आयोजनों को भव्यता प्रदान करने के लिए जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति चयनित देवी मंदिरों, शक्तिपीठों में कलाकारों के माध्यम से कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। प्रदेश में पहली बार प्रशासन स्तर पर देवी मंदिरों एवं शक्तिपीठों में ऐसे कार्यक्रम आयोजित होने जा रहे हैं। वर्तमान परिदृष्य में समाजिक व राजनीतिक दृष्टिकोण से यह आयोजन बहुत ही महत्वपूर्ण हैं क्योंकि अभी तक प्रदेश में जितनी भी तथाकथित धर्मनिरपेक्ष सरकारें रहीं उनके कार्यकाल में केवल और केवल मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति का विकृत दौर ही देखा गया है। सर्वाधिक आश्चर्य की बात यह है कि सरकार के इस निर्णय का आज वही दल विरोध कर रहे हैं जिनके कार्यकाल में राजभवन व मुख्यमंत्री आवास रोजा इफ्तार का केंद्र बन जाते थे। आज समाजवादी दल जो सरकार के इस फैसले का विरोध कर

रही है उसी के कार्यकाल में कब्रिस्तानों के निर्माण के लिए 1200 करोड़ रुपए जारी हुए थे मंदिरों में रामायण पाठ का विरोध वो लोग कर रहे है जिन्होंने या तो भगवान राम को काल्पनिक बता रखा है या रामचरित मानस का अपमान किया है । यह वही लोग हैं जिनके मुखिया दिवंगत मुलायम सिंह यादव ने अयोध्या में निहत्थे राम भक्तों का नरसंहार किया था। सरकार के निर्णय का आदेश आने के बाद समाजवादी नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने एक बार फिर जहरीला बयान दिया कि अब, जब आम जनमानस ने स्वतः रामचरित मानस का पाठ करना बंद कर दिया है तब सकरार अपने धन से मंदिरों में रामायण पाठ कराने जा रही है। स्वामी प्रसाद का यह बयान बहुत ही विकृत व झूठा है। स्वामी प्रसाद का बयान कि, ह्लइस प्रकार का आयोजन महिलाओं, दलितों, पिछड़ों का अपमान है बहुत ही मूर्खतापूर्ण व राजनैतिक ईर्ष्यावश दिया गया बयान है। तथ्य यह है कि आज प्रदेश की राजनीति में स्वामी प्रसाद जैसे तथाकथित जातिवादी राजनैतिक नेताओं को कोई कोई भाव नहीं दिया जा रहा है। स्वामी प्रसाद जैसे नेताओं को यह पता ही नहीं है कि जब से उन्होंने रामचरित मानस का झूठा विमर्श गढ़ा है तब से हिंदू समाज ही नहीं अन्य विद्वान व नागरकि वर्ग भी रामचिरत मानस को एक बार फिर पढ़ रहा है। गीता प्रेस जो रामचरित मानस के प्रकाशन और विपणन का प्रमुख संसथान है उसके अनुसार स्वस्मी प्रसाद मौर्या के मानस विरोधी कृत्य के पश्चात मानस की बिक्री में वृद्धि हुयी है। विगत दिनों दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय पुस्तक मेले में भी लोगों ने रामचरित मानस में रुचि दिखाई और पहले ही दिन दो सौ से अधिक प्रतियां बिक गयीं। समाजवादी दल के सभी मुस्लिम सांसद, मुस्लिम लीग, कांग्रेस, बहुजन समाजवादी पार्टी व एआईएएम भी सरकार के निर्णय का कड़ा विरोध कर रहे हैं तथा सरकार से सवाल कर रहे हैं कि आप रमजान में मुस्लिम समाज के लिए क्या कर रहे हैं? इन तथाकथित दलों की नजर में यह संविधान विरोधी कदम है। सपा मुखिया बयान दे रहे हैं कि यह रकम तो बहुत कम है अपितु इस काम के लिए सरकार को कम से कम दस करोड़ देने चाहिए थे। भाजपा सरकार की ओर से मंत्री जयवीर सिंह का बयान आया है कि सरकार भारतीय संस्कृति व परम्पराओं को आगे बढ़ाने के लिए इस प्रकार के कदम उठाती रहेगी साथ ही अगर आवश्यकता पड़ी तो ऐसे आयोजनों के लिए सरकार और अधिक धन राशि जारी करेगी। प्रदेश सरकार ने इस प्रकार का आयोजन करके हिंदू समाज को एक बहुत बड़ा उपहार दिया है और वह भी उस समय जब अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण तीव्र गति से चल रहा है। योगी सरकार ने अपने इस कदम से अनेक लक्ष्यों पर सटीक निशाना साधा है। योगी जी के इस दांव से भाजपा यह सिद्ध करने में सफल हो रही है कि सभी धर्मनिरपेक्ष विरोधी दल असल में हिंदू विरोधी हैं। यह सभी दल सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या पर जो ऐतिहासिक फैसला सुनाया है उसे मन ही मन पचा नहीं पा रहे हैं। आगामी एक जनवरी को राम मंदिर का भव्य उद्घाटन होने के साथ ही इन दलों का राजनीतिक भविष्य ही अंधकारमय होने जा रहा है यही कारण है कि यह दल पूरी ताकत के साथ एक बार फिर हिंदू समाज व संस्कृति पर कुठाराघात कर रहे हैं। योगी जी ने विधानसभा सत्र में ही रामचरित मानस और उसकी पवित्रता पर अपनी स्थिति पूरी तरह से स्पष्ट कर दी थी। योगी जी ने षानदार राजनैतिक कौषल दिखाते हुए सपा मुखिया अखिलेष यादव को भी अब धर्म की पिच पर खेलने के लिए मजबूर कर दिया है।यह तय है कि बसपा मुखिया अखिलेष यादव की परेषानियां और अधिक बढ़ने वाली हैं।अखिलेष यादव सरकार के फैसले का खुलकर विरोध तो नहीं कर पाये लेकिन अपनी पार्टी के नेताओं से बयान दिलवाकर वह बुरी तरह से घिरते भी नजर आ रहे हैं। ँदेष में योगी सरकार आने के बाद से ही प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा तो दिया ही जा रहा है साथ ही ऐसे निर्णय व आयोजन भी किए जा रहे हैं जिनसे सनातन संस्कृति व परम्पराओं का प्रचार- प्रसार भी हो रहा है। योगी सरकार ने सत्ता संभालने के बाद से ही प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या में अयोध्या में भव्य दीपोत्सव का आयोजन षुरू किया। भव्य दीपोस्तव के आयोजन में दीपों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। काषी मे भव्य कारिडोर का निर्माण हो चुका है जबकि मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि कारिडोर का काम षुरू होने जा रहा है। मुख्यमंत्री मथुरा में होली खेलने भी जाते रहे हैं।सावन के महीने में योगी सरकार में कांवड़ियों पर हेलीकाप्टर से पुष्पवर्षा की जा रही है जिसमे स्व्यं मुख्यमंत्री भी षामिल होते हैं।एक वह भी समय था जब कांवड़ यात्रियो के साथ दोयम दर्जे का व्यवहार किया जाता था। आज वही लोग रामायण पाठ और दुर्गा सप्तषती पाठ का विरोध कर रहे हैं।प्रदेश सरकार प्रयागराज में माघ मेले का भव्य आयोजन भी कर चुकी है जिसकी प्रषंसा पूरे विष्व में हुई। अब माघ मेला के अवसर पर प्रयागराज में स्नानार्थियों को बेहतर सुविधाएं मिली व स्नान करने योग्य गंगा जल भी मिला।

अब यह बात तो तय हो गई है कि आगामी आने वाले दिनों में प्रदेश सरकार हिंदू सनातन संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए ऐसे आयोजन करवाती रहेगी और कई और बढ़े व ऐतिहासिक कदम भी सरकार उठाती रहेगी। सेकुलर दल सरकार के इस कदम का उस समय विरोध कर रहे हैं जब बंगाल की ममता सरकार भी दुर्गा पंजा पंडाल को सरकारी सहायता उपलब्ध करा रही है और दिल्ली की अरविंद केजरीवाल की आप सरकार मस्जिद के इमामों को वेतन दे रही है। आखिर सेकुलरवाद के नाम पर यह दोहरी विकृत राजनीति क्यों चल रही है?

कविता

मशवरा है कि तेरे शहर की महफिल।

मशवरा है कि तेरे शहर की महफिल
बदले,
अब तक तो कभी खंजर कभी कातिल
बदले।

जिंदगी किस्तों में गुजर गई तो क्या,
जितने हमदर्द थे सारे शामिल बदले।।

लहरें चली आई मचलते हुए शहरों में,
अब ना तो कश्ती ना ही साहिल बदले।

कत्ल मेरा इल्जाम नहीं है उस पर,
कितना मासूम लगे रूप जब कातिल
बदले।

जिंदगी ने दिए हजारों जख्म हमें,
जिंदगी के गणित में सारे हासिल बदले।

संजीव ठाकुर

ईश्वर प्रदत्त जीवन को समझिए

संजीव ठाकुर

सिर्फ मानव प्रजाति में सोचने समझने और मुस्कुराने की शक्ति होती है। मनुष्य की सर्व चेतनाओं से परिपूर्ण होता है । पत्थरों में चेतना शून्य होती है, पेड़ पौधों में पल्लवित पुष्पित होती है, पशु पक्षियों में चलायमान होती है और मनुष्य ही एक ऐसा प्राणी है जिसमें मानव मस्तिष्क चिंतन मनन कर किसी समस्या का समाधान निकालता हैं' यह सर्वविदित है कि मनुष्य का जीवन विभिन्न सामाजिक मानसिक संघर्षों का केंद्र होता है' मनुष्य ने सदैव मानसिक शारीरिक शक्ति और दृढ़ संकल्प के बलबूते पर हर समस्या पर समय-समय पर विजय प्राप्त की है, और अपने लक्ष्य को बड़ी दृढ़ता के साथ प्राप्त किया है' मनुष्य के जीवन में जब उत्साह, ऊर्जा एवं अपनी क्षमताओं के उपयोग करने का पूर्ण रूप से आत्मविश्वास होता है तो वह परिस्थितियों का सामना बखूबी कर अपने जीवन को सुचारू रूप से संचालित करता है' एक मानव प्रजाति ही ऐसी प्रजाति है जिसकी संकल्प शक्ति इतनी ऊर्जावान एवं महत्वपूर्ण होती है कि वह प्रगति की विविधताओं, विषमताओं एवं अपार शक्ति को भी आसानी से नियंत्रित कर लेता है एवं उसका स्वयं के लिए समाज के लिए देश के लिए सकारात्मक उपयोग करने में भी सक्षम होता है' जीवन में मनुष्य को सदैव अपने आप को व्यस्त रख कार्यशील रहना चाहिए, क्योंकि व्यस्त व्यक्ति ही किसी कार्य को उसकी परिणति तक पहुंचा सकता है ,खाली दिमाग सदैव शैतान का होता है एवं उसमें नकारात्मक विचार प्रवेश कर मन को मायूस कर देते हैं' आपका मन या मनोबल या संकल्प ही जब एकाग्र चित्त ऊर्जावान तथा शक्तिशाली होगा तो आपके सामने की कितना भी क्लिष्ट व कठिन लक्ष्य हो उसमें आप सफलता अवश्य पा सकेंगे। इसलिए मनुष्य को सदैव कर्मरत रहना चाहिए ।इसका यह भी अभिप्राय है कि मनुष्य को अपने आपको सदैव स्वस्थ्य एवं व्यस्त रखना चाहिए' मन में दृढ़ संकल्प रखकर हमारी दुनिया में लोगों ने ऐसे असंभव कठिन तथा दुरूह कार्यों को अपनी जड़ मानसिक शक्ति से संभव कर दिखाया है जिसकी हम कतई कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों की विपन्न स्थिति एवं आर्थिक कमी के बावजूद उन्होंने अपनी मानसिक दृढ़ता ,उच्च संकल्प शक्ति और संगठन क्षमता के दम पर भारत देश को आजाद कराया ।इसमें निसंदेह महात्मा गांधी, सरोजनी नायडू, सरदार वल्लभ भाई पटेल,जवाहरलाल नेहरू, चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस और न जाने कितने उदाहरण हैं जिन्होंने अपनी मानसिक शारीरिक शक्ति तथा ऊर्जा के दमखम पर देश को अंग्रेजों के चंगुल से निकाल कर आजादी की हवा की सांस लेने का देशवासियों को मौका दिया है ।हम उनका नमन करते हैं उन्हें श्रद्धांजलि भी देते हैं और उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति एवं संकल्प को आदर्श के रूप में लेकर अपने जीवन में उतारने का प्रयास भी करेंगे।

विचार

वायु प्रदूषण एक बड़ी वैश्विक पर्यावरणीय चुनौती !

सुनील कुमार महला

हाल ही में वर्ल्ड एयर क्वालिटी रिपोर्ट-2022 जारी की गई है, इस रिपोर्ट के अनुसार भारत को दुनिया का आठवां सबसे प्रदूषित देश बताया गया है। यह बहुत ही गंभीर व संवेदनशील है कि टॉप 20 प्रदूषित शहरों में 19 एशिया के हैं और इनमें से 14 हमारे देश के हैं। दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में प्रदूषण का लेवल 2.5पीएम के अनुसार है। इनमें पहले नंबर पर पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के शहर लाहौर का प्रदूषण लेवल 97.4 आंका गया है। दूसरे नंबर पर चीन के राज्य झिंजियांग के शहर होटन का 94.3, तीसरे नंबर पर भारत के राज्य राजस्थान के शहर भिवाड़ी का 92.7, चौथे नंबर पर दिल्ली का 92.6, 5 वें नंबर पर पाकिस्तान के राज्य खैबर पख्तूनख्वा के शहर पेशावर का 91.8, छठे नंबर पर भारत के राज्य बिहार के शहर दरभंगा का 90.3, 7वें नंबर पर बिहार के शहर आसोपुर का 90.2, 8वें नंबर पर चाड के राज्य शारी बागिरमी के शहर अन जामेना का 89.7, 9वें नंबर पर भारत के नई दिल्ली का 89.1, 10वें नंबर पर बिहार के शहर पटना का 88.9, 11वें नंबर पर उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद का 88.6, 12वें नंबर पर हरियाणा के धारूहेड़ा का 87.8, 13वें नंबर पर इराक के राज्य बगदाद का 86.7, 14वें नंबर पर भारत के बिहार के छपरा का 85.9, 15वें नंबर पर उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर का 85.5, 16वें नंबर पर पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के फैसलाबाद का 85.4, 17वें नंबर पर भारत के उत्तर प्रदेश के शहर ग्रेटर नोएडा का 83.2, 18वें नंबर पर हरियाणा के बहादुरगढ़ का 82.2, 19वें नंबर पर हरियाणा के फरीदाबाद का 79.7 और 20वें नंबर पर बिहार के मुजफ्फरपुर का 86.7 है। यह चौंकाने वाला तथ्य है कि टॉप 100 में 72 शहर दक्षिण एशिया के हैं और इनमें भी ज्यादातर भारत,पाकिस्तान और बांग्लादेश के शहर हैं। बताया गया है कि भारत की मेट्रो सिटीज दुनिया में सबसे ज्यादा प्रदूषित हैं। औसत पीएम2.5 की तुलना में चौथे रैंक पर दिल्ली है। यहां प्रदूषण का स्तर 92.6 है। 99वें रैंक पर कोलकाता में प्रदूषण का स्तर 50.2, 137वें रैंक पर मुंबई में प्रदूषण का स्तर 46.7, 199वें रैंक पर हैदराबाद में प्रदूषण का स्तर 42.4, 440वें रैंक पर बेंगलुरू में प्रदूषण का स्तर 31.5 और 682वें रैंक पर चेन्नई में प्रदूषण का स्तर 25.3 आंका गया है। रिपोर्ट में दक्षिण एशिया को वायु प्रदूषण का केंद्र बताया गया है। इस रिपोर्ट के आधार पर विश्व बैंक ने प्रदूषण में कटौती करने के लिए आने वाले खर्च का एनालिसिस किया है। इसके लिए 2.6 अरब डॉलर खर्च करने होंगे। रिपोर्ट में दक्षिण एशिया को वायु प्रदूषण का केंद्र बताया गया है। हालांकि एक राहत की बात यह है कि वर्ष 2021 में जहाँ हम प्रदूषण में पांचवे नंबर पर थे , वर्ष 2022 में खिसककर आठवें नंबर पर आ गए हैं, यानी कि प्रदूषण के मामले में पहले की तुलना में कुछ सुधार हुआ है। हवा में प्रदूषण नापने की इकाई यानी कि पी.एम. 2.5 में भी गिरावट आई है। तह 53.3 माइक्रोग्राम/क्यूबिक मीटर हो गया है। वैसे यह अभी भी डब्ल्यू एच ओ(विश्व स्वास्थ्य संगठन) की सेफलाइन(5) से 10 गुना से ज्यादा है, जो कि गंभीर है। एक राहत की बात यह भी है कि अब तक नई दिल्ली दुनिया की सबसे ज्यादा प्रदूषित राजधानी थी, लेकिन अब नहीं है।सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों की सूची में दिल्ली चौथे और नई दिल्ली 9 वें स्थान पर जबकि 8 वें स्थान पर अफ्रीकी देश चाड की राजधानी अनजामेना है। वर्ल्ड एयर क्वालिटी रिपोर्ट 2022 के अनुसार औसत पीएम 2.5 की तुलना में चाड में प्रदूषण का लेवल 89.7, इराक में 80.1, पाकिस्तान में 70.9, बहरीन में 66.6, बांग्लादेश में 65.8, बुर्किना फासो में 63.0, कुवैत में 55.8, भारत में 53.3, मिश्र में 46.5 और ताजिकिस्तान में 46.0 है। दिल्ली प्रदूषित है लेकिन एनसीआर में सुधार हुआ है। दिल्ली के साथ एनसीआर में शामिल शहर गुरुग्राम, नोएडा, गाजियाबाद और फरीदाबाद में प्रदूषण के स्तर में गिरावट देखी गई है। औसत पीएम2.5 की तुलना में गुरुग्राम में 34%, फरीदाबाद में 21% तक सुधार हुआ। दिल्ली में 8% ही सुधार आया है लेकिन इन शहरों में प्रदूषण अभी भी बहुत ज्यादा है।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआई: HPHIN / 2012 / 48072

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक रवि भारद्वाज, एक्शन इंडिया कार्यालय कृष्णा टावर, सब्जी मंडी के सामने, ऊना हिमाचल प्रदेश-174303 ने अर्थ प्रकाश प्रैस, अर्थ प्रकाश भवन, सेक्टर-29डी, चंडीगढ़ से छपवाकर प्रकाशित किया। एक्शन इंडिया में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक या प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र हिमाचल प्रदेश ही होगा।

समूह संपादक: रवि भारद्वाज (9999889104)
स्थानीय संपादक: पंकज शर्मा (7018221146)
ई-मेल : actionindiashimla@gmail.com
actionindiauna@gmail.com

एक्शन इंडिया शिमला कार्यालय: सचदेवा निवास, डेजी बैंक इस्टेट, नजदीक जोधा निवास, लोअर जाखू, शिमला, 171001
एक्शन इंडिया ऊना कार्यालय: कृष्णा टावर, सब्जी मंडी के सामने, ऊना, हिमाचल प्रदेश-174303

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अतः समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

चिंतन

तकनीक का मायाजाल

विजय गर्ग

मायाजाल में अभिव्यक्तियां, पहले तकनीक ने इंसान की अंगुली पकड़ी, फिर इंसान ने तकनीक की अंगुली पकड़ी सच कहें तो गूगल ने हमें स्टुपिड या बुद्धू बना दिया है। इसने हमारी स्मृति पर हमला कर उसे तगड़ी क्षति पहुंचाई है। लोग अब कुछ भी याद रखना नहीं चाहते। उन्हें पता है कि जो जानना है, वह गूगल कर पल में मालूम कर लेंगे। चूंकि पहले से कुछ भी जानना जरूरी नहीं रह गया है तो सोचना-विचारना और प्रश्न खड़े करना भी छूट गया है। अब तो बने-बनाए प्रश्न हैं और बने-बनाए उत्तर। पिछली सदी के पूर्वार्द्ध में वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा था कि तकनीक इंसान पर भारी पड़ने वाली है। आइंस्टीन ने यह बात उस समय कही थी, जब मोबाइल और इंटरनेट जैसी सुविधाओं के आम इंसान तक पहुंचने में कई दशक बाकी थे। कहते हैं कि पहले तकनीक इंसान की अंगुली पकड़कर चलती है और फिर इंसान तकनीक की अंगुली पकड़कर चलने लगता है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि पिछली पीढ़ियों की तुलना में मौजूदा पीढ़ी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिहाज से सर्वाधिक भाग्यशाली है। अभिव्यक्ति अब बड़े पैमाने पर आम आदमी की पहुंच में है। आभासी दुनिया में आज उसके पास दसियों मंच हैं, जहां वह अपनी बात रख सकता है। लेकिन इन मंचों पर अभिव्यक्ति से जुड़े किंतु-परंतु अपना असर दिखाने लगे हैं। आभासी दुनिया में अभिव्यक्ति के आनंद से उपजा आत्मविश्वास लाइक-डिसलाइक की भूल-भुलैया में खो चुका है। अधिकांश लोग कट-कापी-पेस्ट, फारवर्ड और इमोजी लगा देने भर को अपनी रचनात्मकता का हिस्सा मानने लगे हैं। इस नकली आत्ममुग्धता ने हमारी भाषा को बहुत क्षति पहुंचाई है। हमारी अभिव्यक्तियां वाउ, नाइस, ओसम, सैडङ्क जैसे शब्दों तक सिमटती जा रही है।

खयाल बुनने और उन्हें कागज पर उतारकर भेजने की जो कड़ी हमें खास बनाती थी, वह टूट चुकी है। एक समाज के रूप में हम अपनी भाषा खोते जा रहे हैं। इसने हमारी सोच को इस कदर प्रभावित किया है कि दुनिया-जहान से जुड़े रहने के बावजूद हमारा दिमाग कुछ खास दिशा से आगे सोच नहीं पाता। अधकचरी सूचनाओं और विचारों ने मानसिकता को इतना सतही बना दिया है कि हम कुछ सोचने और दिमाग लगाने की जहमत नहीं उठाना चाहते।

देश गया तेल लेने

डॉ. सुरेश कुमार

बेबी! तुम्हें ऐसा कैसा भूत चढ़ा है। सब कुछ अच्छा तो चल रहा है। इतनी खूबसूरत हो। इतनी जवान हो। अभी अगले दस साल तक तुम्हारे पास कोई फटकने वाला भी नहीं है। फिर यह बेवजह की जिद क्यों कर रही हो? चलो यहाँ से अमेरिका चलते हैं। वहाँ भी तुम्हारी खूबसूरती के बेशुमार दीवाने हैं। मेरी बात मानो यह देशभक्ति छोड़ो अपना मेकअप किट संभालो। देश को बचाने का काम सैनिकों का है, हमारा नहीं। हम सेलिब्रिटीज हैं। हमारा काम पेज थ्री में बना रहना है। लाइमलाइट की चकाचौंध से घिरे रहना है। यह देशभक्ति का जुनून आर्मी वालों को फबता है। ऐसी पागलपंती तुम्हें सूट नहीं करेगी। अपने लिए न सही अपने फैंस का तो खयाल करो। इस गोरे और कोमल बदन पर इतनी ज्यादती तो न करो। देश को बचाने के लिए कोई न कोई सिरफिरा, जुनूनी और पागल मिल जाएगा। लेकिन तुम्हें कुछ हो गया तो तुम्हारे फैंस का क्या होगा? उन्हें तुम्हारी जैसी खुबसूरती का कहर बरपाने वाला कहाँ मिलेगा। तुम्हारी अदा और शोखियों के कितने दीवाने हैं यह भला तुम जानती भी हो। भावनाओं में बहकर तुम बचकाना हरकतें मत करो। देश का मतलब महज मिट्टी तो है। इसके लिए भला कोई सेंटी होता है। प्रैक्टिकल बनो प्रैक्टिकल। इस देश से जितना हमें कमाना था कमा लिया। अब यहाँ से निकलो। चलते हैं किसी और देश। देखना वहाँ पर भी तुम्हारे कातिल जलवे के चाहने वाले लाखों मिलेंगे। एक प्रसिद्ध अभिनेत्री के बॉय फ्रेंड ने कहा। यह बात तुम कह रहे हो जिसने देशभक्ति पर इतनी सारी फिल्में की है! इन्हीं फिल्मों के लिए लोगों ने दीवानों की तरह तुम पर अपना सब कुछ लुटाया! थिएटरों के बाहर लंबी-लंबी लाइनें लगाईं! टिकट न मिलने पर मारा-मारी की! तुम्हारे डॉयलॉग बोलने की स्टाइल की नकल करते फैंस के बारे में तुम ऐसे-कैसे सोच सकते हो। वो तुम्ही को देशभक्ति का मसीहा समझते हैं। और तुम हो कि देश छोड़कर भागने की बात कर रहे हो। अभिनेत्री ने देशभक्ति कुमार को लताड़ते हुए कहा। अरे बेबी तुम समझती क्यों नहीं। वे फिल्में थीं। यह लाइफ है। फिल्में लाइफ नहीं होतीं और लाइफ फिल्म नहीं।

वहाँ तो हम नाटक करते हैं। जीना तो हमें रियालिटी में ही है न!

रसोई घर में ही इतनी दवाइयाँ !

हमारे साथ अकसर ही होता है कि कोई भी छोटी-मोटी तकलीफों के लिए भी हमें डॉक्टर के पास दौड़ना पड़ता है। यदि आप खुद घरेलू चीजों के गुणों के बारे में जानते हों तो शायद आपकी कुछ परेशानी तो दूर हो ही सकती है। आप को खुद यह जानकर आश्चर्य होगा कि आपके हमारे साथ अकसर ही होता है कि कोई भी छोटी-मोटी तकलीफों के लिए भी हमें डॉक्टर के पास दौड़ना पड़ता है। यदि आप खुद घरेलू चीजों के गुणों के बारे में जानते हों तो शायद आपकी कुछ परेशानी तो दूर हो ही सकती है। आप को खुद यह जानकर आश्चर्य होगा कि आपके रसोई घर में ही इतनी दवाइयाँ होती हैं कि आप छोटी समस्याओं पर खुद ही काबू पा सकती हैं।

साँस की बदबू मिटाए इलायची

साँस की बदबू एक आम समस्या है। आप इसके लिए सुबह या शाम माउथ वॉश इस्तेमाल कर सकते हैं। परंतु दिन में क्या उपाय हो यह सोचने की बात है। इसका सबसे अच्छा उपाय इलायची है। जिसका कोई साइड इफैक्ट भी नहीं होता। इलायची भारत में ही नहीं, अरब देशों में भी खूब इस्तेमाल की जाती है। इसमें एंटीसेप्टिक 'सिनोल' द्रव होता है, जो साँसों में दुर्गंध पैदा करने वाले बैक्टीरिया को मारता है। यदि आपकी साँस में ज्यादा बदबू हो तो इसे हटाने के लिए इलायची के बीज कुछ देर तक चबाएँ और फिर थूक दें।

कफ दूर करे अजवायन

गले में खराश और कफ की वजह से चल रही खाँसी कितना परेशान करती है इसका अनुभव आपको भी होगा ही। आप तुरंत आराम चाहती हैं जबकि डॉक्टर से आपका अपाइंटमेंट शाम का है। ऐसे में आपको अजवायन का सहारा लेना चाहिए। अजवायन न सिर्फ खाँसी दूर करती है, बल्कि यह जमे हुए बलगम को भी बाहर निकालकर आपकी श्वास-नली को साफ करती है। यह शक्तिशाली एंटीसेप्टिक भी है। ज्यादा कफ होने की स्थिति में एक कप खौलते पानी में एक या दो चाय के चम्मच भर अजवायन 10 मिनट तक उबालें। इस प्रकार तैयार की हुई चाय को दिन में 3 बार पिएँ।

अजवायन साइनस की तकलीफ को भी दूर करने में सहायक होती है। अगर आपको साइनस की समस्या है तो आपको अजवाइन जैसी गर्म और खुश्क वनस्पति की जरूरत है। अजवाइन श्वसन तंत्र के इन्फेक्शन का पारंपरिक इलाज तो है ही, यह एक शक्तिशाली एंटीवायरल और एंटीबैक्टीरियल वनस्पति भी है। अजवाइन की एक-दो चम्मच सूखी पत्तियाँ एक कप गर्म पानी में 10 मिनट तक भिगोएँ। इस प्रकार तैयार किया गया काढ़ा दिन में तीन बार पीने से लाभ मिलता है।

डायरिया दूर करे दालचीनी

सबसे आम समस्या पेट की खराबी होती है। दस्त लगने पर डिहायड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में दालचीनी बहुत ही फायदा करती है। दालचीनी की चाय बनाकर पीने से लाभ मिलता है। दालचीनी एक प्राकृतिक एस्ट्रिंजेंट (दस्त बांधने वाली) है, जो आंतों से पानी कम करती है। एक कप गर्म पानी में एक चम्मच दालचीनी पावडर डालें और 10-15 मिनट तक इसे भिगो दें फिर उबाल कर पी लें।

बेहतर महसूस कीजिए अदरक से

अदरक में एक तत्व पाया जाता है जिसे 'थ्रोम्बोक्सेन ए-2' के नाम से जाना जाता है। यह रक्त-वाहिकाओं को चौड़ा करने वाले तत्वों को नष्ट होने से बचाता है। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो अदरक, रक्त प्रवाह को संतुलित करता है, जो माइग्रेन को रोकने के लिए जरूरी है। सिरदर्द से बचे रहने के लिए पिसी हुई ताजा अदरक जूस में डालकर पिएँ। रोज खाने में भी ताजे अदरक का इस्तेमाल काफी फायदेमंद होता है। अदरक कब्ज का भी दुश्मन है। बेहतर नतीजे के लिए ताजा अदरक लेकर कुचलें और एक चम्मच अदरक को एक कप गर्म पानी में 10-15 मिनट तक भीगने दें। फिर अदरक को छानकर पानी पी जाएँ।

गैस भगाए पुदीना

गैस का उधम किसी आतंक से कम नहीं होता है। गैस आपकी दिनचर्या को अस्त-व्यस्त कर देती है। गैस बढ़ने की एक वजह तनाव भी है। मिंट की चाय पीकर आप गैस के प्रकोप को मिटा सकते हैं, क्योंकि आपके पाचन तंत्र की यात्रा करते समय यह गैस को शांत करती चलती है। इसलिए इससे तुरंत आराम मिलता है। गैस से छुटकारा पाने के लिए सुबह-शाम एक-एक कप मिंट की चाय पिएँ। मिंट पुदीने के वर्ग का ही पौधा है। यह न मिलने पर पुदीना ले सकते हैं।

पेट की जलन शांत करे हल्दी

यदि आपने खूब तीखा तेल वाला भोजन लिया है और अब आप पेट की जलन से परेशान हैं तो तुरंत थोड़ी हल्दी खा लें। फौरन आराम मिलेगा।

दाँतों का दोस्त लौंग

दाँत में दर्द हो रहा हो तो लौंग के तेल की दो बूंद रुई के फाहे पर डाले और उसे दर्द वाले दाँत पर रख लें। यदि लौंग का तेल न हो तो पूरी लौंग को दर्द वाले हिस्से के यहाँ दबा दें। इसी तरह लौंग का तेल सर्दी, फ्लू और पैरों में होने वाल फंगल इन्फेक्शन में भी बहुत फायदा करता है।

तिल भी दाँत दर्द दूर करने में सहायक होता है। तिल में करीबन सात दर्दरोधी तत्व पाए जाते हैं। एक हिस्सा तिल और तीन हिस्से पानी लेकर उबालें, जब तक यह जलकर आधा न रह जाए। इसे ठंडा कर लें और फिर इससे दाँतों को साफ करें। होती हैं कि आप छोटी समस्याओं पर खुद ही काबू पा सकती हैं।

हेल्थ प्लस

भीषण गर्मी की समस्या लू

क्या है लू ?

गरमी के दिनों में गरम हवाएँ चलती हैं, इसे लू कहते हैं। इन्हें कुछ लोग तो सहन कर जाते हैं, लेकिन कुछ लोग सहन नहीं कर पाते और लू का शिकार हो जाते हैं।

लू की घरेलू चिकित्सा यहाँ प्रस्तुत है-

लक्षण -

- रोगी का बैचेन और उदासीन दिखना । नियमित काम करने मे अनिच्छा।
- नाड़ी की गति अधिक बढ़ जाने के फलस्वरुप रोगी का तापमान 104-105 तक हो जाना।
- बार-बार प्यास लगना।
- अधिक तापमान के कारण बेहोश हो जाना।
- चेहरा लाल, सर दर्द, जी मिचलाना और उल्टियाँ होना।

प्राथमिक उपचार -

- रोगी के शरीर को ठंडा करें, बर्फ की पट्टियाँ रखें और यदि रोगी होश मे है तो तापमान कम करने के लिये तुरन्त नहलायें । कमरे मे पंखे, कूलर या एसी जो भी सुविधा हो उसे बन्द न करें।
- नाड़ी और तापमान हर आधे घंटे पर देखते रहें।
- यदि रोगी होश मे है तो निर्लजीकरण पर ध्यान रखें और ग्लूकोज और नमक या ओ.आर.एस. युक्त पानी लगातार देते रहें।
- कोई भी औषधि देने के पहले चिकित्सक की राय लें।
- लू से बचाव के लिये घर से निकलने समय खाली पेट न निकलें, ताजा खाना खायें, आम और पोदीना का पन्ना, दही का मट्ठा, नीबू की शिकंजी, प्याज का अधिक प्रयोग लू से बचाव करने मे कारगर है। बासी खाने, चाट, और जहाँ तक संभव हो गर्मी के दौरान माँसाहारी खाने से बचें।

लू से बचने के घरेलू उपाय

- धनिए को पानी में भिगोकर रखें, फिर उसे अच्छी तरह मसलकर तथा छानकर उसमें थोड़ी सी शकर मिलाकर पीने से गरमियों में लू से राहत मिलती है।
- मेथी की सूखी पत्तियों को ठंडे पानी में कुछ समय भिगोकर रखें, बाद में उसे हाथ से मसलकर छान लें, इस पानी में थोड़ा सा शहद मिलाकर दो-दो घंटे पर रोगी को पिलाएँ, इससे लू से तुरंत छुटकारा मिलता है।
- इमली के बीज को पीसकर उसे पानी में घोलकर कपड़े से छान लें। इस पानी में शकर मिलाकर पीने से लू का शमन होता है।
- भुना हुआ आम और प्याज पीसकर लेप करना लाभदायक होता है।
- लू से बचने के लिए दोपहर के समय बाहर नहीं निकलना चाहिए। अगर बाहर जाना ही पड़े तो सिर व गर्दन को तौलिए या अंगोछे से ढँक लेना चाहिए। अंगोछा इस तरह बाँधा जाए कि दोनों कान भी पूरी तरह ढँक जाएँ।
- गर्मी के दिनों में हल्का व शीघ्र पचने वाला भोजन करना चाहिए। बाहर जाते समय खाली पेट नहीं जाना चाहिए।
- गर्मी के दिनों में बार-बार पानी पीते रहना चाहिए ताकि शरीर में जलीयांश की कमी नहीं होने पाए। पानी में नींबू व नमक मिलाकर दिन में दो-तीन बार पीते रहने से लू नहीं लगती।
- गर्मी के दौरान नरम, मुलायम, सूती कपड़े पहनना चाहिए जिससे हवा और कपड़े शरीर के पसीने को सोखते रहते हैं।
- गर्मी में ठंडाई का सेवन नियमित करना चाहिए। मौसमी फलों का सेवन भी लाभदायक रहता है जैसे, खरबूजा, तरबूज, अंगूर इत्यादि।
- गर्मी के दिनों में प्याज का सेवन भी अधिक करना चाहिए एवं बाहर जाते समय कटे प्याज को जेब में रखना चाहिए।

होम्योपैथिक उपचार -

ग्लोनाईन (Glonine) इस रोग की प्रधान दवा है। इससे आराम न मिलने पर बेलोडोना (belladona) । 30 पोटेन्सी मे दवा का चुनाव करें और 15-15 मिनट के अन्तर पर प्रयोग करें। आराम मिलने पर दवा का अन्तर बढ़ायें। camphor, opium, bellis pernis भी अपने अपने विशिष्ट लक्षणों के अनुसार मुख्य दवाओं की श्रेणी मे आती है और एक कुशल होम्योपैथ की सलाह दवा प्रयोग करने के पहले अवश्य लें। सनस्ट्रोक होने के बाद की हालत मे अगर रोग पुराना रुप धारण कर रहा है तब agaricus, anacardium और थोड़ी सी धूप मे सर दर्द बढ़ने पर natrum mur, natrum carb और baryta carb की व्यवस्था करें।

बेहोशी की हालत मे रोगी को औषध सेवन करने की क्षमता न रहने पर चुनी हुई औषधि को साफ कपड़े या रुमाल मे रख कर सुघांये और बाद मे आराम मिलने पर दवा पीने को दें।

घमौरियों से पाएँ निजात

बेसन को पानी में घोलकर घमौरियों वाले स्थान पर इसका लेप करें।

चंदन पावडर और धनिया पावडर को बराबर मात्रा में मिलाकर इनमें गुलाबजल मिलाकर गाढ़ा लेप बनाएँ तथा इस लेप को शरीर पर कुछ देर लगाकर ठंडे पानी से धो से धो लें।

नहाने से पहले जौ के आटे को पानी में मिलाकर इस पेस्ट को बदन पर लगाएँ और कुछ देर बाद ठंडे पानी से नहा लें।

हाई ब्लड प्रेशर के घरेलू उपचार

हाई ब्लड प्रेशर में चक्कर आने लगते हैं, सिर घूमने लगता है, रोगी का किसी काम में मन नहीं लगता। उसमें शारीरिक काम करने की क्षमता नहीं रहती और रोगी अनिद्रा का शिकार रहता है।

इस रोग का घरेलू उपचार भी संभव है, जरूरत है संयमपूर्वक नियम पालन की।

- तीन ग्राम मेथीदाना पावडर सुबह-शाम पानी के साथ लें। इसे पंद्रह दिनों तक लेने से लाभ मालूम होता है। यह डायबिटीज में भी लाभकारी है।
- गेहूँ व चने के आटे को बराबर मात्रा में लेकर बनाई गई रोटी खूब चबा-चबाकर खाएँ, आटे से चोकर न निकालें।
- तरबूज के बीज की गिरि तथा खसखस अलग-अलग पीसकर बराबर मात्रा में मिलाकर रख लें। एक चम्मच मात्रा में प्रतिदिन खाली पेट पानी के साथ लें।
- नियमित रूप से छाछ दिन में भोजन के बाद जरूर लें।
- हाई ब्लडप्रेशर के मरीजों के लिए पपीता भी बहुत लाभ करता है, इसे प्रतिदिन खाली पेट चबा-चबाकर खाएँ।
- 21 तुलसी के पत्ते तथा सिलबट्टे पर पीसकर एक गिलास दही में मिलाकर सेवन करने से हाई ब्लडप्रेशर में लाभ होता है।
- पाँच तुलसी के पत्ते तथा दो नीम की पत्तियों को पीसकर 20 ग्राम पानी में घोलकर खाली पेट सुबह पिएँ। 15 दिन में लाभ नजर आने लगेगा।
- तुलसी का रस एक या दो चम्मच पानी में मिलाकर खाली पेट सेवन करें। इसके एक घंटे बाद तक कुछ भी न खाएँ।
- ठंडे पानी से नहाने के बजाय गुनगुने पानी से नहाएँ, साथ ही अधिक नमक व अधिक चीनी का इस्तेमाल हानिकारक है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ)
बुद्धि व धन का दुरुपयोग न करें। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भातृपक्ष में विरोध की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय न गंवाकर काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को ह)
यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-2-3-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति सामान्य रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-4-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-8-9

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते)
मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पाएँगे। परामर्श आदि सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू)
दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेगी। उतावलेपन से बचें। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। किसी को हानि पहुंचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-1-2-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। स्वादिष्ट भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। शुभांक-1-4-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कुछ तनाव हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-5-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। यात्रा सुखद रहेगी। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 2018

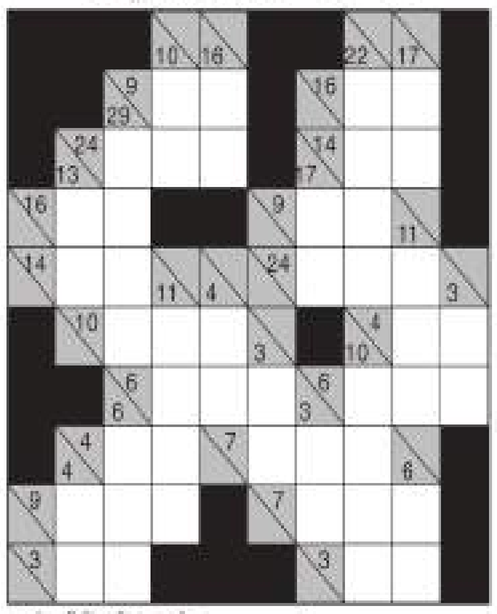

खाली वर्गो में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आगे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

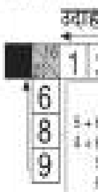

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 2017 का हल

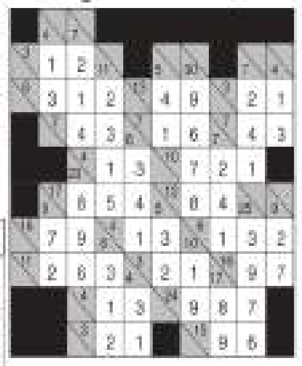

लॉफिंग जोन

एक चोर अदालत में अपनी गवाही देने खुद ही खड़ा हो गया। वहाँ खड़ा होकर जब वह अनाप-शनाप बकने लगा तो न्यायाधिश ने झुँझलाकर कहा- तुमको तो ठीक से झूठ भी नहीं बोलना आता।

चोर- तो मैं क्या करूँ महोदय।

न्यायाधिश- तुम एक वकील को अप्वाइंट क्यों नहीं कर लेते। ताकि तुम आसानी से झूठ बोल सको।

□ □ □

ब्यूटी-क्लीनिक पहुँची एक महिला डॉक्टर से बोली- मेरे चेहरे को और सुंदर बनाने के लिए क्या फीस लगेगी?

डॉक्टर साहब (गंभीर होकर बोले)- पाँच हजार पाँच सौ रुपए।

निराश होकर महिला बोली- इससे सस्ता कोई उपाय नहीं है क्या? सुझाइए न!

डॉक्टर साहब ने सलाह दी- इससे सस्ता उपाय भी है...। आप बस घूँघट काढ़ना शुरू कर दीजिए।

□ □ □

प्रेमी (प्रेमिका से)- क्या तुम जानती हो, संगीत में इतनी शक्ति है कि उससे पानी भी गरम हो सकता है।

प्रेमिका- हाँ हाँ क्यों नहीं! तुम्हारा गाना सुन कर मेरा खून खौल सकता है, तो फिर पानी क्यों नहीं?

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 2018

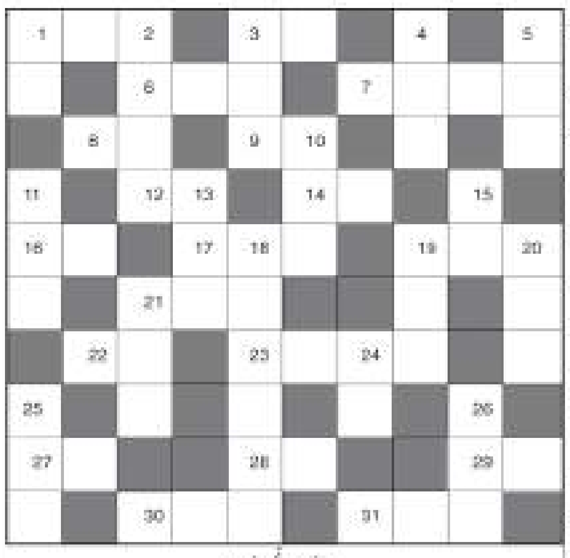

बायें से दायें:-

१. राजेश खन्ना, डिम्पल की 'दुनिया में कितना गम है' गीत वाली फिल्म-३
३. बॉबी, काजोल, मीनाक्षी की 'दुनिया हसीनों का' गीत वाली फिल्म-२
६. अनिल, मीनाक्षी की 'सौ सवालों का जवाब' गीत वाली फिल्म-३
७. 'यूं हसरतों के दाग' गज़ल वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
८. अनिल, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
९. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
१२. राजेश खन्ना को फिल्म जगत में किस नाम से जाना जाता है?-३
१४. फिल्म 'कॉफी हाउस' में नायिका कौन थी?-२
१६. 'आजकल पाँव जमीं' गीत वाली विनोद मेहरा, रेखा की फिल्म-२
१७. राजेश, ऋषि, पूनम की 'रंग चला बहार चली' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'मेरा रंग दे बसंती' गीत वाली मनोज कुमार, प्रेम चोपड़ा की फिल्म-३
२१. जैकी, मनीषा की 'लड़की जो जाए बाजार में' गीत वाली फिल्म-३
२२. भारतीय सिनेमा की 'वीनस' मधुबाला की अंतिम फिल्म-२
२३. 'सर से सरक गई' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२७. अमिताभ, अमृता की 'दिल धू मेरी' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'आँधी' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२९. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२
३०. सनी, डिम्पल की 'भूरी भूरी आँखों वाला' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'तुम्हारा है मेरा खुदा' गीत वाली अनिल, माधुरी की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली फिल्म-२
२. धर्मेन्द्र, नसीर, आदित्य, सोनू वालिया, पाखी, एकता की फिल्म-४
३. आमिरखान, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
४. 'गोरी कैंचली सी हसीना का' गीत वाली अक्षय, करिश्मा की फिल्म-३
५. 'बदन में चाँदनी' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'तूने बेचैन इतना ज्यादा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जब दिल से दिल' गीत वाली दिलीप, संजीव कुमार, वैजयंती की फिल्म-३
१३. धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
१५. फिल्म 'हम है राही प्यार के' में नायिका कौन थी-२
१८. 'क्या लिखूं कैसे लिखूं' गीत वाली फिल्म-२,४
१९. फिल्म 'कश्मीर की कली' में नायिका कौन थी-२
२०. जीतेंद्र, राजेश खन्ना, नंदा की 'किस लिए मैंने' गीत वाली फिल्म-१,२
२१. 'कई सदियों से' गीत वाली शत्रुघ्न, रीना राय की फिल्म-३
२४. अनिल, माधुरी की 'खुशियों का दिन आया है' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'कोई हमदम न रहा' गीत वाली फिल्म-३
२६. सलमान, संजय, शिल्पा की 'ओ बाबा ओ बाबा' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 2017

सूडोकु - 2018

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2017 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली - 2018

बाएँ से दाएँ

1. राजा का पुत्र-5
4. मन को हरने वाला-4
7. काल,समय,पीरियड-2
8. खोदना-3
9. मोटा आटा-2
10. पशु,मवेशी-4
11. जलापूर्ति का साधन-2
13. पुत्र,बेटा-3
14. क्षार,खारा-2
15. दर,मूल्य-3
17. नौका-2
19. नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22. लालन-पालन-5
25. अच्छा,भला-2
26. पूर्ण करना-3
28. गोष्ठी,सम्मेलन-2
29. हुनरमंद-3
30. पिता का भाई -2
32. कुरूपता-4
34. इसाई साध्वी -2
36. टेंशन,परेशानी-3
37. खुजली -2
38. अशक्त,निर्बल-4
39. नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे

1. झगड़ा, बैर,द्वेष-2
2. सद्कुल,अच्छे कुल का-3
3. रख-संभाल-2,3
4. विचार करना-3
5. प्रत्येक-2
6. परंपरा,धर्मविधी-4
7. आवास, गाविखाना-5
10. संपत्ति-4
12. भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16. भालू-बंदर नचाने वाला-3
17. माँ की माँ-2
18. भय,खौफ-2
20. वेग,गति-3
21. मुंह,चेहरा-2
22. पैर,ओहदा-2
23. वर्धनशील,बढ़नेवाला-4
24. शकरगंजी,कंद-5
25. सभागार,सभाकक्ष-5
26. भयंकर,खतरनाक-4
27. मोड़-2
31. कायर,डरपोक-3
33. तीन घंटे का समय,प्रहर-3
35. भीगा हुआ-2
37. नौकरानी-2

शब्द पहेली -2017 का हल

सनी लियोनी

और उनके पति

डेनियल वेबर

पर धोखाधड़ी का आरोप, केरल हाईकोर्ट के जज ने कहा- एक्ट्रेस के खिलाफ...

सनी लियोनी (Sunny Leone) के खिलाफ पिछले 3 साल धोखाधड़ी का मामला केरल हाईकोर्ट में चल रहा है. सनी के साथ दो अन्य लोगों के खिलाफ मामला चल रहा है. इस मामले में केरल हाईकोर्ट के एक जज ने अपने गुरुवार को कहा कि ऐसा लगता है कि सनी के खिलाफ कोई आपराधिक मामला नहीं बनता है. जज ने यह भी कहा कि एक्ट्रेस को बेवजह परेशान किया गया है. अब इस मामले की सुनवाई 31 मार्च को होगी. सनी लियोनी के खिलाफ कोच्चि के पेरुंबवूर के रहने वाले एम शियास ने मामला दायर किया था.याचिकाकर्ता एम शियास ने आरोप लगाया था कि सनी लियोनी, उनके पति डेनियल वेबर और उनके मैनेजर सुनील रजनी ने उन्हें धोखा दिया और एक इवेंट के मामले हुए कॉन्ट्रैक्ट का पालन नहीं किया था. सनी लियोनी ने भी एक याचिका दायर कर कोर्ट को बताया था कि उनके मैनेजर ने 30 लाख लिए थे और एम शियास को उनके द्वारा तय तारीखें दीं लेकिन कार्यक्रम के आयोजकों ने कई बार तारीखें बदलीं.

सनी लियोनी ने आगे कहा कि यह कार्यक्रम फरवरी 2019 में केरल में उनकी वेकेशन के दौरान तय किया गया था. लेकिन याचिकाकर्ता एम शियास ने कहा कि एडवांस पेमेंट लेने के बावजूद सनी इस कार्यक्रम में पहुंचने में विफल रहीं थी. याचिकाकर्ता ने आगे कहा कि केरल में बाढ़ सहित कई कारणों से शो की तारीखें और समय कई बार बदले गए.

सनी लियोनी और उनके पति के खिलाफ ये धाराएं

याचिकाकर्ता ने कहा कि यह कार्यक्रम मूल रूप से कोझिकोड में होने वाला था और बाद में लोकेशन को कन्नूर, तिरुवनंतपुरम और आखिर में चेन्नई के लिए तय किया गया था. सनी लियोनी, उनके पति और उनके मैनेजर पर भारतीय दंड संहिता की धारा 406, 420 और 34 का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया है.

पैसे वापसी करने को तैयार थीं सनी लियोनी

पूछताछ के दौरान सनी लियोनी ने कहा कि वह कार्यक्रम में शामिल होने या पैसे वापस करने को तैयार थीं लेकिन आयोजकों के ढुलमुल रवैये की वजह से प्रक्रिया या फैसला लेने में देरी हुई. सनी ने केरल हाईकोर्ट में दायर अपनी अग्रिम जमानत भी वापस ले ली है.

काजोल

के हीरो पर कभी फिदा थीं रवीना टंडन-पूजा भट्ट,फैमिली का हुआ ट्रैजिक END, फ्लॉफ एक्टर की टूटी 21 साल की शादी

21 अक्टूबर, 1970 को जन्में कमल सदाना (Kamal Sadanah) मशहूर फिल्म मेकर ब्रिज सदाना (Brij Sadanah) और एक्ट्रेस सईदा खान (Sayeeda Khan) के बेटे हैं. कमल ने 1992 में काजोल के अपोजिट फिल्म 'बेखुदी' (Bekhudi) से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था. 1993 में दिव्या भारती के साथ उनकी आई फिल्म 'रंग' को जबरदस्त सक्सेस मिली थी लेकिन इस फिल्म के बाद कमल का बॉलीवुड करियर उस मुकाम तक नहीं पहुंचा जिसकी उम्मीद थी. आपको बता दें कि निर्देशक राहुल रवैल (Rahul Rawail) ने जब कमल सदाना इंडस्ट्री में लॉन्च किया तो उनमें लोगों को एक उभरता हुआ सितारा दिखा था. उनकी एक्टिंग और लुक्स देख हर किसी को विश्वास था कि ये एक्टर आगे चलकर इंडस्ट्री में खूब नाम कमाएगा.हालांकि ठीक इसके उलट आज कमल सदाना के बारे में बहुत कम लोग ही जानते हैं. हालांकि आपको जानकर दुख होगा कि कमल ने अपनी लाइफ में काफी कुछ सहा है. उनकी फैमिली का भी ट्रैजिक एंड हुआ था. दुर्भाग्य है कि यह ट्रैजिक एंड उनके जन्मदिन के दिन ही हुआ था. जिसे वह आज तक भूला नहीं पाए. एक झटके में उनकी पूरी फैमिली तबाह हो गई, उनके मां-बाप और बहन ने हमेशा के लिए इस दुनिया को अलविदा कर दिया था. उन दिनों कमल 20 साल के थे.

फैमिली का हुआ ट्रैजिक एंड

कहा जाता है कि 21 अक्टूबर, 1990 के दिन जब कमल अपने घर अपने जन्मदिन की तैयारी कर रहे थे. तभी एक कमरे में गोलियों की आवाजें आईं, कमल दौड़कर कमरे गए तो देखा कि उनके पिता ब्रिज सदाना अंधाधुन गोलियां चला रहे थे. उनकी गोली से उनकी मां सईदा खान और बहन नम्रता की मौत हो गई थी. जब पिता ने कमल को देखा तो उनपर गोली चलाई लेकिन वो उनकी गर्दन को छूकर निकल गई और वह बाल-बाल बच गए. सभी को घायल और मारने के बाद अंत में उनके पिता ने ने खुद को गोली मारकर ली.

अमिताभ कर रहे थे 'खुदा गवाह' की शूटिंग, तेजी ने प्रोड्यूसर को धमकाया, बोलीं-अगर जया ने सफेद साड़ी पहनी तो..

अमिताभ बच्चन (Amitabh Bachchan) और श्रीदेवी (Sridevi) स्टारर फिल्म 'खुदा गवाह' (Khuda Gawah) बहुत सफल रही थी. फिल्म की शूटिंग अफगानिस्तान में की गई थी और वहां के लोग अमिताभ बच्चन के जबरदस्त फैन थे. हालांकि संगीनों के साए में फिल्म की शूटिंग करने का रिस्क लिया गया था, जिससे अमिताभ की मां तेजी बच्चन और श्रीदेवी की मां राजेश्वरी आयंगर अपने बच्चों की सलामती को लेकर बेहद घबराई हुई थीं. दोनों ने तो प्रोड्यूसर को खूब धमकाया भी था. इस फिल्म की मेकिंग की कहानी बड़ी ही दिलचस्प रही.मुकुल एस आनंद के निर्देशन में बनी 'खुदा गवाह' के प्रोड्यूसर मनोज देसाई थे. फिल्म के प्रोड्यूसर मनोज ने बीबीसी को दिए इंटरव्यू में बताया था कि 'उस वक्त अफगानिस्तान में गृहयुद्ध चल रहा था. खुदा गवाह फिल्म यूनिट की सुरक्षा के लिए 5 टैंक आगे और 5 टैंक पीछे चलते थे. अमिताभ बच्चन की लोकप्रियता का आलम ये था कि सुरक्षा के इंतजाम की जरूरत महसूस नहीं होती थी. एक भारतीय सितारे के लिए सत्ता-विद्रोही-मुजाहिदीन सब एक हो गए थे. ' लेकिन मांओं को कौन समझाए, उन्हें तो बस अपने बच्चों की चिंता सता रही थी.

अमिताभ-श्रीदेवी की मां ने कहा था बच्चों को कुछ हुआ तो तू भी मत आना

बॉलीवुड हंगामा को दिए एक इंटरव्यू में मनोज देसाई ने खुलासा किया था कि अमिताभ बच्चन की मां तेजी बच्चन ने चेतावनी देते हुए कहा था कि अगर अमित को कुछ भी होता है और अगर जया ने सफेद साड़ी पहनी तो तेरी वाइफ कल्पना भी सफेद साड़ी पहनेगी. तू इधर आना ही नहीं वापिस. यही नहीं श्रीदेवी की मां ने भी धमकाया था कि 'मनोज भाई अगर श्री को कुछ हुआ तो काबुल से वापस मत आना, मैं इधर तुम्हारा खून करवा दूंगी'. हालांकि अफगानिस्तान ने एक्टर्स का भव्य स्वागत किया गया था.

अमिताभ को गोद में उठा कर ले गए

अफगानिस्तान के दिनों को याद करते हुए खुद अमिताभ बच्चन भी लिख चुके हैं कि 'राष्ट्रपति नजीबुल्लाह हिंदी फिल्मों के बहुत बड़े फैन थे, वो मुझसे मिलना चाहते थे और हमें शाही तरीके से रखा गया. हमें होटल में नहीं रहने दिया जाता था. एक फैमिली ने हमारे लिए अपना घर खाली कर दिया था. जब हम वहां पहुंचे तो कबीले के नेता हमें गोद में उठाकर अंदर ले गए क्योंकि उनकी परंपरा थी कि मेहमान के पैर जमीन पर नहीं पड़ने चाहिए, काबुल में हमें बहुत तोहफे मिले'.

फिजूल बातों से तंग हुए अजय देवगन, कुछ नहीं कर पाने का है मलाल, बेटी न्यासा के चलते स्थिति हुई पेचीदा?

अजय देवगन (Ajay Devgn) और काजोल (Kajol) की बेटी न्यासा देवगन (Nysa Devgan) भले ही अभी बॉलीवुड में कदम नहीं रखा है लेकिन उनकी पॉपुलैरिटी किसी एक्ट्रेस से कम नहीं है. वह कभी अपने ग्लैमरस लुक को खबरों में छाई रहती हैं तो कभी बोल्ड लुक की वजह से ट्रोल होती रहती हैं. बेटी को ट्रोल किए जाने पर अजय देवगन ने अब करारा जवाब दिया है.

हाल ही में, अजय ने अपने बच्चों के आसपास सोशल मीडिया की नेगेटिव बातें किए जाने पर बात की और बताया कि एक पिता के रूप में वह इससे कैसे निपटते हैं. अजय ने कहा, आपको उन्हें लगातार समझाना होगा कि वे ऑनलाइन जो पढ़ते हैं, उससे उन्हें परेशान नहीं होना चाहिए. आपके दर्शकों में ट्रोल्स की संख्या बहुत कम है. मुझे नहीं पता कि इस तरह की फिजूल बातें कैसे होती हैं. हालांकि मैंने इसे नजरअंदाज करना सीख लिया है और अपने बच्चों से भी ऐसा करने को कहता रहता हूं. मुझे यह भी समझ नहीं आता कि ऐसे लोग कभी-कभी क्या अनाप सनाप लिखते रहते हैं.न्यासा और युग पर लगातार स्पॉटलाइट के बारे में बोलते हुए, अजय ने कहा, यह मुझे बहुत परेशान करता है क्योंकि आप इसे बदल नहीं सकते. आप वास्तव में नहीं जानते कि क्या करना है क्योंकि कई बार कुछ ऐसी बातें भी लिखी जाती हैं जो सच भी नहीं होतीं. लेकिन अगर आप प्रतिक्रिया करते हैं, तो वे गुणा करते हैं इसलिए यह एक पेचीदा स्थिति है.

यह पूछे जाने पर कि क्या न्यासा और युग उनकी तरह बॉलीवुड में डेब्यू करने की प्लानिंग कर रहे हैं? अजय ने कहा, मेरे बेटे युग ने अब उन्हें देखना शुरू कर दिया है. मेरी बेटी न्यासा हमारी फिल्में नहीं देखती. उसे देखने में कोई दिलचस्पी नहीं है, कम से कम अभी तो नहीं. बता दें कि सिंगापुर में अपनी उच्च शिक्षा पूरी करने के बाद, न्यासा अभी स्विट्जरलैंड पढ़ाई कर रही है.

ब्याज दरों में वृद्धि से सस्ते घर की बिक्री 15 फीसदी घटी, छोटे खरीदारों का हौसला पस्त

मुंबई। पिछले साल से लगातार बढ़ रही ब्याज दरों ने छोटे घर खरीदारों का हौसला पस्त कर दिया है। जबकि महंगे घर खरीदने वालों पर इसका कोई असर नहीं हुआ है। एसबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी- फरवरी, 2023 में सभी शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंक (एएससीबी) की ओर से 30 लाख रुपये तक के नए दिए गए होम लोन का हिस्सा कुल कर्ज में घटकर 45 फीसदी हो गया है। जून तिमाही में यह हिस्सा 60 फीसदी का था। रिपोर्ट के अनुसार, 50 लाख रुपये से ज्यादा वाले होम लोन का हिस्सा

चालू वित्त वर्ष में 15 फीसदी से बढ़कर 25 फीसदी हो गया है। इससे यह पता चलता है कि कम कमाई वाले लोगों पर ब्याज दरों के बढ़ने का ज्यादा असर हुआ है जो सस्ते घर खरीदते हैं। मई, 2022 से फरवरी, 2023 के बीच छह बार में आरबीआई ने रेपो दर में 2.50 फीसदी इजाफा किया है। अप्रैल, 2022 से जनवरी, 2023 के बीच 1.80 लाख करोड़ रुपये के हाउसिंग लोन बैंकों ने बांटे। 2021-2022 में इसी दौरान 1.40 लाख करोड़ रुपये के कर्ज दिए गए थे। करीब 55 लाख होम लोन के खाते एक्सटर्नल बेंचमार्क लिंक्ड लेंडिंग रेट्स (ईबीएलआर) से जुड़े हैं। होम लोन को अक्तूबर, 2019 में रेपो दर से जोड़ दिया गया था। रेपो दर में 2.50 फीसदी की वृद्धि से खुदरा ग्राहकों की किस्त के ब्याज में सालाना 16ख का इजाफा होगा। आरबीआई के फैसले से होम लोन ग्राहकों के ब्याज में 20,000 करोड़ रुपये की बढ़त हो सकती है। केवल 8.2 लाख ही ऐसे होम लोन ग्राहक हैं, जो कर्ज का अग्रिम भुगतान (प्री-पेमेंट) कर सकते हैं।

वाहनों की स्क्रैपिंग के लिए कोई आयु सीमा तय नहीं, परिवहन मंत्रालय ने कही ये बात

मुंबई। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने कहा कि वाहन कबाड़ नीति के तहत वाहनों को कबाड़ में बदलने के लिए कोई अनिवार्य आयु सीमा निर्धारित नहीं की गई है। परिवहन मंत्रालय ने यह बात ट्रैक्टरों की स्क्रैप आयु 10 वर्ष होने की खबरें आने के बाद कही है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि कृषि ट्रैक्टर एक गैर-परिवहन वाहन है और शुरू में 15 साल के लिए पंजीकृत किया जाता है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि 15 साल की प्रारंभिक पंजीकरण अवधि पूरी होने के बाद इसके पंजीकरण को एक बार में पांच साल के लिए नवीनीकृत किया जा सकता है। मंत्रालय ने कहा, '15 साल बाद ट्रैक्टरों को अनिवार्य रूप से कबाड़ में बदलने के संबंध में ट्विटर और व्हाट्सएप सहित मीडिया के एक निश्चित वर्ग में प्रसारित खबरें पूरी तरह से गलत, निराधार और बिना किसी सच्चाई के हैं।

बजाज ऑटो के मुखिया ने मुंबई के मालाबार हिल में खरीदा आलीशान घर

मुंबई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में भले ही रियल एस्टेट की कीमतें आसमान छू रही हों, पर इसका क्रेज कम होता नहीं दिख रहा है। बड़े-बड़े फिल्मी सितारे और उद्योगपति सपनों की नगरी मुंबई में आशियाने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर रहे हैं। रियल एस्टेट से जुड़े सूत्रों के अनुसार हाल ही में उद्योगपति नीरज बजाज ने मुंबई में 252 करोड़ रुपये की खरीदारी की है। खबरों के अनुसार एक ट्रिपलेक्स फ्लैट के लिए यह डील लोढ़ा ग्रुप से जुड़े मैक्रोटेक डेवलपर्स के साथ हुई है। जानकारों के अनुसार यह देश में अब तक की सबसे महंगी डील है। यह फ्लैट दक्षिण मुंबई के आलीशान मालाबार हिल इलाके में स्थित बिल्डिंग है। यह फ्लैट 18 हजार स्क्वायर फुट का है। इसमें आठ पार्किंग स्लॉट हैं। यह फ्लैट बिल्डिंग के 29, 30 और 31वें फ्लोर पर है।

एक होम सर्च पोर्टल के अनुसार इस प्रॉपर्टी का रजिस्ट्रेशन 13 मार्च 2013 को हुआ है और इसके लिए 15.15 करोड़ रुपये स्टॉम्प ड्यूटी के रूप में भुगतान किया गया है। बता दें कि हार्वर्ड बिजनेस स्कूल से ग्रेजुएट नीरज फिलहाल बजाज ऑटो के चेयरमैन हैं। इसके अलावे वे बजाज अलायंस लाइफ इंश्योरेंस और बजाज अलायंस जनरल इंश्योरेंस जैसी कंपनियों के बोर्ड में भी निदेशक के रूप में शामिल हैं। बजाज समूह की स्थापना जमनालाल बजाज ने की थी, जिन्होंने 1926 में समूह की स्थापना की थी। आज, यह दोपहिया, वित्तीय सेवाओं और विद्युत उपकरणों जैसे क्षेत्रों में 40 कंपनियों का एक समूह है। पिछले महीने वेलस्पन ग्रुप के चेयरमैन बीके गोयनका ने 230 करोड़ रुपये में एक पेंटहाउस खरीदा था। यह अपार्टमेंट वर्ली में स्थित है।

जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण गठित करने की तैयारी में सरकार

प्रत्येक राज्य में 4 सदस्यीय जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण के गठन का प्रस्ताव

नई दिल्ली। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) विवाद का अब जल्द निपटारा हो सकेगा। सरकार जीएसटी संबंधी विवाद समाधान प्रक्रिया को कारगर बनाने और इसमें तेजी लाने लिए प्रत्येक राज्य में चार सदस्यीय अपीलीय न्यायाधिकरण स्थापित करने वाली है।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि जीएसटी विवाद समाधान प्रक्रिया को कारगर बनाने के लिए प्रत्येक राज्य में चार सदस्यीय अपीलीय न्यायाधिकरण स्थापित करने का प्रस्ताव है। इस अपीलीय न्यायाधिकरण में दो तकनीकी सदस्य (केंद्र और राज्यों से एक-एक अधिकारी) और दो न्यायिक सदस्य होंगे। प्रस्तावित दो सदस्यों वाली यह खंडपीठ एक तकनीकी

और एक न्यायिक अपीलों पर फैसला करेगी। जानकारी के मुताबिक प्रस्तावित प्रत्येक राज्य अपीलीय न्यायाधिकरण में दो खंडपीठ होंगी, जो ज्यादा अपीलों से निपटने में सक्षम होंगी। इसके अलावा एक राष्ट्रीय अपीलीय न्यायाधिकरण का भी गठित होगा, जिसे राजधानी दिल्ली में स्थापित किया जाएगा। इसमें एक न्यायिक सदस्य और एक तकनीकी सदस्य शामिल होंगे।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद की पिछली बैठक में अपीलीय न्यायाधिकरण के गठन को मंजूरी दी गई थी। इसके संबंध में राज्यों की टिप्पणियां आ गई है। केंद्र और राज्य के कर अधिकारियों के बीच इस पर आगे चर्चा होगी। उसके बाद जीएसटी कानून में संशोधन को संसद की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा।

स्टेट बैंक ने कर्ज पर ब्याज दर 0.70 फीसदी बढ़ाया, नई दरें लागू

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने अपने ग्राहकों को बड़ा झटका दिया है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक एसबीआई ने बेंचमार्क प्राइम लेंडिंग रेट (बीपीएलआर) और बेस रेट में 0.70 फीसदी की बढ़ोतरी की है। बैंक की नई दरें बुधवार से लागू हो गई हैं। स्टेट बैंक की वेबसाइट के मुताबिक बैंक ने 15 मार्च से बीपीएलआर में 0.70 फीसदी की बढ़ोतरी की है, जो मौजूदा 14.15 फीसदी से बढ़कर 14.85 फीसदी हो गया है। इस बढ़ोतरी के बाद बैंक का मौजूदा बेस रेट भी 9.40 फीसदी से बढ़कर 10.10

फीसदी पर पहुंच गया है। एसबीआई ने इससे पहले 15 दिसंबर, 2022 को अपनी बीपीएलआर और बेस रेट में इजाफा किया था। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक एसबीआई के बीपीएलआर और बेस रेट में बढ़ोतरी का सीधा असर पुराने ग्राहकों की जेब पर पड़ेगा। इससे कर्ज महंगा हो जाएगा और लोन की ईएमआई बढ़ जाएगी। हालांकि, स्टेट बैंक ने धन आधारित उधार दर की सीमांत लागत (एमसीएलआर) में कोई बदलाव नहीं किया है। एसबीआई ने पिछली बार 15 फरवरी को एमसीएलआर दरों में 0.10 फीसदी की बढ़ोतरी की थी।आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई।

दो दिन की तेजी के बाद सोने में मामूली कमजोरी, चांदी उछली

नई दिल्ली। लगातार दो दिन की जोरदार तेजी के बाद भारतीय सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट का रुख बना। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन सोने की कीमत में गुरुवार को 104 रुपये प्रति 10 ग्राम की नरमी दर्ज की गई। दूसरी ओर चांदी में गुरुवार को मामूली तेजी का रुख बनता नजर आया। हालांकि, बाजार में बने निगेटिव सेंटिमेंट की वजह से चांदी की कीमत में ज्यादा उछाल नहीं आ सका।

पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को सोना का आखिरी बंद भाव 57,605 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा था। गुरुवार को के कारोबार में इस चमकीली धातु में 100 रुपये से अधिक की नरमी आई। अलग-अलग श्रेणियों में सोने ने गुरुवार को 104 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 61 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की कमजोरी दर्ज की। दूसरी ओर, चांदी गुरुवार को के कारोबार में 188 रुपये प्रति किलोग्राम उछल गया। इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक घरेलू सर्राफा बाजार में गुरुवार को कारोबारी सोना यानी 24 कैरेट (999) सोने की औसत कीमत 104 रुपये की नरमी के साथ गिर कर 57,501 रुपये प्रति 10 ग्राम (अस्थाई) हो गई। इसी तरह 23 कैरेट (995) सोने की कीमत 103 रुपये की कमजोरी के साथ 57,271 रुपये प्रति 10 ग्राम (अस्थाई) हो गई।

जेवराती यानी 22 कैरेट (916) सोने की कीमत में गुरुवार को 96 रुपये प्रति 10 ग्राम की गिरावट दर्ज की गई। इसके साथ ही 22 कैरेट सोना 52,670 रुपये प्रति 10 ग्राम (अस्थाई) के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा 18 कैरेट (750) सोने की कीमत गुरुवार को प्रति 10 ग्राम 79 रुपये लुढ़क कर 43,125 रुपये प्रति 10 ग्राम (अस्थाई) के स्तर पर पहुंच गई। 14 कैरेट (585) सोना गुरुवार को 61 रुपये सस्ता होकर 33,638 रुपये प्रति 10 ग्राम (अस्थाई) के स्तर पर पहुंच गया। सोने के विपरीत गुरुवार को चांदी की कीमत में तेजी का रुख नजर आया। गुरुवार को के कारोबार में चांदी (999) की कीमत में 188 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़त दर्ज की गई। गुरुवार को की मजबूती के कारण इस चमकीली धातु की कीमत मंगलवार के आखिरी बंद भाव 66,176 रुपये प्रति किलोग्राम से उछल कर 66,364 रुपये प्रति किलोग्राम (अस्थाई) के स्तर पर आ गई।

मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि वैश्विक हालात की वजह से फिलहाल कुछ दिनों तक सर्राफा बाजार में उतार चढ़ाव की स्थिति बनी रही सकती है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था में बैंकिंग सेक्टर को जिस तरह का जोरदार झटका लगा है, उससे निवेशकों के बीच डर का माहौल बन गया है। जानकारों का कहना है कि फिलहाल वैश्विक अर्थव्यवस्था में जिस तरह की अनिश्चितता बनी हुई है, उसमें खुदरा निवेशकों के लिए काफी खतरा बना हुआ है।

होंडा ने लॉन्च की सबसे सस्ती बाइक, शुरुआती कीमत 64,900 रुपये

नई दिल्ली। दिग्गज दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने अपनी सबसे सस्ती बाइक लॉन्च कर दी है। कंपनी ने हीरो स्प्लेंडर को टक्कर देने के लिए 100सीसी मोटरसाइकिल को भारतीय बाजार में उतारा है जिसे होंडा शाइन 100 नाम दिया गया है। होंड ने जारी बयान में बताया कि इस बाइक की एक्स-शोरूम कीमत 64,900 रुपये रखी गई है। यह बाइक कंपनी की पॉपुलर होंडा शाइन 125सीसी का छोटा वर्जन है। इसकी बुकिंग 15 मार्च से शुरू हो गई है। इस बाइक की डिलीवरी मई, 2023 में शुरू होगी। ये पांच कलर में उपलब्ध होंगी। शाइन 100 में बिल्कुल नया एयर-

कूल्ड, 99.7सीसी, सिंगल-सिलेंडर इंजन दिया गया है। होंडा का दावा है कि नया फ्यूल-इंजेक्टेड 100सीसी इंजन बेहतर माइलेज देने में सक्षम है। रिपेयरिंग के काम को आसान बनाने के लिए इसमें इंजन के बाहर एक फ्यूल पंप दिया है। इसके साथ ही इस बाइक में एक सोलनॉइड स्टार्टर भी दिया गया है, जो किसी भी तापमान में बाइक स्टार्ट करने में मदद करता है। होंडा की ये बाइक देश में सबसे ज्यादा बिकने वाली हीरो स्प्लेंडर, एचएफ डिलक्स और बजाज प्लेटिना को टक्कर देगी।

भारत में टेक विजार्ड बढ़ाएगी तोशिबा प्रिंटर का कारोबार

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय कंपनी तोशिबा के प्रिंटर कारोबार को टेक विजार्ड बढ़ाएगी। नई दिल्ली में टेक विजार्ड (टी डब्ल्यू) और तोशिबा सिंगापुर के प्रिंटर उत्पाद को लेकर समझौता हुआ है। करार के मुताबिक टेक विजार्ड कंपनी अब तोशिबा के कारोबार को भारतीय प्रतिनिधि के तौर आगे बढ़ाएगी। टेक विजार्ड के एमडी आशीष शुक्ला ने आज नई दिल्ली में आयोजित एक प्रेसवार्ता में बताया कि टेक विजार्ड ने गुरुग्राम में वर्ष 2015 में एक स्टार्ट अप के तौर पर शुरुआत किया था। आज कंपनी 2,000 से अधिक ग्राहकों को सेवा दे रही है। इसी क्रम में टेक विजार्ड पूरे देश में तोशिबा प्रिंटिंग उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला सरकार, नौकरीपेशा, स्कूल, एसएमबी और बड़े कॉर्पोरेट सहित सभी प्रकार के ग्राहकों की मांगों को पूरा करने के लिए आक्रामक तरीके से बाजार में बढ़त बनाने की तैयारी कर रही है। तोशिबा के सभी उत्पादों में इसके सभी मॉडलों में पेन ड्राइव/यूएसबी से प्रिंट के अलावा अन्य हाई-टेक विशेषताएं हैं, जो अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ हैं। इसके अलावा, इन मॉडलों में टोनर की गुणवत्ता दूसरे कंपनी के प्रिंटर की तुलना में बहुत अधिक उपयोगी होती है जो उन्हें सभी उपयोगकर्ताओं के लिए आदर्श बनाती हैं। टीडब्ल्यू तोशिबा के बिजनेस हेड अंजन श्रीवास्तव ने इस अवसर पर कहा कि पूरे भारत में टेक विजार्ड अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के साथ तोशिबा के कारोबार को अगले 2 वर्षों में दो अंकों की बाजार हिस्सेदारी हासिल करने के लिए तैयारी कर रही है। उन्होंने बताया कि टेक विजार्ड के पास समर्पित 200 चैनल भागीदारों के माध्यम से अगले 2 वर्षों के भीतर सभी टियर 2/3 में विस्तार करने की मजबूत योजना है। पिछले 2 महीनों के भीतर कंपनी ने पूरे देश में 30 डीलर नियुक्त किए हैं, जो आने वाले वर्षों में टेक विजार्ड के साथ व्यापार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बिजनेस हेड अंजन श्रीवास्तव ने बताया कि इसके साथ ही हम अपने ग्राहकों के लिए टी डब्ल्यू के मोबाइल ऐप पेश करने जा रहे हैं, जिससे ऑर्डर करना और इन्वॉइस बनाना आसान होगा।

लगातार 5वें दिन गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निफ्टी ने 17 हजार के स्तर को तोड़ा

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार ने लगातार पांचवें कारोबारी दिन गिरावट के साथ लाल निशान में कामकाज का अंत किया। शेयर बाजार ने गुरुवार को अच्छी शुरुआत की थी। कारोबार शुरू होते ही बाजार में जोरदार खरीदारी का रुख भी बना लेकिन थोड़ी देर बाद ही बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से शेयर बाजार के दोनों सूचकांक लगातार नीचे गिरते गए। इसके पहले सोमवार और भी शेयर बाजार ने शुरुआत बढ़त के साथ की थी लेकिन बिकवाली के दबाव की वजह से अंत लाल निशान में गिरकर किया था।

बाजार में गुरुवार को हुई हलचल के कारण सेंसेक्स ने ऊपरी स्तर से 1,017.96 अंक और निफ्टी ने ऊपरी स्तर से 272.45 अंक तक का गोता लगाया। हालांकि आखिरी वक्त में हुई मामूली खरीदारी की वजह से इन दोनों सूचकांकों ने थोड़ी रिकवरी भी की। दिन भर की खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स 0.59 प्रतिशत और निफ्टी 0.42 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। गुरुवार को के कारोबार में निफ्टी 17 हजार अंक के स्तर से भी नीचे लुढ़क गया। गुरुवार को दिन भर के कारोबार के दौरान रियल्टी और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में जोरदार बिकवाली होती रही। इसी तरह ऑटोमोबाइल, एफएमसीजी और आईटी सेक्टर के शेयर भी दबाव में कारोबार

करते रहे। दूसरी ओर फार्मास्यूटिकल, मेटल, एनर्जी और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज के शेयर बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ, वहीं स्मॉल कैप इंडेक्स ने 0.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ गुरुवार को के कारोबार का अंत किया। गुरुवार को के कारोबार में हुई बिकवाली की वजह से शेयर बाजार के निवेशकों को एक ही दिन में करीब 52 हजार करोड़ रुपये का चूना लग गया। स्टॉक एक्सचेंज से मिले आंकड़ों के मुताबिक बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैपिटलाइजेशन) गुरुवार को के कारोबार के बाद घट कर 255.87 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) के स्तर पर पहुंच गया। पिछले कारोबारी दिन यानी कारोबार खत्म होने के बाद इन कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन 256.39 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह बीएसई में लिस्टेड कंपनियों के मार्केट कैप में या दूसरे शब्दों में कहा जाए तो निवेशकों के टोटल वेल्थ में गुरुवार को 52 हजार करोड़ रुपये की कमी आ गई। दिन भर हुई खरीद बिक्री के दौरान बीएसई में 3,643 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,556 शेयर गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं 1,964 शेयरों में गिरावट का रुख बना रहा, जबकि 123 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के सपाट स्तर पर बंद हुए। दूसरी ओर एनएसई में गुरुवार को 2,019 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 875 शेयर मुनाफा कमाकर हरे निशान में बंद हुए, जबकि 1,144 शेयर नुकसान उठाकर उठाकर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 9 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में और 21 शेयर बिकवाली के दबाव के कारण लाल निशान में बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 20 शेयर हरे निशान में और 30 शेयर लाल निशान में बंद हुए। पॉजिटिव ग्लोबल माहौल के कारण बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के सेंसेक्स ने भी गुरुवार को मजबूती के साथ कारोबार की शुरुआत की। ये सूचकांक 368.35 अंक उछलकर 58,268.54 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही तेज लिवाली के सपोर्ट से सेंसेक्स 573.44 अंक की मजबूती के साथ गुरुवार को के सर्वोच्च स्तर 58,473.63 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिससे ये सूचकांक तेजी से अपनी बढ़त खोने लगा। बीच में खरीदारों ने कई बार लिवाली का जोर बनाकर बाजार को सहारा देने की कोशिश भी की लेकिन बिकवाली के दबाव के कारण इस सूचकांक की चाल में ज्यादा सुधार नहीं हो सका।

देश का निर्यात फरवरी में 8.8 फीसदी घटकर 33.88 अरब डॉलर

नई दिल्ली। देश का निर्यात फरवरी महीने में 8.8 फीसदी घटकर 33.8 अरब डॉलर रहा है। इस दौरान आयात 8.21 फीसदी घटकर 51.31 अरब डॉलर रह गया है। फरवरी महीने में देश का व्यापार घाटा 17.43 अरब डॉलर रहा है। देश के निर्यात में लगातार तीसरे महीने गिरावट दर्ज हुई है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय से जारी आंकड़ों के मुताबिक देश का निर्यात फरवरी में 8.8 फीसदी घटकर 33.8 अरब डॉलर रहा है, जो पिछले साल की इसी अवधि में 37.15 अरब डॉलर रहा था।

आयात भी 8.21 फीसदी घटकर 51.31 अरब डॉलर रह गया, जो पिछले साल इसी महीने में 55.9 अरब डॉलर रहा था। आंकड़ों के मुताबिक फरवरी महीने में देश का व्यापार घाटा 17.43 अरब डॉलर रहा है, जबकि जनवरी में यह 17.76 अरब डॉलर रहा था। पिछले साल फरवरी, 2022 में भारत का व्यापार घाटा 18.75 अरब डॉलर रहा था।

मंत्रालय के मुताबिक वित्त वर्ष 2022-23 में अप्रैल-फरवरी के दौरान देश का कुल वस्तु निर्यात 7.5 फीसदी बढ़कर 405.94 अरब डॉलर रहा। इस दौरान आयात भी 18.82 फीसदी बढ़कर 653.47 अरब डॉलर पर पहुंच गया है।

दूसरे साल भी भारत ने चीन को पछाड़ा, 2022 में देश में बने 23 यूनिकॉर्न, 18 फीसदी की वृद्धि

नई दिल्ली। भारत ने 2022 में 23 यूनिकॉर्न जोड़कर चीन को लगातार दूसरी बार पीछे छोड़ दिया है। चीन ने इसी दौरान केवल 11 यूनिकॉर्न बनाए हैं। आईवीसीए-बैन एंड कंपनी की जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है भारत में ऐसे यूनिकॉर्न की संख्या 96 हो गई है। हालांकि, इस वर्ष की संख्या 2021 में बनाए गए 44 यूनिकॉर्न की तुलना में आधी है। उस वर्ष कुल 73 यूनिकॉर्न देश में थे। रिपोर्ट के अनुसार, 23 यूनिकॉर्न में से नौ शीर्ष 3 महानगरों के बाहर के शहरों से निकले हैं। इसका मतलब है कि गैर-महानगरों में स्टार्टअप की कुल फंडिंग में 18 फीसदी की वृद्धि हुई है। इस साल भी कई निवेशकों ने अपना सबसे बड़ा फंड भारत केंद्रित स्टार्टअप से जुटाया है। वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2022 में देश में वेंचर कैपिटल निवेश (वीसी) में बढ़ोतरी देखी गई, क्योंकि वृहद आर्थिक अनिश्चितता और मंदी की आशंकाओं ने निवेश की गति को प्रभावित किया। देश में 2021 में स्टार्टअप के सौदों का मूल्य 38.5 अरब डॉलर था जो 2022 में घटकर 25.7 अरब डॉलर रह गया। सौदों में ज्यादा गिरावट दूसरी छमाही यानी अक्तूबर से मार्च के दौरान देखी गई। सरकार अगले वित्त वर्ष में बाजार से 15.43 लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखी है। यह कुल उधारी का करीब 55 से 58ख होगा। चालू वित्त वर्ष में 14.21 लाख करोड़ जुटाने का लक्ष्य था। दो सरकारी अधिकारियों ने बताया कि इस पर अंतिम निर्णय 27 मार्च को भारतीय रिजर्व बैंक के साथ बैठक में लिया जाएगा। सरकार हालांकि इस दौरान कोई 20 या 50 साल वाले बॉन्ड्स को लॉन्च नहीं करेगी क्योंकि पहले के बॉन्ड्स से कोई खास प्रतिक्रिया नहीं मिली है। इस साल सरकार 160 अरब रुपये हरित बॉन्ड्स से जुटाई है। सरकार इस महीने के अंत तक नई पंचवर्षीय विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) जारी कर सकती है।

रक्षा मंत्रियों के बीच बातचीत, रूस ने अमेरिका पर लगाया जासूसी का आरोप

उकसावे की कार्रवाई पर हम देंगे उचित जवाब : रूसी रक्षा मंत्री

मॉस्को/ वाशिंगटन। काला सागर क्षेत्र में अमेरिकी ड्रोन गिराए जाने की घटना के बाद रूस और अमेरिका के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। रूस और अमेरिका के सेना प्रमुखों के बीच बातचीत के बाद दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों के बीच भी बातचीत हुई है। इस दौरान रूस ने अमेरिका पर जासूसी का आरोप लगाया है।

हाल ही में काला सागर के ऊपर उड़ान भर रहे अमेरिका के सैन्य टोही ड्रोन रीपर की रूस के लड़ाकू विमान एसयू-27 से टक्कर हो गई थी। टक्कर के बाद ड्रोन काला सागर में गिर गया। रूस के लड़ाकू विमान द्वारा पीछा कर सैन्य ड्रोन गिराए जाने का आरोप लगाकर अमेरिका ने कड़ी आपत्ति जताई थी और रूस के राजदूत को तलब कर नाराजगी जाहिर की थी। रूस में अमेरिका के राजदूत ने भी इसे लेकर नाराजगी जाहिर की। रूस का कहना है कि यह एक दुर्घटना थी और ड्रोन को गिराने के लिए किसी हथियार का इस्तेमाल नहीं किया गया था। इस घटना के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। रूस के सेना प्रमुख वालेरी गारस्मिोव और अमेरिका के सेना प्रमुख मार्क माइली के बीच इस मुद्दे पर बातचीत हुई है। इसके बाद रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई सोइगु ने

अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन के बीच फोन पर बातचीत हुई। बातचीत के दौरान रूस के रक्षा मंत्री ने कहा कि अमेरिका द्वारा रूस की जासूसी की जा रही है, जिसके चलते ड्रोन वाली घटना हुई। रूसी रक्षा मंत्री ने कहा कि अगर भविष्य में अमेरिका ने कोई उकसावे की कार्रवाई की तो रूस भी उसका 'उचित जवाब' देगा। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका के रणनीतिक ड्रोन का क्रीमिया के तट पर उड़ान भरना उकसावे की कार्रवाई है। इससे दोनों देशों के बीच काला सागर इलाके में लड़ाई के हालात बन सकते हैं। रूस अभी ऐसी उकसावे की कार्रवाई में नहीं पड़ना चाहता लेकिन अगर यह जारी रहा तो इसका उसी अनुपात में जवाब दिया जाएगा।

इस बीच अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने बयान जारी कर कहा कि जहां-जहां अंतरराष्ट्रीय कानून उड़ान की इजाजत देते हैं, वहां अमेरिका अपने एयरक्राफ्ट उड़ाता रहेगा। यह रूस के ऊपर है कि वह अपने एयरक्राफ्ट को सुरक्षित और सही तरीके से संचालित करे। ड्रोन गिराने की घटना को अमेरिका ने रूस की लापरवाही और गलत रवैया करार दिया है। अमेरिका के सेना प्रमुख मार्क माइली ने कहा कि पेंटागन घटना के वीडियो का विश्लेषण कर रहा है और यह पता लगाने की कोशिश कर रहा है कि असर में हुआ क्या था वे जानते हैं कि जानबूझकर हमारे ड्रोन को इंटरसेप्ट किया गया। यह जानबूझकर उग्र तरीके से किया गया और यह बेहद गलत और असुरक्षित है।

नेपाल के प्रधानमंत्री प्रचंड का ट्विटर अकाउंट हैक

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री कार्यालय का आधिकारिक ट्विटर अकाउंट हैक कर लिया गया है। इस ट्विटर अकाउंट से कुछ अप्रासंगिक विषयों को रीट्वीट किया गया है। इस अकाउंट से तीन अलग-अलग समय पर तीन अलग-अलग और अप्रासंगिक रीट्वीट हुए। प्रधानमंत्री के प्रेस समन्वयक सूर्य किरण शर्मा ने कहा कि ट्विटर अकाउंट में आ रही समस्या के समाधान के लिए अध्ययन किया जा रहा है। नेपाल के प्रधानमंत्री कार्यालय के प्रवक्ता महादेव पंथ ने बताया कि इस बारे में जानकारी ली जा रही है, इसके बारे में बाद में विस्तार से बताया जाएगा। हाल ही में नेपाल में सरकारी एजेंसियों के डिजिटल दस्तावेजों के असुरक्षित होने का मुद्दा उठाया जा रहा है। फरवरी में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा की पत्नी एवं नेपाली कांग्रेस की सांसद डॉ. आरजु राणा देउबा ने साइबर सुरक्षा पर सवाल उठाया था। कुछ दिन पहले सुरक्षा एजेंसी के एक जनरल का जीमेल अकाउंट हैक कर लिया गया था।

न्यूजीलैंड में भूकंप के तेज झटके

वेलिंग्टन। न्यूजीलैंड में गुरुवार को भूकंप के तीव्र झटके महसूस किए गए। भूकंपीय गतिविधि पर नजर रखने वाली संस्था यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक केरमाडेक द्वीप समूह में 7.1 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। भूकंप से हुए नुकसान की जानकारी भूकंप समुद्र में आया है इसलिए विशेषज्ञों का मानना है कि भूकंप के एपिक सेंटर से तीन सौ किमी के दायरे में सुनामी आने का खतरा है। प्रशासन की तरफ से संभावित इलाकों में अलर्ट जारी कर दिया गया है। गौरतलब है कि 6 फरवरी को तुर्किये और सीरिया में 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था जिसने व्यापक पैमाने पर तबाही मचाई थी। इस भूकंप ने करीब 50 हजार लोगों की जान ले ली।

ब्रिटेन और जर्मनी के लड़ाकू विमानों ने एस्तोनिया के पास रूसी विमान को रोका

लंदन। रूस और यूक्रेन के पास आसमान में टकराव को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच ब्रिटिश और जर्मन वायुसेना के लड़ाकू विमानों को एस्तोनियाई हवाई क्षेत्र के करीब उड़ान भरने वाले एक रूसी विमान को खदेड़ने के लिए रवाना किया गया। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी।

रूस के जवाब में ब्रिटेन और जर्मनी अपने पूर्वी किनारे को मजबूत करने के नाटो प्रयासों के तहत एस्तोनिया में संयुक्त हवाई पुलिसिंग अभियान में हिस्सा ले रहे थे। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि रूस के एयर-टू-एयर ईंधन भरने वाला एक विमान एस्तोनियाई हवाई यातायात नियंत्रण के साथ संवाद करने में विफल रहा, जिसके बाद टाइफून जेट विमानों ने मंगलवार को जवाब दिया। नाटो के एक सदस्य देश ने कहा कि रूसी विमान नाटो के सदस्य एस्तोनिया के हवाई क्षेत्र में प्रवेश नहीं कर पाया। ब्रिटेन और जर्मन विमान अप्रैल के अंत तक नाटो बाल्टिक हवाई पुलिसिंग अभियान के तहत एक साथ गश्त कर रहे हैं।

मेडागास्कर से प्रवासियों को लेकर जा रही नाव पलटी, 34 मरे

अंतानानारिवो। मेडागास्कर के अधिकारियों ने बताया कि प्रवासियों को लेकर जा रही एक नौका हिंद महासागर में पलट गई है। इस घटना के कारण अब तक 34 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि इस नौका पर 58 यात्री सवार थे, जो

बिना वैध अनुमति के मयोटे की ओर जा रहे थे। समुद्री प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि अप्रवासियों को ले कर जा रही नौका शनिवार देर रात को मेडागास्कर के उत्तर-पश्चिमी तट के पास डूब गई थी। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हादसे में जान गंवाने वाले लोग एंबिलोब, तमतावे और माजुंगा के निवासी थे।

एरिक गार्सेटी का नामांकन: दो साल बाद भारत में अमेरिकी राजदूत की नियुक्ति

वाशिंगटन। लॉस एंजिल्स के पूर्व मेयर एरिक गार्सेटी के भारत में अमेरिका के नए राजदूत के रूप में नामांकन पर अमेरिकी सीनेट की मंजूरी से दो साल बाद भारत में अमेरिकी राजदूत की नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया है। जनवरी 2021 में केनेथ जस्टर के इस्तीफे के बाद से भारत में अमेरिकी राजदूत का पद रिक्त चल रहा था।

अमेरिका में जो बाइडन के राष्ट्रपति बनने के बाद जनवरी 2021 में भारत में अमेरिका के तत्कालीन राजदूत केनेथ जस्टर ने इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद जुलाई 2021 में राष्ट्रपति जो बाइडन ने भारत में राजदूत पद पर एरिक गार्सेटी की नियुक्ति का एलान किया था। उस समय उनके नामांकन को संसद में वोटिंग के लिए नहीं लाया गया था, क्योंकि संसद में सत्ताधारी डेमोक्रेटिक पार्टी के पास पर्याप्त समर्थन नहीं था।

पिछले हफ्ते ही, अमेरिकी सीनेट की विदेश मामलों की समिति ने भारत में राजदूत के लिए एरिक गार्सेटी के नामांकन को मंजूरी दी थी और इसे सीनेट के पास मंजूरी के लिए भेज दिया था। समिति ने 13-8 के वोटों से उनके नामांकन को मंजूरी दी थी। विदेश मामलों की समिति में शामिल डेमोक्रेट के सभी सदस्यों के साथ-साथ रिपब्लिकन सीनेटर टॉड यंग और बिल हेर्टी ने भी एरिक गार्सेटी के पक्ष में मतदान किया था। अब सीनेट ने भी एरिक गार्सेटी के नामांकन को मंजूरी दे दी है। सीनेट में उनके नामांकन के पक्ष में 52 और विपक्ष

में 42 सांसदों ने मतदान किया।

यूएस सीनेट से अपने नामांकन को मंजूरी मिलने के बाद एरिक गार्सेटी ने प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने एक बयान में कहा कि वह आज के नतीजे से काफी खुश है, जो लंबे समय से खाली पड़े महत्वपूर्ण पद को भरने के लिए जरूरी था। उन्होंने कहा कि वे राष्ट्रपति जो बाइडन और व्हाइट हाउस के आभारी हैं। वे भारत में अमेरिका के महत्वपूर्ण हितों का प्रतिनिधित्व करने वाली अपनी सेवा शुरू करने के लिए तैयार और उत्सुक हूं। लॉस एंजिल्स में चार फरवरी 1971 को जन्मे एरिक एक अच्छे फोटोग्राफर, जैज पियानिस्ट और कंपोजर हैं। वह अमेरिकी नेवी के रिजर्व इंफॉर्मेशन डोमिनेंस कॉर्प्स में लेफ्टिनेंट रह चुके हैं। 2013 में पहली बार उन्होंने लॉस एंजिल्स के मेयर का चुनाव लड़ा था और जीत हासिल की थी। 2017 में दोबारा मेयर बने। इसके पहले 2006 से 2012 तक वह लॉस एंजिल्स सिटी काउंसिल के प्रेसिडेंट भी रह चुके हैं। एरिक का विवादों से भी नाता रहा है। एरिक गार्सेटी के करीबी रिक जैकब्स पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगे थे। आरोप है कि मेयर पद रहने के दौरान एरिक ने इस मामले को नजरअंदाज किया था। इसी आरोप के चलते एरिक गार्सेटी की नियुक्ति नहीं हो पा रही थी। विपक्षी पार्टी रिपब्लिकन पार्टी के साथ ही कुछ डेमोक्रेट सांसद भी एरिक गार्सेटी की दावेदारी का विरोध कर रहे थे।

एरिक गार्सेटी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के करीबी माने जाते हैं। वे बाइडन के चुनावी अभियान के सह अध्यक्ष रहे हैं। आज भी राष्ट्रपति के सबसे करीबी और अहम राजनीतिक साथी हैं। माना गया था कि वह बाइडेन की कैबिनेट में शामिल हो सकते हैं। लेकिन रिक जैकब्स विवाद के सामने आने के बाद उनका यह मौका खत्म हो गया।

मरियम औरंगजेब का दावा, इमरान खान की गिरफ्तारी रोकने के लिए गिलगित-बाल्टिस्तान बल का हो रहा इस्तेमाल

लंदन। पाकिस्तान की सूचना मंत्री मरियम औरंगजेब ने बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी रोकने के लिए पंजाब पुलिस के खिलाफ 'गिलगित-बाल्टिस्तान बल' का इस्तेमाल किया जा रहा है। पाकिस्तानी मीडिया की एक रिपोर्ट के

अनुसार, मरियम औरंगजेब ने कहा कि पंजाब पुलिस पर हमला करने के लिए एक 'गिलगित-बाल्टिस्तान बल' का इस्तेमाल किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि इस अभियान के दौरान कानून प्रवर्तन अधिकारी निहत्थे थे। औरंगजेब के बयान को सही ठहराते हुए पाकिस्तान सरकार ने गिलगित-बाल्टिस्तान के पुलिस महानिरीक्षक मुहम्मद सईद का तबादला कर दिया। बता दें कि गिलगित-बाल्टिस्तान की सत्ता पर इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पर काबिज है। मरियम औरंगजेब ने आगे इमरान खान पर देश में अशांति और अराजकता फैलाने का भी आरोप लगाया। दावा किया कि खान ने पुलिस के साथ झड़प में महिलाओं और बच्चों को मानव ढाल के रूप में इस्तेमाल किया। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर प्रधानमंत्री रहते उन्हें मिले उपहारों को तोशखाना से कम दाम पर खरीदने और मुनाफे के लिए बेचने के आरोप हैं। साल 1974 में स्थापित तोशखाना कैबिनेट डिवीजन के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक विभाग है और अन्य सरकारों और राज्यों के प्रमुखों एवं विदेशी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा शासकों, सांसदों, नौकरशाहों और अधिकारियों को दिए गए कीमती उपहारों को संग्रहीत करता है। इस मामले में फिलहाल लाहौर उच्च न्यायालय ने इमरान की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। पुलिस को आदेश दिया कि वह तोशाखाना मामले में इमरान खान को गिरफ्तार करने के लिए लाहौर में जमान पार्क स्थित उनके आवास के बाहर अपने अभियान को रोक दे।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की फजीहत, पालतू कुत्ते को बिना चेन पार्क में घुमाया

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति की पालतू कुत्ते की वजह से फजीहत हुई है। वे सेंट्रल लंदन के हाइड पार्क में अपने कुत्ते को बिना चेन के घुमा रहे थे, जबकि पार्क में साफ संकेत है कि वन्यजीवों को टहलाने के लिए उन्हें चेन से बांधना जरूरी है। पुलिस ने उन्हें जब इस तरह कुत्ते को घुमाते देखा तो प्रधानमंत्री को नियमों की याद दिलाई। अमेरिका में बर्फीले तूफान ने कहर मचाया। इससे अमेरिका के उत्तर-पूर्व के कुछ हिस्सों में भारी तबाही हुई है। इससे इससे 74,700 से अधिक घरों की बिजली गुल है। तूफान से न्यूयॉर्क, उत्तर पूर्वी पेंसिल्वेनिया व उत्तरी न्यू जर्सी शहर प्रभावित हुआ है। इसके अलावा उत्तरी न्यूयॉर्क और कैटस्किल पर्वत के कुछ हिस्सों में लगभग दो फीट तक बर्फ जमी है।

दक्षिण कोरिया व अमेरिका के संयुक्त सैन्य अभ्यास के बीच उत्तर कोरिया ने फिर दागी लंबी दूरी की मिसाइल

प्योंगयांग / सियोल। दक्षिण कोरिया व अमेरिका के बीच चल रहा संयुक्त सैन्य अभ्यास उत्तर कोरिया को बर्दाश्त नहीं हो रहा है। उत्तर कोरिया लगातार मिसाइल दागकर इस सैन्य अभ्यास को लेकर विरोध दर्ज करा रहा है। गुरुवार सुबह एक बार फिर उत्तर कोरिया ने लंबी दूरी की अंतरमहाद्वीपीय बैलेस्टिक मिसाइल दाग कर दक्षिण कोरिया को चुनौती दी है।

दक्षिण कोरिया व अमेरिका की सेनाएं इस समय संयुक्त सैन्य अभ्यास कर रही हैं। 13 मार्च से शुरू यह सैन्य अभ्यास 23 मार्च तक चलेगा। उत्तर कोरिया इस संयुक्त सैन्य अभ्यास का विरोध कर रहा है। यही कारण है कि सैन्य अभ्यास शुरू होने के बाद से उत्तर कोरिया लगातार मिसाइल दाग कर

अपनी ताकत दिखा रहा है। सैन्य अभ्यास शुरू होने के तुरंत बाद उत्तर कोरिया ने दो क्रूज मिसाइलें दागी थीं। इसके बाद दो छोटी दूरी की मिसाइल दागकर उत्तर कोरिया ने चुनौती दी थी। अब गुरुवार सुबह उत्तर कोरिया ने एक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल दागी।

दक्षिण कोरिया की सेना के मुताबिक स्थानीय समयानुसार सुबह 7:10 बजे प्योंगयांग से बैलिस्टिक मिसाइल दागे जाने के बाद कोरियाई प्रायद्वीप के पूर्वी समुद्री जल क्षेत्र की ओर उड़ी। जापानी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि मिसाइल जापान के द्वीप से 250 किमी दूर गिरी। इससे पहले इसने लगभग 70 मिनट तक 6,000 किमी से अधिक की ऊंचाई पर लगभग 1,000 किलोमीटर तक उड़ान भरी।

दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा कि मिसाइल दागने की घटना संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों के खिलाफ है। साथ ही चेतावनी दी है कि उत्तर कोरिया को इस उकसावे की कीमत चुकानी पड़ेगी। दक्षिण कोरिया ने जापान और अमेरिका के साथ मजबूत सुरक्षा सहयोग का आह्वान भी किया है। माना जा रहा है कि जापान और दक्षिण कोरिया मिसाइल परीक्षण के बाद यूएन सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाने की मांग कर सकते हैं। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति युन सुक योल जापान के दौरे पर जा रहे हैं। वह टोक्यो में एक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। इसके अलावा उत्तर कोरिया और अन्य चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए बेहतर सहयोग पर चर्चा करेंगे।

टेररिज्म इंडेक्स रिपोर्ट: अफगानिस्तान सर्वाधिक आतंक प्रभावित, मौतें पाकिस्तान में ज्यादा

कैनबरा। दुनिया में अफगानिस्तान सर्वाधिक आतंक प्रभावित देश है किन्तु आतंकवाद के कारण हुई मौतें अफगानिस्तान से ज्यादा पाकिस्तान में हुई हैं। ऑस्ट्रेलिया स्थित इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस की वार्षिक ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि अफ्रीकी देश बुर्किना फासो में वर्ष 2022 में सर्वाधिक लोग आतंक का शिकार होकर मारे गए हैं।वर्ष 2022 में दुनिया भर में आतंकवाद की स्थितियों का आकलन कर वर्ष 2023 की ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स रिपोर्ट जारी की गयी है। इस रिपोर्ट के मुताबिक आतंकवाद प्रभावित देशों में अफगानिस्तान पहले स्थान पर है। बुर्किना फासो दूसरे, सोमालिया तीसरे, माली चौथे और सीरिया पांचवें स्थान पर है। पाकिस्तान आतंकवाद प्रभावित देशों की सूची में छठे स्थान पर है, किन्तु आतंकवादी घटनाओं में मारे गए लोगों की संख्या वहां अफगानिस्तान से

RANK	REGION	SCORE
1	Afghanistan	8.822
2	Burkina Faso	8.564
3	Somalia	8.463
4	Mali	8.412
5	Syria	8.161
6	Pakistan	8.16

ज्यादा और वैश्विक स्तर पर दूसरे स्थान पर है। पाकिस्तान में वर्ष 2022 में आतंकी घटनाओं में 643 लोगों की मौत हुई, जो बीते साल की 292 मौतों के मुकाबले करीब 120 फीसदी ज्यादा है। पाकिस्तान में आतंकी घटनाओं में मरने वाले लोगों में 55 फीसदी सेना या पुलिस के जवान हैं। रिपोर्ट के अनुसार, साल 2007 से 2022 तक पाकिस्तान में आतंकी हमलों में 14,920 लोगों की मौत हुई है।ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स की रिपोर्ट में अफगानिस्तान को सबसे ज्यादा आतंकवाद प्रभावित देश तो बताया गया है किन्तु अफगानिस्तान में आतंकी घटनाओं से होने वाली मौतों में 58 फीसदी कमी होने की बात कही गयी है। अफगानिस्तान में वर्ष 2022 में आतंकी घटनाओं में 633 लोगों की मौत हुई, जबकि 2021 में यह आंकड़ा 1499 था। रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में इस्लामिक स्टेट खोरासान सबसे सक्रिय आतंकी संगठन के रूप में उभरा है। अफगानिस्तान में इस आतंकी संगठन ने 2022 में 422 लोगों की हत्याएं की। आतंकी घटनाओं से होने वाली मौत के मामले में अफ्रीकी देश बुर्किना फासो पहले स्थान पर है, जहां 2022 में आतंकी घटनाओं में 1135 लोगों की मौत हुई। बुर्किना फासो में ऐसी ही घटनाओं में 2021 में 759 लोगों की मौत हुई थी।

चीन से पहले भारत होगी नेपाल के प्रधानमंत्री प्रचंड की विदेश यात्रा

काठमांडू। पुष्प कमल दहल प्रचंड तीसरी बार नेपाल के प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने अपनी पहली विदेश यात्रा में भारत को प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री के करीबी सूत्रों के मुताबिक वे अप्रैल की शुरुआत में भारत जाने की तैयारी कर रहे हैं।

वर्ष 2008 में पहली बार जब पुष्प कमल दहल प्रचंड प्रधानमंत्री बने तो प्रचंड ने चीन से अपनी पहली विदेश यात्रा शुरू की। नेपाल के सभी प्रधानमंत्रियों की भारत से अपनी पहली विदेश यात्रा शुरू करने की परंपरा को तोड़ते हुए, उन्होंने चीन की अपनी पहली विदेश यात्रा कर परंपरा को तोड़ा। तब ऐसे विश्लेषण थे कि प्रचंड ने भारत की बजाय चीन के साथ संबंधों को तरजीह दी। लेकिन वर्ष 2016 में जब प्रचंड दूसरी बार प्रधानमंत्री बने, तो उन्होंने दो महीने से भी कम समय में भारत का दौरा किया। उन्होंने उस समय भारत को प्राथमिकता

में रखते हुए अपना पहला विदेश दौरा किया था। अब जब प्रचंड तीसरी बार प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने अपनी पहली विदेश यात्रा में भारत को प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री के करीबी सूत्रों के मुताबिक वे अप्रैल की शुरुआत में भारत जाने की तैयारी कर रहे हैं। उपराष्ट्रपति का चुनाव 17 मार्च को समाप्त होने के बाद मंत्रिमंडल विस्तार और भारत दौरे का होमवर्क तेज हो गया है।

प्रधानमंत्री बनने के तीन महीने में प्रचंड को विदेशों में विभिन्न सम्मेलनों में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया, लेकिन वे नहीं गए। वे चीन के हेनान प्रांत में 28 से 31 मार्च तक होने वाले बोआओ सम्मेलन में भी हिस्सा नहीं लेंगे। नेपाल में चीन के राजदूत चैन सॉन्ग ने 22 फरवरी को प्रचंड से मुलाकात की थी

वर्ष 2008 में पहली बार जब पुष्प कमल दहल प्रचंड प्रधानमंत्री बने तो प्रचंड ने चीन से अपनी पहली विदेश यात्रा शुरू की।

और उन्हें बोआओ फोरम फॉर एशिया में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया था।

भारत में नेपाल के राजदूत डॉ. शंकर शर्मा ने प्रचंड की भारत यात्रा की तैयारी के लिए नेपाल आए और 15 मार्च को नई दिल्ली लौट गए। विश्वस्त सूत्रों के मुताबिक प्रचंड ने विदेश मंत्रालय से राजदूत शर्मा को अपनी पहली भारत यात्रा की तैयारी के निर्देश दिए हैं।

ब्रिस्बेन में भारतीय दूतावास को खालिस्तानी समर्थकों ने कराया बंद, हिंदुओं के खिलाफ लहराए पोस्टर

ब्रिस्बेन। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज द्वारा देश में भारत विरोधी तत्वों पर अंकुश लगाने के आश्वासन के कुछ दिनों बाद ब्रिस्बेन में भारतीय वाणिज्य दूतावास को खालिस्तान समर्थकों ने बंद करने के लिए मजबूर किया। द ऑस्ट्रेलिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिस्बेन के टारिंगा उपनगर में स्वान रोड पर स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास में अभद्र नारेबाजी की और हिंदुओं को सर्वोच्चतावादी लिखे पोस्टर लहराए। क्वींसलैंड पुलिस ने कहा कि यह एक अनधिकृत भीड़ थी। हिंदू मानवाधिकार की निदेशक सारा एल गेट्स ने द ऑस्ट्रेलिया टुडे को बताया कि सिख फॉर जस्टिस ने अपने प्रचार के साथ उन्हें निशाना बनाने के बाद सुरक्षा चिंताओं के कारण आज भारतीय वाणिज्य दूतावास को बंद करने के लिए मजबूर किया। गेट्स ने कहा कि वे खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लगा रहे थे। उन्होंने कहा कि इलाके में भारी पुलिस बल मौजूद है। बता दें कि हाल ही में भारत यात्रा पर आए ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑस्ट्रेलिया में खालिस्तानी संगठनों द्वारा की गई गड़बड़ी पर चर्चा की थी, जिसमें अल्बनीज ने शांति बरतने के सभी उपाय करने का आश्वासन दिया था।

खालिस्तानियों के निशाने पर भारतीय संस्थान

ऑस्ट्रेलिया में भारत की कॉन्सुलेट अर्चना सिंह को घटनास्थल से एक खालिस्तानी झंडा मिला था। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना क्वींसलैंड पुलिस को दी। अर्चना सिंह ने बताया कि हमें पुलिस और अधिकारियों पर पूरा भरोसा है। एक अन्य पत्रकार ने कहा कि अब तक भारतीय मूल के ऑस्ट्रेलियाई लोगों पर हमले हो रहे थे, लेकिन अब खालिस्तानी समर्थक भारत सरकार से संबंधित संस्थानों को भी निशाना बना रहे हैं।

इंडियन वेल्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंची आर्यना सबालेंका, कोको गॉफ से होगा सामना

नई दिल्ली। बेलारुस की स्टार टेनिस खिलाड़ी और ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन आर्यना सबालेंका ने इंडियन वेल्स ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। सबालेंका ने प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में बारबोरा क्रेजिकोवा को 6-3, 2-6, 6-4 से हराकर अंतिम आठ में प्रवेश किया। बता दें कि बारबोरा ने पिछले महीने दुबई में क्वार्टर फाइनल में सबालेंका को हराकर टूर्नामेंट में उनके सफर को खत्म किया था। जीत के बाद सबालेंका ने कहा, बारबोरा के खिलाफ मैच हमेशा कठिन होता है। उसने अविश्वसनीय टेनिस खेला, मैं इस जीत से बहुत खुश हूं। अंतिम आठ में सबालेंका का सामना गुरुवार को छठी वरीयता प्राप्त अमेरिका की कोको गॉफ से होगा। गॉफ ने स्वीडिश क्वालीफायर रेबेका पीटरसन को 6-3, 1-6, 6-4 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई है। 19 साल की हुई गॉफ ने कहा, खेलने के लिहाज से जाहिर है कि अगले मैच के लिए मैं काफी चीजों में सुधार कर सकती हूं। परिस्थितियों को देखते हुए मैं अपने प्रदर्शन से खुश हूं।

टेबल टॉपर लाहौर कलंदर्स को मिली शर्मनाक हार, किरोन पोलार्ड ने जमकर पीटा

लाहौर। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पाकिस्तान सुपर लीग के तहत खेले गए अहम मुकाबले में टेबल टॉपर चल रही लाहौर कलंदर्स को मुलतान सुल्तान के हाथों शर्मनाक हार झेलनी पड़ी। 161 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लाहौर के टॉप 6 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाए। इससे पहले मुलतान की ओर से किरोन पोलार्ड ने 34 गेंदों में एक चौके और छह छक्कों की मदद से 57 रन बनाकर स्कोर 160 तक पहुंचाया था। जवाब में लाहौर की टीम 76 रन पर ही लुढ़क गई। मुलतान इसी तरह लाहौर को हटाकर टेबल टॉपर बन गई है। उन्होंने 11 में से सात मुकाबले जीते है लेकिन नेट रन रेट से वह आगे हो गई है। इससे पहले मुलतान सुल्तान की ओर से उसमान खान ने कप्तान मोहम्मद रिजवान के साथ मिलकर टीम को सधी हुई शुरुआत दी थी। पाकिस्तान सुपर लीग में सबसे तेज शतक लगाने वाले उसमान आज के मैच में 28 गेंदों पर महज 29 रन ही बना पाए। रिजवान ने भी 29 गेंदों में 33 रनों का योगदान दिया। रिले रोसौव 14 तो टिम डेविड 22 ने ऑलराउंडर पोलार्ड का बखूबी साथ दिया। पोलार्ड ने 34 गेंदों में छह छक्कों की मदद से 57 रन बनाकर अपनी टीम को 160 तक पहुंचा दिया। लाहौर की ओर से हैरिस रऊफ 34 रन देकर तीन विकेट निकालने में सफल रहे।

युवा महिला खिलाड़ियों ने शिव कुमार से गोल्फ के गुर सीखे

नई दिल्ली। खेलों में महिलाओं को बढ़ावा देने के अपने निरंतर प्रयास के तहत मास्टरकार्ड ने बुधवार को आकांक्षी महिला गोल्फरों के लिये मशहूर भारतीय गोल्फर शिव कुमार के साथ एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया। मास्टरकार्ड 'गोल्फ क्लिनिक' नामक इस कार्यशाला को दिल्ली गोल्फ क्लब के विशाल गोल्फ मैदान में आयोजित किया गया जहां शिव ने 25 युवा महिला खिलाड़ियों के साथ बातचीत की और उन्हें इस खेल की व्यापक समझ दी। इन प्रतिभागियों में से पांच खिलाड़ियों को एक सोशल मीडिया कॉन्टेस्ट के माध्यम से चुना गया जिसे मास्टरकार्ड द्वारा खास तौर से आकांक्षी महिला गोल्फरों के लिये आयोजित किया गया था। मास्टरकार्ड का 'गोल्फ क्लिनिक' भारतीय खेल परितंत्र को मजबूत बनाने और युवा महिला खिलाड़ियों को गोल्फ खेलने के लिये प्रोत्साहित करने की इसकी व्यापक कोशिश का हिस्सा है। इस आयोजन के दौरान शिव ने खिलाड़ियों को सही शारीरिक मुद्रा, तकनीकों, तथा उपकरणों की जानकारी दी ताकि वे अपने खेल को बेहतर बना सकें। बाद में वह प्रतिभागियों के साथ अभ्यास ड्राइविंग रेंज में गये जहां उन्होंने गोल्फ बॉल को पट में डालने का तरीका दिखाया। अग्रणी भारतीय गोल्फर और अर्जुन पुरस्कार विजेता शिव ने कहा, ''भारत ने दुनिया को अपने कुछ बेहतरीन गोल्फर दिये हैं। मुझे मास्टरकार्ड के साथ अपना सहयोग जारी रखने और गोल्फरों की अगली पीढ़ी के साथ मिलकर काम करने पर बेहद खुशी हो रही है।

भारतीय टीम ने किया अभ्यास, कुलदीप और चहल पर रही नजर

मुंबई। कार्यवाहक कप्तान हार्दिक पंड्या सहित भारतीय क्रिकेट टीम के कई सदस्यों ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली वनडे श्रृंखला से पूर्व यहां वानखेड़े स्टेडियम में अभ्यास शुरू किया, लेकिन सभी की निगाहें कलाई के दो स्पिनरों कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल पर टिकी रही, जिनका अंतिम एकादश में जगह बनाने के लिए आलराउंडर रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर से मुकाबला है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुक्रवार से शुरू होने वाली तीन वनडे मैचों की श्रृंखला में कुलदीप और चहल अपनी गुगली, फ्लिपर और लेग ब्रेक का कमाल दिखाकर इस साल के आखिर में होने वाले विश्व कप के लिए अपना दावा मजबूत करने की कोशिश करेंगे। कुलदीप और चहल दोनों ही बल्लेबाजी करने में माहिर नहीं हैं। हालांकि बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप को टेस्ट स्तर पर बल्लेबाजी में कुछ हद तक सफलता मिली है। वाशिंगटन और जडेजा की गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों में

अच्छी पकड़ है लेकिन अगर स्पिन कौशल की बात की जाए तो कुलदीप और चहल उनसे आगे है। नियमित कप्तान रोहित शर्मा पारिवारिक प्रतिबद्धताओं के कारण मुंबई में होने वाले पहले वनडे में नहीं खेल पाएंगे और इस मैच के लिए कार्यवाहक कप्तान पंड्या उन खिलाड़ियों में शामिल थे जिन्होंने सफेद गेंद से दो घंटे से अधिक समय तक अभ्यास किया। जिन अन्य खिलाड़ियों ने अभ्यास में भाग लिया उनमें तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, जयदेव उनादकट, उमरान मलिक, शार्दुल ठाकुर तथा बल्लेबाजों में सूर्यकुमार यादव और विकेटकीपर बल्लेबाज इशान किशन शामिल थे। भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ अभ्यास सत्र में शामिल नहीं हुए लेकिन कोचिंग स्टाफ के अन्य सदस्य बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़, क्षेत्ररक्षण कोच टी दिलीप और गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे, थ्रोडाउन विशेषज्ञ राघवेंद्र और नुवान सेनेविरत्ने उपस्थित थे। बल्लेबाजी में नंबर पांच और विकेटकीपिंग की जिम्मेदारियों के लिए भारत की पहली पसंद केएल राहुल ने भी अभ्यास में भाग नहीं लिया। उन्हें नागपुर और नयी दिल्ली में खेले गए पहले दो टेस्ट मैचों के बाद अंतिम एकादश में जगह नहीं दी गई थी। श्रृंखला के लिए उप कप्तान नियुक्त किए गए पंड्या ने गेंदबाजी का अभ्यास किया। उन्होंने किशन के सामने लेग ब्रेक गेंदबाजी का भी प्रयास किया। सूर्यकुमार, किशन और पंड्या ने बल्लेबाजी का लंबे समय तक अभ्यास किया। इंदौर में तीसरे टेस्ट तक खेलने वाले सिराज ने भी स्पिनरों और तेज गेंदबाजों के सामने बल्लेबाजी में काफी समय बिताया। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने भी दोपहर बाद अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया।

अफगानिस्तान के खिलाफ टी-20 श्रृंखला के लिए उमर गुल बने पाकिस्तान के गेंदबाजी कोच

कराची। अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी तीन मैचों की टी-20 श्रृंखला के लिए अनुभवी अब्दुल रहमान को पाकिस्तान पुरुष टीम का अंतरिम मुख्य कोच नामित किया गया है, जबकि पूर्व तेज गेंदबाज उमर गुल को श्रृंखला के लिए गेंदबाजी कोच बनाया गया है। पीसीबी अध्यक्ष नजम सेठी ने ट्विटर पर इसकी घोषणा की।

हालांकि इससे पहले मोहम्मद यूसुफ को श्रृंखला के लिए अंतरिम मुख्य कोच के रूप में घोषित किया गया था, लेकिन पीसीबी ने पहले की घोषणा का खंडन करते हुए स्पष्ट किया है कि यह उनकी ओर से एक त्रुटि थी। यूसुफ बल्लेबाजी कोच के रूप में काम करना जारी रखेंगे।

पिछले साल दिसंबर में सकलैन मुश्ताक का अनुबंध समाप्त होने के बाद से पाकिस्तान बिना मुख्य कोच के है। इससे पहले मिकी आर्थर को शामिल करने का प्रयास किया गया, जो पहले पीसीबी अध्यक्ष के रूप में सेठी के पिछले कार्यकाल के दौरान मुख्य कोच के रूप में काम कर चुके थे। हालांकि, इंग्लिश काउंटी डर्बीशायर के साथ अपनी प्रतिबद्धता के कारण, वह पूर्णकालिक भूमिका के लिए अनुपलब्ध थे। पीसीबी ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि वह पाकिस्तान की पुरुष टीम के साथ क्या भूमिका निभा रहे हैं। क्लिफ डीकन और ड्रिकस सैमन ने फिजियोथेरेपिस्ट और पॉवर और कंडीशनिंग कोच के रूप में अपने अनुबंध को बरकरार रखा है। अफगानिस्तान श्रृंखला के लिए पाकिस्तान अपने कई शीर्ष खिलाड़ियों के बगैर होगी। श्रृंखला 24 मार्च से शारजाह में शुरू होने वाली है।

आईपीएल 2023 : दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी करेंगे डेविड वार्नर

रबात। मोरक्को के सुल्तान मोहम्मद षष्ठम ने घोषणा की है कि उनका देश फीफा विश्व कप 2030 की मेजबानी हासिल करने के लिए स्पेन और पुर्तगाल के साथ संयुक्त रूप से बोली लगाएगा। सुल्तान ने ने अफ्रीकी फुटबॉल परिसंघ (सीएएफ) को भेजे एक संदेश में कहा कि यह संयुक्त बोली अफ्रीका और यूरोप, उत्तरी और दक्षिणी भूमध्यसागरीय, अफ्रीकी अरब और यूरो-भूमध्यसागरीय दुनिया को एक साथ लेकर आएगी। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि यह हममें सर्वश्रेष्ठ को सामने लेकर आएगा जो कि प्रतिभा, रचनात्मकता, अनुभव और साधनों का एक वास्तविक मिश्रण होगा। यह संदेश सुल्तान ने रवांडा के किगाली में

सीएएफ आउटस्टैंडिंग अचीवमेंट अवार्ड 2022 के अवसर पर अपने संबोधन में दिया। फीफा विश्व कप की मेजबानी करने के लिए मोरक्को छठी बार बोली लगाने जा रहा है, इससे पहले वह 1994, 1998, 2006, 2010 और 2026 के लिए असफल कोशिश कर चुका है।

जून 2021 में स्पेन और पुर्तगाल इस बात की पुष्टि कर चुके हैं कि वे 2030 फीफा विश्व कप की मेजबानी के लिए संयुक्त बोली लगाएंगे।

अश्विन ने ट्विटर के मालिक Elon Musk से मांगी मदद, लिखा - हमें सही दिशा दिखाएं

नई दिल्ली। भारतीय अनुभवी स्पिन गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन जितना क्रिकेट के मैदान में एक्टिव रहते है, वह उतना ही फैंस के साथ सोशल मीडिया पर भी एक्टिव रहते हैं। अश्विन अक्सर अपने यूट्यूब, इंस्टाग्राम और ट्विटर अकाउंट के जरिए फैंस के साथ कई दिलचस्प चीजें साझा करते रहते हैं। अश्विन सबसे ज्यादा ट्विटर पर अपने दिलचस्प ट्वीट्स के साथ सुर्खियों में रहते हैं। अश्विन ने अब अपने ट्विटर अकाउंट के जरिए इस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के मालिक के लिए ही एक ट्विट किया है।ट्विटर के मालिक एलन मस्क से अश्विन ने अपने ट्विटर अकाउंट के संबंध में जानकारी मांगी है। अश्विन ने एलन से ट्वीट कर पूछा है कि वह अपने ट्विटर अकाउंट को कैसे सुरक्षित रख सकते हैं। अश्विन ने एलन मस्क से सवाल पूछते हुए ट्वीट किया, 'ओके!! मैं अब

19 मार्च से पहले अपने ट्विटर अकाउंट को कैसे सुरक्षित कर सकता हूं, मुझे पॉप अप मिलते रहते हैं लेकिन कोई भी लिंक स्पष्ट नहीं होता है। एलन मस्क मददगार कार्य करने में खुशी होती है। कृपया हमें सही दिशा दिखाएं। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैचों की टेस्ट सीरीज को 2-1 से अपने नाम किया। इस सीरीज में अश्विन ने कुल 25 विकेट चटकाए और उन्हें रविंद्र जडेजा के साथ संयुक्त रूप से प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड से नवाजा गया। अश्विन बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में अपने शानदार प्रदर्शन के चलते टेस्ट रैंकिंग में नंबर 1 गेंदबाज भी बने हैं, इससे पहले इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर थे।

राशिद लतीफ ने पीसीबी पर निकाली भड़ास, कहा- 'रेस्ट इन पीस' पाकिस्तान क्रिकेट

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) में प्रबंधन में बदलाव से देश में क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की उम्मीद जगी थी, लेकिन देश के कई पूर्व क्रिकेटरों ने नजम सेठी के नेतृत्व वाले शासी निकाय के संचालन के तरीके पर सवाल उठाए हैं।

पाकिस्तान के दिग्गज राशिद लतीफ ने पीसीबी पर अपनी भड़ास निकालते हुए पाकिस्तान क्रिकेट को अपनी श्रद्धांजलि तक दे दी और कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट को अब 'शांति से आराम' करना चाहिए। लतीफ की टिप्पणी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड द्वारा शादाब खान को अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए कप्तान घोषित करने के बाद आई है, जिसमें बाबर आजम और शाहीन शाह अफरीदी को आराम दिया गया है। लतीफ ने श्रृंखला के लिए टी20 टीम से बाबर और राशिद को बाहर करने के लिए बोर्ड पर तीखा हमला किया है।

क्रिकेट पाकिस्तान के अनुसार लतीफ ने कहा, हमारे खिलाड़ी आईसीसी रैंकिंग में शामिल हैं और लंबे समय के बाद पुरस्कार जीत रहे हैं। बाबर और शाहीन ने आईसीसी पुरस्कार जीते। वे [पीसीबी] इसे पचा नहीं पाए। जिन्होंने कभी आराम नहीं किया और 70 या 80 साल के हैं और उन्हें आराम की जरूरत है, वे अब पाकिस्तान क्रिकेट के भाग्य का फैसला कर रहे हैं।

आप कह सकते हैं कि पाकिस्तान क्रिकेट को अब शांति से आराम करना चाहिए। लतीफ ने कहा, जब आप नए खिलाड़ियों को लाते हैं, तो आप एक टीम संयोजन को तोड़ते हैं। कुछ नए खिलाड़ी, जो चुने गए हैं, अफगानिस्तान श्रृंखला में प्रदर्शन करेंगे, तो क्या वे कम स्ट्राइक रेट के साथ वरिष्ठ खिलाड़ियों को वापस लाएंगे। मीडिया भी उन पर दबाव बनाएगी।

यह पाकिस्तान टीम को तबाह करने की दिशा में पहला कदम है। टीम की घोषणा के बाद अपने फैसले की व्याख्या करते हुए, नजम सेठी ने कहा था, मैं शादाब खान को अफगानिस्तान के खिलाफ श्रृंखला के लिए पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान के रूप में नियुक्ति पर बधाई देना चाहता हूं। उन्होंने कहा, छोटे शारजाह दौरे के लिए और निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए, हमने मोहम्मद यूसुफ को अंतरिम मुख्य और बल्लेबाजी कोच के रूप में भी नियुक्त किया है। यूसुफ पिछले साल से बल्लेबाजी कोच के रूप में राष्ट्रीय टीम के साथ है और राष्ट्रीय उच्च प्रदर्शन केंद्र में भी काम कर रहे हैं। पाकिस्तान की टीम इस प्रकार है: शादाब खान (कप्तान), अब्दुल्ला शफीक, आजम खान, फहीम अशरफ, इफ्तिखार अहमद, इहसानुल्लाह, इमाद वसीम, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), मोहम्मद नवाज, मोहम्मद वसीम जूनियर, नसीम शाह, सईम अयूब, शान मसूद, तैय्यब ताहिर, जमान खान।

स्मृति मंधाना ने की युवा ऑलराउंडर कनिका आहूजा की तारीफ, कहा- वह 360 डिग्री खिलाड़ी

मुंबई। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) मैच में यूपी वारियर्स पर अपनी टीम की पांच विकेट से जीत के बाद, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की कप्तान स्मृति मंधाना ने युवा ऑलराउंडर कनिका आहूजा की सराहना की। मंधाना ने कनिका की मैच विनिंग पारी और उनके आत्मविश्वास की तारीफ करते हुए कहा कि वह 360 डिग्री खिलाड़ी हैं। गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन और उसके बाद, कनिका की 46 रनों की धमाकेदार पारी के बदौलत आरसीबी ने यूपी वारियर्स को बुधवार रात 5 विकेट से हराकर लीग में अपनी पहली जीत दर्ज की। मंधाना ने मैच के बाद कहा, हाँ, यह तनावपूर्ण था। हमने 7 वें ओवर में कुछ विकेट खो दिए, यह थोड़ा नर्वस था। लेकिन जिस तरह से कनिका और ऋचा ने खेला वह शानदार था। विशेष रूप से कनिका पर वास्तव में गर्व है। मैं उसे देखने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं।

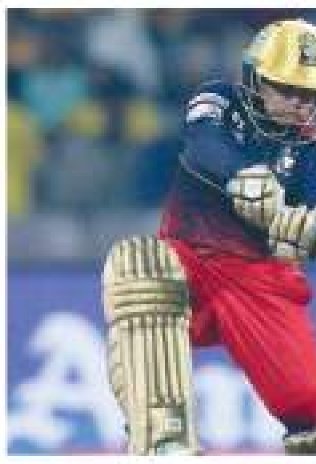

उसके पास दृष्टिकोण है। वह एक 360-डिग्री खिलाड़ी है, जो भारतीय क्रिकेट में सबसे आम नहीं है। वास्तव में हम उससे और उसके विश्वास से प्रभावित है। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए यूपी वारियर्स की टीम 19.3 ओवर में 135 रन पर सिमट गई। यूपी के लिए ग्रेस हैरिस (32 गेंदों में 46 रन) और दीप्ति शर्मा (19 गेंदों में 22 रन) ने बेहतरीन बल्लेबाजी की और छठे विकेट के लिए 69 रन की साझेदारी कर टीम को एक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। आरसीबी के लिए एलिसे पेरी ने चार ओवर में 16 रन देकर 3 विकेट लिए। सोफी डिवाइन और आशा शोभना ने दो-दो विकेट लिए। मेगन शुट्ट और श्रेयंका पाटिल को भी एक-एक विकेट मिला। जवाब में आरसीबी ने 18 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 136 रन बनाकर मैच जीत लिया। आरसीबी के लिए कनिका आहूजा ने 46, रिचा घोष ने नाबाद 31 और हीदर नाइट ने 24 रन बनाए। यूपी के लिए दीप्ति शर्मा ने 2, ग्रेस हैरिस, सोफी एक्लेस्टोन और देविका वैद्य ने 1-1 विकेट लिया। इस जीत के साथ ही आरसीबी छह मैचों में एक जीत और पांच हार के साथ दो अंकों के साथ तालिका में चौथे स्थान पर है। यूपी वारियर्स अब भी पांच मैचों में दो जीत और तीन हार के साथ कुल चार अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है।

आईपीएल 2023 : दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी करेंगे डेविड वार्नर

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर चोटिल ऋषभ पंत की अनुपस्थिति में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2023 संस्करण में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी करेंगे। ईएसपीएनक्रिकइन्फो के अनुसार, मुख्य कोच रिकी पोंटिंग और टीम प्रबंधन ने पंत की अनुपस्थिति में वार्नर को सबसे बेहतर उम्मीदवार पाया। पंत दिसंबर में एक भयानक कार दुर्घटना में चोटिल हो गए थे।

पंत के 2023 सीजन से बाहर होने के कारण कैपिटल्स को एक अंतरिम कप्तान की तलाश करनी पड़ी और वार्नर अक्षर पटेल के साथ इस पद की रेस में थे। यह दूसरी बार होगा जब वार्नर कैपिटल्स का नेतृत्व करेंगे। 2009 और 2013 में फ्रैंचाइजी के साथ अपने पिछले कार्यकाल में, उन्होंने कुछ मैचों में टीम का नेतृत्व किया था। वार्नर को सनराइजर्स हैदराबाद ने 2014 में खरीदा था और 2016 में, उन्होंने

अपने पहले खिताब के लिए टीम का नेतृत्व किया। जीते गए मैचों के मामले में, वार्नर पांचवें संयुक्त सबसे सफल कप्तान हैं। उन्होंने कप्तान के तौर पर 69 में से 35 मैच जीते, 32 हारे और दो मैच टाई रहे। कप्तानी के भार का भी वार्नर पर कोई असर नहीं पड़ा। उनके नाम 47.33 के औसत और 142.28 के स्ट्राइक रेट से एक कप्तान के रूप में एक शतक और 26 अर्धशतक के साथ 2,840 रन हैं। लेकिन 2021 के आईपीएल की पहली छमाही में उनके फॉर्म में गिरावट के हैदराबाद ने वार्नर की जगह केन विलियमसन को टीम का कप्तान बना दिया और उन्हें प्लेइंग एलेवन से भी बाहर कर दिया। इसके कारण टीम और वार्नर के बीच अनबन हो गई और उन्हें 2022 की मेगा नीलामी से पहले रिलीज कर दिया गया। नीलामी में कैपिटल्स ने उन्हें 6.25 करोड़ रुपये में खरीदा। वह 2022 में टीम के अग्रणी रन-स्कोरर के रूप में उभरे, जहां उन्होंने 48 के औसत और 150.52 की स्ट्राइक रेट के साथ 432 रन बनाए, जिनमें पांच अर्धशतक शामिल थे। अपने अंतिम लीग मैच में मुंबई इंडियंस से मिली मामूली हार के बाद कैपिटल्स प्लेऑफ में जगह बनाने से चूक गई। दिल्ली सात जीत, सात हार और कुल 14 अंकों के साथ अंक तालिका में पांचवें स्थान पर रही। दिल्ली की टीम अपने आईपीएल 2023 अभियान की शुरुआत 1 अप्रैल को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ करेगी।

क्रिस गेल ने धोए इंडिया महाराजास के गेंदबाज, वर्ल्ड जायंट्स को दिलाई जीत

दोहा। दोहा के इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में दर्शकों को क्रिस गेल को विंटेज रूप देखने को मिला। इंडिया महाराजास के खिलाफ खेले गए अहम मुकाबले में वर्ल्ड जायंट्स के सलामी बल्लेबाज क्रिस गेल ने ताबड़तोड़ शॉट लगाए और अपनी टीम को जीत दिला दी। इससे पहले इंडिया महाराजास ने नौ विकेट खोकर 136 रन बनाए थे। जवाब में वर्ल्ड जायंट्स ने क्रिस गेल की मजबूत पारी की बदौलत 19वें ओवर में जीत हासिल कर ली। इंडिया महाराजास की यह टूर्नामेंट में तीसरी हार है। अब वह प्वाइंट टेबल में दूसरे स्थान पर आ गई है। वर्ल्ड जायंट्स और एशिया लायंस अपने 3-3 मुकाबलों में 2-2 जीत हासिल कर चुके हैं।बहरहाल, इंडिया महाराजास ने पहले खेलना शुरू किया था। मैच में गौतम गंभीर खेल नहीं पाए थे इसलिए हरभजन सिंह ने टीम की कमान संभाली। इंडिया की ओर से रॉबिन उथप्पा के साथ मनविंदर बिसला ओपनिंग पर आए थे। पिछले मैच में 88 रन बनाने वाले उथप्पा महज 5 रन बनाकर आऊट हो गए। बिसला ने 36 तो सुरेश रैना ने 49 रन बनाकर स्कोर आगे बढ़ाया। रैना ने 41 गेंदों में दो चौके और तीन छक्कों की मदद से 49 रन बनाए। उन्हें इरफान पठान का भी साथ मिला। जिन्होंने 20 गेंदों में दो छक्कों की मदद से 25 रन बनाए थे। कैफ 0, हरभजन 2, डिंडा 1 ही रन बनाए जिसके चलते इंडिया महाराजास 136 रन ही बना पाई।जवाब में खेलने उतरी वर्ल्ड जायंट्स ने क्रिस गेल की बदौलत तूफानी शुरूआत की। हाशिम अमला के 6 रन बनाकर आऊट होने के बाद गेल ने शेन वॉटसन के साथ मिलकर छह ओवर में ही स्कोर 72 पर ला खड़ा किया था। वॉटसन जहां 26 रन बनाकर आऊट हुए तो वहीं, कप्तान एरोन फिंच 5 तो रोस टेलर 7 ही रन बना पाए। गेल ने एक छोर संभालकर 46 गेंदों में 9 चौकों की मदद से 57 रन बनाए। हालांकि इंडिया महाराजास ने बीच के ओवर में वापसी करते हुए लगातार विकेट निकाले लेकिन लक्ष्य छोटा होने के कारण वह हार को टाल नहीं पाए।

ACTION INDIA

एक्शन इंडिया

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

Front Page - 2

एक्शन इंडिया ▸ ऊना ▸ 17 मार्च 2023 ▸ पृष्ठ 12 ▸ आरएनआई: HPHIN / 2012 / 48072

राकेश भारद्वाज चौक' पर 'आदर्श रसोई' का 46वां हफ़्ता

शालीमार बाग (ए) वार्ड से निगम पार्षद जलज कुमार चौधरी ने रिबन काटकर किया आदर्श रसोई का शुभारंभ, केक काटकर मनाया गया दांडी मार्च दिवस

"राकेश भारद्वाज चौक" पर केक काटकर धूमधाम से मनाया गया दांडी मार्च दिवस

'राकेश भारद्वाज चौक' पर हर रविवार को आदर्श रसोई के माध्यम से जरूरतमंदों को मात्र 10 रूपए में विभिन्न व्यंजनों से सजी थाली तो परोसी ही जाती है। इसके साथ ही संस्था हर बार किसी नए आइडिया और अनोखी पहल के साथ कुछ अलग पेश करती है। जो हर किसी के लिए कौतुहल का विषय बना रहता है। आपको बता दें कि इससे पिछले रविवारों में मजदूर दिवस, मातृत्व दिवस, परिवार दिवस, अंतर्राष्ट्रीय नशा विरोधी दिवस सहित जन्मदिवस भी मनाए गए। धूमधाम से केक काटकर मनाया गया दांडी मार्च दिवस। सभी ने एकदूसरे को बधाई दी।

नई दिल्ली/टीम एक्शन इंडिया

आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले "**राकेश भारद्वाज चौक**" पर आदर्श रसोई हर बढ़ते हफ़्ते के साथ नित नए आयाम स्थापित करती जा रही है। स्वर्गीय राकेश भारद्वाज जी और उनके मित्र सुरेंदर चोपड़ा द्वारा लगाया गया एक छोटा सा पौधा आज एक वट वृक्ष का आकार ले चुका है। पिछले 46 हफ्तों से निरंतर हर रविवार को आदर्श रसोई का आयोजन किया जा रहा है। इसमें जरूरतमंदों को मात्र 10 रूपए में लजीज व्यंजनों से भरी थाली परोस जा रही है।

आदर्श रसोई ने स्थापित किए हैं सच्चे आदर्श

आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र के सबसे मशहूर और व्यस्ततम चौक "राकेश भारद्वाज चौक" पर क्षेत्र की सुप्रसिद्ध सामाजिक संस्था "**आदर्श रसोई**" ने अपना 46वां रविवारीय कार्यक्रम बड़े ही उत्साह, हर्षोल्लास और उमंग के साथ मनाया। आदर्श रसोई अपने पदाधिकारियों की सेवा, समर्पण और निःस्वार्थ भावना से आज सामाजिक कार्यों में नए आयाम स्थापित कर चुकी है।

निगम पार्षद जलज कुमार चौधरी ने किया विधिवत रूप से आदर्श रसोई का शुभारंभ

अपनी नई और नायाब पहल के लिए मशहूर आदर्श रसोई में इस बार भी कुछ अलग ही देखने को मिला। इस बार "**राकेश भारद्वाज चौक**" पर कार्यक्रम में बतौर शुभारंभकर्ता शालीमार बाग (ए) वार्ड से निगम पार्षद जलज कुमार चौधरी पहुंचे।

मुख्य अतिथि जलज कुमार चौधरी ने रिबन काटकर आदर्श रसोई की विधिवित शुरूआत की। इसके उपरांत निगम पार्षद जलज कुमार चौधरी ने श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें अपने श्रद्धासुमन अर्पित किये। इस मौके सभी पदाधिकारियों ने अतिथियों को पगड़ी पहनाकर भव्य अभिनंदन किया और इस दिन को विशेष बनाया। राकेश भारद्वाज चौक पर लोगों का हुजूम देखने लायक था। साथ ही अतिथियों के साथ-साथ पदाधिकारियों का भी उत्साह देखते ही बनता था।

क्या बोले पार्षद जलज कुमार चौधरी

इस विशेष मौके पर निगम पार्षद जलज कुमार चौधरी ने कहा कि आदर्श रसोई क्षेत्र में बेहतरीन सामाजिक कार्य कर रही है और दिन प्रतिदिन समाजसेवा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रही है। आज हमारे समाज में आदर्श रसोई जैसी सामाजिक संस्था की जरूरत है जो निःस्वार्थ भाव से समाजसेवा की आगे बढ़ाएं। इस सामाजिक कार्य के लिए आदर्श रसोई की पूरी टीम को दिल की गहराईयों से अभिनंदन और शुभकामनाएं।

पुण्य आत्मा श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी आज हमारे बीच नहीं हैं लेकिन उनकी सोच और समाज के प्रति दायित्व को को आदर्श रसोई के पदाधिकारी और उनके सुपुत्र रवि भारद्वाज मिलकर निरंतर रूप से आगे बढ़ा रहे हैं और दिन-प्रतिदिन आदर्श रसोई नित नए आयाम स्थापित कर रही है जो काबिलेतारीफ है और टीम के सभी सम्मानित सदस्य बधाई के पात्र हैं।

राकेश भारद्वाज जी के विचार हम सब के लिए अनुकरणीयः जलज कुमार चौधरी

जलज कुमार चौधरी ने कहा कि आज राकेश भारद्वाज जी हमारे बीच नहीं है लेकिन उनकी सोच को आदर्श रसोई के माध्यम से नया आयाम मिला है।

साथ ही राकेश भारद्वाज जी ने हमेशा अपने अनुभव से सभी का मार्गदर्शन किया। आज इस स्थान पर ऐसे कई विशिष्ट सदस्य मौजूद हैं जिनके जीवन में अपने विचारों व अनुभव से मार्गदर्शन किया। ये मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि आज आदर्श रसोई के माध्यम से मुझे सेवा करने का मौका मिला। इस तरह के सामाजिक कार्यों से जुड़कर मन को आत्मिक शांति मिलती है।

पार्षद ने आगे कहा कि आज श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी हमारे बीच नहीं हैं लेकिन उनके विचार, नेक नीयत से लोगों की मदद करना सभी को याद है। यहीं कारण है कि आज जब राकेश भारद्वाज चौक पर आदर्श रसोई का रविवारीय कार्यक्रम होता है तो लोग दौड़े चले आते हैं।

आदर्श रसोई के मध्यम से श्रद्धेय राकेश भारद्वाज आज भी लोगों के बीच ज़िंदा है : जलज कुमार चौधरी

निगम पार्षद जलज कुमार चौधरी ने कहा कि श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी हम सभी के लिये प्रेरणास्त्रोत हैं। आदर्श रसोई के माध्यम से राकेश भारद्वाज जी हम सभी के बीच ज़िंदा है। श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी ने हमेशा अपने अनुभव से सबका मार्गदर्शन किया। आदर्श रसोई का हर एक सदस्य रविवारीय कार्यक्रम को विशेष बनाने के लिए दिन-रात प्रयत्नशील रहता है और अपना भरपूर योगदान देता है। आदर्श रसोई के विचार लोगों को प्रेरणा देते हैं और इस तरह की जनसेवा का भाव रखने वाली संस्था आज समाज को जरूरत है। मैं आदर्श रसोई के सभी पदाधिकारियों का अभिनंदन करता हूं।

लजीज व्यंजनों से सजी थी आदर्श रसोई की थाली

आदर्श रसोई अपने नेक कार्यों के साथ-साथ स्वादिष्ठ, विशेष थाली के लिए भी मशहूर है। इस रविवार विशेष रसोई का आयोजन किया गया। थाली में तंदूरी रोटी, छोले-कढ़ी, आलूमटर, अचार, सलाद, रायता उपलब्ध करवाया गया था। साथ ही सभी को आइसक्रीम भी परोसी गई। निशुल्क पानी का भी विशेष प्रबंध किया गया था।

आदर्श रसोई ने पिछले 46 रविवार से परम श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी के दिखाएं हुए मार्ग पर चलते हुए जरूरतमंद लोगों के लिए भोजन का प्रबंध कर रही हैं। हम सभी को ऐसे निःस्वार्थ भाव से कार्य करने वाली संस्थाओं के साथ समाज में अपनी भूमिका का निर्वाह करना चाहिए। इस तरह के कार्यक्रम की आज समाज को जरूरत है और –जलज कुमार चौधरी, निगम पार्षद

ये आदर्श रसोई का 46वां रविवारीय आयोजन था। आदर्श रसोई का हर एक पदाधिकारी इस नेक कार्य में अपना योगदान देता है। मैं संस्था के सभी पदाधिकारियों का दिल की गहराईयो से आभार प्रकट करता हूं, जिन्होंने रविवारीय कार्यक्रम को विशेष बनाने के लिए दिन–रात प्रयत्नशील रहते हैं। – मोहन गर्ग, आदर्श रसोई चेयरमैन

आदर्श रसोई ने हमेशा ही जरूरतमंदों के लिए कार्य किया और राकेश भारद्वाज जी द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलते हुए रसोई का आयोजन निरंतर रूप से हो रहा है। टीम कार्यक्रम में योगदान दे रही है जिसके लिए पूरी टीम का दिल की गहराईयों से अभिनंदन और बधाई। यहीं कारण है कि आज आदर्श रसोई समाजसेवा में नए कीर्तिमान छू रहा है। – रामलाल उनियाल, वाईस चेयरमैन

आदर्श रसोई क्षेत्र में बेहतरीन कार्य कर रही है। आदर्श रसोई का उद्देश्य था जरूरतमंदों की सेवा करना और मुझे लगता कि कहीं न कहीं आदर्श रसोई की पूरी टीम इस उद्देश्य में सफल साबित हुई है। अभी लंबा सफर तय करना है। आदर्श रसोई की पूरी टीम रविवारीय कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए दिन–रात एक की हुई है। –सुरेंद्र चोपड़ा, प्रधान

आदर्श रसोई की नींव परम श्रद्धेय और मेरे पिता राकेश भारद्वाज जी और सुरेन्द्र चोपड़ा जी ने रखी थी। जिसका लक्ष्य था जरूरतमंदों की निःस्वार्थ भाव से भरपेट भोजन कराना। सप्ताह दर सप्ताह यह संस्था अपने लक्ष्य को निर्धारित कर कार्य कर रही है। साथ ही इस लक्ष्य को हासिल करने में संस्था का हर एक व्यक्ति अपना योगदान दे रहा। – रवि भारद्वाज, संयोजक

आदर्श रसोई पिछले 46 हफ्तों से बेहतरीन रविवारीय कार्यक्रम का आयोजन कर रही है, जिसका उद्देश्य जरूरतमंदों की सेवा करना है। साथ ही कार्यक्रम की पूरी रूपरेखा तय की जाती है। सभी अपने विचार आदान–प्रदान करते हैं। इस सफल कार्यक्रम के लिए पूरी टीम का अभिनदंन। पम्मी मल्होत्रा, महासचिव